शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 326 | गुवाहाटी | बुधवार, 26 जून, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

सीआरपीएफ जवान की हत्या पत्नी और उसका प्रेमी गिरफ्तार पेज 3
कांग्रेस ने आपातकाल लगा कर भारतीय राजनीति के इतिहास पर लगाया ... पेज 4
उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा अध्यादेश-2024 लाएगी योगी सरकार पेज 5
आपातकाल भारत के इतिहास में काला अध्याय : कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ पेज 8

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

सफलता हाथों की लकीरों में नहीं, माथे के पसीने में होती है!
– अज्ञात

देश में पहली बार स्पीकर पद चुनाव

ओम बिरला के खिलाफ के सुरेश विपक्ष के उम्मीदवार

नई दिल्ली। सत्तारूढ़ भाजपा नीत राजग और विपक्ष के बीच आम सहमति नहीं बन पाने के बाद पहली बार लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए चुनाव होगा। यह देश के इतिहास में पहली बार होगा कि लोकसभा स्पीकर के लिए चुनाव होगा। एनडीए ने जहां भाजपा सांसद ओम बिड़ला को अपना उम्मीदवार चुना है, वहीं विपक्ष ने दिग्गज कांग्रेस नेता के सुरेश को मैदान में उतारने का फैसला किया है। सरकार ने विपक्षी दल इंडिया गुट के यह कहने के बाद कि वह अपने विकल्पों पर विचार कर रहा है, लोकसभा अध्यक्ष पद के उम्मीदवार पर आम सहमति बनाने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू को तैनात किया था। आम चुनाव में ओम बिड़ला ने कोटा लोकसभा सीट पर 41,000 से ज्यादा वोटों से जीत हासिल की थी। इससे पहले, सूत्रों ने कहा था कि अगर लोकसभा अध्यक्ष के लिए एनडीए के उम्मीदवार पर आम सहमति बनती है तो उपाध्यक्ष का पद विपक्ष के पास जा सकता है। भाजपा ने 2014 में अन्नाद्रमुक के एम थंबी दुरई को उपाध्यक्ष नियुक्त किया था। यह पद 2019 से खाली है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को एनडीए के उम्मीदवार को समर्थन देने के लिए राजनाथ सिंह का फोन आया था। रायबरेली सांसद ने कहा, परंपरा के मुताबिक उपसभापति का पद विपक्ष को दिया जाना चाहिए। राजनाथ सिंह ने मल्लिकार्जुन खड़गे को फोन किया, और उन्होंने

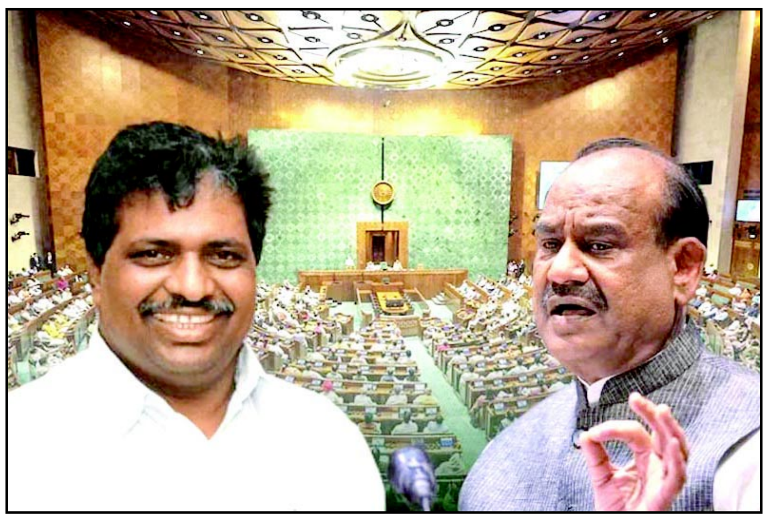

उनसे स्पीकर को समर्थन देने के लिए कहा। पूरे विपक्ष ने कहा कि हम स्पीकर का समर्थन करेंगे, लेकिन परंपरा यह है कि डिप्टी स्पीकर का पद विपक्ष को दिया जाना चाहिए। राजनाथ सिंह ने कहा कि वह देंगे। राहुल गांधी ने कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे को वापस बुलाओ, लेकिन उन्होंने अभी तक ऐसा नहीं किया है। प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि महताब की नियुक्ति पर सरकार और विपक्ष के बीच कड़वे गतिरोध के बाद स्पीकर पद पर सहमति बनी है। सोमवार को विपक्षी नेताओं ने प्रोटेम स्पीकर की मदद के लिए बने पैनल का हिस्सा बनने से इनकार कर दिया। कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्ष ने सरकार पर लोकसभा के सबसे वरिष्ठ सदस्य को अस्थायी पद पर नियुक्त नहीं करने की परंपरा से हटने का आरोप लगाया। 18वीं लोकसभा के पहले दिन की शुरुआत हंगामेदार रही, 1975 में आपातकाल लगाने को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच जुबानी जंग सत्र में हावी रही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत 262 सांसदों के शपथ लेने के साथ ही विपक्ष ने संसद परिसर के अंदर विरोध प्रदर्शन किया। राहुल गांधी सहित इंडिया ब्लॉक के सांसदों को *लोकतंत्र बचाओ* के नारे लगाते और संविधान की प्रतियां प्रदर्शित करते देखा गया।

विपक्ष की एकजुटता का पहला टेस्ट आज

नई दिल्ली (हि.स.)। लोकसभा अध्यक्ष पद को लेकर विपक्ष में दरार पैदा हो गई है। तृणमूल कांग्रेस के. सुरेश के नामांकन को लेकर नाराज है। पार्टी का कहना है कि यह एक तरफा फैसला है। वहीं कांग्रेस का कहना है कि यह अंतिम समय में लिया गया आवश्यतावश निर्णय है। यानी लोकसभा अध्यक्ष पद को लेकर विपक्ष की एकजुटता का कल पहला टेस्ट होगा। कांग्रेस पार्टी और अन्य विपक्षी पार्टियों की ओर से आज लोकसभा अध्यक्ष के लिए केरल से कांग्रेस सांसद के. सुरेश का नामांकन किया गया। विपक्ष उपाध्यक्ष का पद चाहता है, लेकिन सरकार इस पर फिलहाल कोई वादा नहीं करना चाहती। इसी के चलते आज विपक्ष ने परंपरा से अलग अध्यक्ष पद के लिए अपनी ओर से उम्मीदवार का नामांकन कर दिया। वहीं सत्तारूढ़ एनडीए ने अध्यक्ष पद के लिए ओम बिरला का नामांकन किया है। उधर लोक सभा की कार्यवाही मंगलवार शाम नवनिर्वाचित सदस्यों के शपथ ग्रहण के बाद बुधवार 11 सुबह बजे तक के लिए स्थगित हो गई। कल के बाद से राज्यवार -शेष पृष्ठ दो पर

स्पीकर का समर्थन करेंगे, डिप्टी स्पीकर विपक्ष का हो : राहुल

नई दिल्ली (हि.स.)। अठारहवीं लोकसभा में स्पीकर पद को लेकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि हम स्पीकर का समर्थन करेंगे लेकिन परंपरा यह है कि डिप्टी स्पीकर का पद विपक्ष को दिया जाना चाहिए। राहुल गांधी ने संसद भवन परिसर में आज मीडिया से बातचीत में यह प्रतिक्रिया दी। राहुल ने अखबारों की सुर्खियों को हवाला देते हुए कहा कि आज लिखा गया है कि पीएम मोदी ने कहा है कि विपक्ष को रचनात्मक रूप से सरकार के साथ सहयोग करना चाहिए। हम स्पीकर का समर्थन करेंगे लेकिन परंपरा यह है कि डिप्टी स्पीकर का पद विपक्ष को दिया जाना चाहिए। रायबरेली से सांसद और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि हमने राजनाथ सिंह से कहा है -शेष पृष्ठ दो पर

स्पीकर चुनाव पर इंडिया में फूट

हमसे पूछा नहीं, एकतरफा फैसला ले लिया : टीएमसी

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए सरकार और विपक्ष के बीच मंगलवार को आम-सहमति नहीं बन सकी। अब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के उम्मीदवार और भाजपा सांसद ओम बिरला का मुकाबला कांग्रेस के कोडिकुन्नील सुरेश के साथ होगा। लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव के लिए मतदान बुधवार को होगा। इससे पहले, लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव के लिए रणनीति बनाने के लिए भाजपा के नेता मंगलवार रात बैठक करेंगे। वहीं, कांग्रेस का -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

बाजरा की खेती में उल्लेखनीय वृद्धि : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि बाजरा की खेती में असम में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है। मुख्यमंत्री ने आज सोशल मीडिया के जरिए बताया कि बाजरा के महत्व और इसकी बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए, हमने 2022 में असम बाजरा अभियान शुरू किया था। माजुली के प्रगतिशील किसान सुमंत बरुवा जैसे किसान -शेष पृष्ठ दो पर

केरल में अलग माराबार राज्य की उठी मांग

तिरुवअंतपुरम। केरल के विभाजन के मांग से प्रदेश में नया सियासी बवाल खड़ा हो गया है। सुन्नी युवजन संगम (एसवाईएस) के नेता मुस्तफा मुण्डुपरा ने अलग मालाबार राज्य की वकालत की। इस बीच भाजपा ने कहा कि पार्टी केरल को विभाजित करने के किसी भी कदम का विरोध करेगी। उधर, केरल का नाम बदलने का प्रस्ताव भी विधानसभा में सर्वसम्मति से पारित हो -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम ने की फीस माफी शिक्षा योजना की समीक्षा

57,469 उम्मीदवार मुफ्त प्रवेश के लिए योग्य पाए गए

गुवाहाटी /नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने उच्च शिक्षण संस्थानों (एचईआई) में मुफ्त प्रवेश के लिए शुल्क-माफी योजना *प्रज्ञान भारती* की समीक्षा की। शैक्षणिक सत्र 2024-25 में कुल 57,469 आवेदक शुल्क माफी के पात्र पाए गए हैं। उम्मीद है कि यह संख्या बढ़ेगी क्योंकि यूजी प्रवेश 2024 के लिए दूसरी मेरिट सूची जल्द ही जारी होने की उम्मीद है। फीस माफी योजना के अनुसार, वे सभी छात्र जिनके परिवार की आय 2 लाख रुपए प्रति वर्ष से कम है, असम में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए नि:शुल्क प्रवेश के पात्र हैं। सीएम ने कहा कि योजना के तहत सरकारी और -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य पुलिस 1 जुलाई से नए आपराधिक कानून लागू करने के लिए पूरी तरह तैयार है : डीजीपी

गुवाहाटी। भारत एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए 1 जुलाई को तीन नए आपराधिक कानून लागू करने जा रहा है, जो औपनिवेशिक युग के कानूनों से एक महत्वपूर्ण बदलाव है। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) क्रमश: भारतीय दंड संहिता 1860, आपराधिक प्रक्रिया संहिता 1973 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 की जगह लेंगे। असम के पुलिस महानिदेशक जी.पी. सिंह ने 25 जून को नए आपराधिक कानूनों पर आयोजित मीडिया कार्यशाला के दौरान इस परिवर्तन को *एक महत्वपूर्ण अवसर* बताया। सिंह ने कहा कि हम इस घटना को अपने राष्ट्र के जीवन में एक महत्वपूर्ण घटना के रूप में देख रहे हैं, जहां हम औपनिवेशिक काल के दौरान बनाए गए कानूनों से आगे बढ़कर नए कानूनों के युग की ओर बढ़ रहे हैं, जो एक स्वतंत्र देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि असम पुलिस इन कानूनों को लागू करने के लिए लंबे समय से तैयारी कर रही है। जब हम नए कानूनों को देखते हैं और उन पर चर्चा करते हैं, तो मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि यह एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। कई अधिकारियों ने इस तरह के -शेष पृष्ठ दो पर

दिल्ली हाईकोर्ट से केजरीवाल को नहीं मिली राहत, जेल में ही रहेंगे

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट से अरविंद केजरीवाल को राहत नहीं मिली है। शराब नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हाईकोर्ट ने दिल्ली सीएम को जमानत देने से मना कर दिया है। दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले के बाद केजरीवाल को फिलहाल जेल में ही रहना होगा। न्यायमूर्ति सुधीर कुमार जैन की अवकाशकालीन पीठ ने कहा कि निचली अदालत प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उसके समक्ष पेश की गई सामग्री का उचित आकलन करने में विफल रही और उसने आम आदमी पार्टी नेता की जमानत याचिका पर फैसला करते समय विवेक का इस्तेमाल नहीं किया। -शेष पृष्ठ दो पर

राम मंदिर के गर्भगृह में बारिश का पानी नहीं भरा

श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट ने खारिज किए आरोप

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने मंदिर के गर्भगृह में बारिश का पानी भरने के आरोपों को सिरे से नकारते हुए कहा कि मंदिर निर्माण कार्य की गुणवत्ता में कोई भी कमी नहीं है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट राम मंदिर का निर्माण करा रहा है। राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने आरोप लगाया था कि शनिवार आधी रात को हुई बारिश के कारण गर्भगृह में मंदिर की छत से तेजी से पानी टपक रहा था और रविवार सुबह फर्श पर पानी भरा हुआ था। दास ने कहा कि काफी मशक्कत के बाद मंदिर परिसर से पानी निकाला गया हालांकि नृपेंद्र मिश्रा ने इन आरोपों को सिरे से नकार दिया। मिश्रा ने यहां संवाददाताओं से कहा कि पहले मैं आपको एक बात स्पष्ट करना चाहूंगा। समाचार पत्रों में यह बात छपी है कि मंदिर की छत से बारिश का पानी टपका, जिस वजह से गर्भगृह में या अन्य स्थानों पर पानी भरा। ऐसा कुछ भी नहीं है। मैंने स्वयं निरीक्षण किया। मिश्रा ने कहा कि गुरु मंडप की जो छत और गुंबद है, उसका निर्माण कार्य अभी पूरा नहीं हुआ है। वह तो द्वितीय तल पर जाकर पूरा होगा। उसके बाद ही वहां का पानी रुकेगा, इसीलिए आपने देखा होगा कि जब श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं तो उस छत पर हम -शेष पृष्ठ दो पर

आरएसएस कार्यकर्ता की हत्या मामले में 17 पीएफआई सदस्यों को मिली जमानत

कोच्चि। केरल हाईकोर्ट ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता श्रीनिवासन की हत्या के मामले में आरोपित पीएफआइ के 17 सदस्यों को मंगलवार को जमानत दे दी। ये लोग राज्य और देश के विभिन्न हिस्सों में संप्रादायिक हिंसा भड़काने के आरोपों का भी सामना कर रहे हैं। श्रीनिवासन की पलक्कड़ जिले में 16 अप्रैल 2022 को हत्या की गई थी। जस्टिस एके जयशंकरन नांबियार और जस्टिस श्याम कुमार वीएम की पीठ ने एनआइए की विशेष अदालत के उस आदेश को भी बरकरार रखा, जिसमें नौ अन्य आरोपियों को किसी भी तरह की राहत देने से इन्कार किया गया है। हाईकोर्ट का 111 पेज का यह -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस ने जारी किया तीन लाइन का व्हिप, सभी सांसदों को लोकसभा में मौजूद रहने का आदेश

नई दिल्ली। कांग्रेस ने मंगलवार को अपने सांसदों को तीन लाइन का व्हिप जारी कर कहा कि वे लोकसभा अध्यक्ष पद के चुनाव के दौरान बुधवार को सुबह 11 बजे से सदन में उपस्थित रहें। सदन में कांग्रेस के मुख्य सचेतक के. सुरेश द्वारा जारी व्हिप में कहा गया है कि कल यानी बुधवार, 26 जून, 2024 को लोकसभा में बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा उठाया जाएगा। इसमें यह भी कहा गया है कि लोकसभा में कांग्रेस पार्टी के सभी सदस्यों से अनुरोध है कि वे 26 जून, 2024 को सुबह 11:00 बजे से सदन के स्थगन तक उपस्थित रहें और पार्टी के रुख का समर्थन करें। लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए सुरेश विपक्ष के उम्मीदवार हैं। उनका मुकाबला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीवार ओम बिरला से है। बिरला और सुरेश ने मंगलवार को क्रमश: एनडीए और विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के उम्मीदवारों के रूप में अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव में उतरने के लिए विपक्ष ने अंतिम समय में तब फैसला लिया जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेताओं ने उनकी इस पूर्व शर्त को नहीं माना कि एनडीए के उम्मीदवार बिरला का समर्थन करने के ऐवज में विपक्षी *इंडिया* गठबंधन को उपाध्यक्ष पद दिया जाना चाहिए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के संसद भवन स्थित कार्यालय में विपक्ष की ओर से कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और द्रमुक के टी आर बालू ने सिंह, गृह मंत्री अमित -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में अलग केंद्र शासित प्रदेश की मांग तेज हजारों लोगों ने सड़कों पर उतर किया प्रदर्शन

इंफाल। सैकड़ों आदिवासी कुकी-जो लोग समुदाय के लिए एक केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) और राज्य के भीतर चल रहे जातीय संघर्ष को समाप्त करने के लिए एक *राजनीतिक समाधान* की मांग को लेकर मणिपुर के पहाड़ी जिलों में सड़कों पर उतर आए। विरोध का नेतृत्व इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम (आईटीएलएफ) ने किया। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 239ए के तहत विधायिका के साथ यूटी का गठन संघर्ष का समाधान हो सकता है। प्रदर्शनकारियों ने चल रहे संघर्ष को रोकने के लिए केंद्र के हस्तक्षेप की मांग की, जिसके परिणामस्वरूप कम से कम 221 लोगों की मौत हो गई और 50,000 से अधिक लोग विस्थापित हो गए। आदिवासी समूह ने एक ज्ञापन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से राजनीतिक समाधान के लिए उनकी मांगों को शीघ्र पूरा करने के लिए भी -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact
97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

इमरजेंसी के दौरान साहस दिखाने वालों को सीएम ने किया नमन

गुवाहाटी (हिंस)। आपातकाल (इमरजेंसी) के दौरान साहस दिखाने वालों का मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व सरमा ने आज नमन किया। मुख्यमंत्री ने आज सोशल मीडिया के जरिए कहा कि 1975 में आज ही के दिन हमारे लोकतंत्र ने आजादी के बाद सबसे काला अध्याय देखा था। इतिहास के इस दुर्भाग्यपूर्ण काले अध्याय में हम उन महान लोगों एवं संस्थाओं का नमन करते हैं, जिन्होंने इतिहास के इस आपातकाल के काले अध्याय में निडरता से लड़ाई लड़ी। 1975 में आज ही के दिन हमारे लोकतंत्र ने अपना सबसे काला समय देखा था। इमरजेंसी के काले दिन का निडरता से विरोध करने वाले उन सभी महान व्यक्तियों का हम नमन करते हैं। इमरजेंसी में की गई ज्यादतियों के बावजूद हमारे लोकतांत्रिक लोकाचार सफलतापूर्वक एक सत्तावादी मानसिकता पर हावी हो गए।

आईजीपी ने कछार में सुरक्षा का दिया आश्वासन, कहा–

यह असम है, मणिपुर नहीं किसी को नहीं बख्शेंगे

कछार। असम पुलिस ने कछार जिले में डोर-टू-डोर सर्वेक्षण शुरू किया है, जिसका उद्देश्य मणिपुर के जिरीबाम से उन लोगों की पहचान करना है, जिन्होंने जिले में शरण ली है। असम के वरिष्ठ पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने 24 जून को कहा कि इन लोगों को किसी भी तरह की हिंसा में शामिल होने से सावधान किया गया है। *यह असम है, मणिपुर नहीं। यहां उग्रवाद से निपटने का हमारा इतिहास रहा है और अगर कोई अवैध गतिविधियों में संलिप्त पाया जाता है तो हम उसे नहीं छोड़ेंगे* असम के महानिरीक्षक (कानून और व्यवस्था) प्रशांत कुमार भुइयां ने 24 जून को लखीपुर निवासियों के साथ बातचीत के दौरान कहा। जिरीबाम में हिंसा के कारण लगभग 2,000 लोग कछार में शरण लेने के लिए आ गए हैं, जिसके कारण असम पुलिस ने सतर्कता और सुरक्षा उपाय बढ़ा दिए हैं। अपने दौरे पर आईजीपी भुयान ने उप महानिरीक्षक (डीआईजी) कोंकणज्योति सैकिया, कछार के पुलिस अधीक्षक नोमल महत्ता और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सीमावर्ती क्षेत्रों, विशेष रूप से जिरीघाट का निरीक्षण किया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अशांति असम में न फैले। असम पुलिस ने शांति बनाए रखने और कछार में किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकने के उद्देश्य से भूमि और जलमार्ग दोनों पर गश्त करने के लिए कमांडो बटालियन तैनात की हैं। आईजीपी भुइयां ने कहा कि असम पुलिस यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि जिरीबाम में हुई झड़पों का असर कछार के सीमावर्ती इलाकों पर न पड़े। उन्होंने लगातार गश्त और मजबूत सुरक्षा व्यवस्था की स्थापना सहित उठाए जा रहे सक्रिय कदमों पर जोर दिया। सुरक्षा उपायों के अलावा, आईजीपी ने मणिपुर से विस्थापित व्यक्तियों का सर्वेक्षण करने की घोषणा की, जिन्होंने कछार में शरण ली है। इसका उद्देश्य किसी भी *अवांछित* तत्व की पहचान करना और उससे निपटना है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हिंसा से केवल वास्तविक रूप से प्रभावित लोग ही बचे रहें। भुयान ने कहा कि हम झड़पों के कारण कछार आए लोगों का गहन सर्वेक्षण करेंगे और निष्कर्षों के आधार पर आवश्यक कार्रवाई करेंगे। जिरीबाम में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है, झड़पों को नियंत्रित करने के लिए शाम का कर्फ्यू अभी भी लागू है। असम पुलिस के सक्रिय दृष्टिकोण का उद्देश्य मणिपुर में हिंसा के किसी भी संभावित प्रभाव से असम के सीमावर्ती क्षेत्रों की सुरक्षा करना है। अतिरिक्त बलों की तैनाती और निरंतर निगरानी के साथ, असम पुलिस कछार के सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थिरता बनाए रखने और सभी निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है।

आपातकाल को पाठ्यक्रम में शामिल करने की जरूरत : नायडू

नई दिल्ली (हि.स.)। आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर मंगलवार को कांस्टीट्यूशनल क्लब में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने आपातकाल के दौरान तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा उनके साथ हुए प्रताड़ना से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी की सरकार द्वारा आपातकाल ने देश के लोकतंत्र पर कलंक लगाया। बतौर मुख्य अतिथि पूर्व उपराष्ट्रपति नायडू ने कहा कि सभी छात्रों के लिए पाठ्य पुस्तकों में एक पाठ होना चाहिए कि आपातकाल क्या था और इसे कैसे लगाया गया था?...छात्रों को आपातकाल के बारे में जानना चाहिए। यह कार्यक्रम पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे के नेतृत्व में हुआ। इसमें आपातकाल के दौरान तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा यातना के शिकार बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश और दिल्ली आदि राज्यों के बड़ी संख्या में लोकतंत्र सेनानी वहां पहुंचे थे। आपातकाल को जयप्रकाश नारायण आंदोलन के नाम से भी जाना जाता है। आजादी के बाद इसे लोकतंत्र की दूसरी आजादी का भी नाम दिया गया है। फिल्म अभिनेत्री एवं सांसद कंगना रनौत ने कहा कि आपातकाल लोकतंत्र का काला अध्याय है। इसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। उस समय रक्षक ही भक्षक बन गए थे। कंगना ने अपनी फिल्म इमरजेंसी के बारे में भी सभी को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि यह फिल्म कांग्रेस की काली करतूत से अवगत कराएगी। उन्होंने 6 सितंबर को इस फिल्म की रिलीज की भी घोषणा की। पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने कहा कि आपातकाल लगाकर इंदिरा की सरकार ने भारत के संविधान का गला घोंट दिया था।

याबा टैबलेट के साथ तस्कर गिरफ्तार

करीमगंज (हिंस)। करीमगंज पुलिस ने 10 हजार याबा टैबलेटों के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व सरमा ने सोशल मीडिया के जरिए आज बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर करीमगंज पुलिस ने एक अभियान चलाया। जिसमें उन्होंने 2.5 करोड़ रुपए मूल्य की 10 हजार याबा टैबलेट ले जा रहे एक दोपहिया वाहन को रोका। इस संबंध में एक व्यक्ति को टैबलेट के साथ गिरफ्तार कर लिया गया।

Email : sp-dhubri@assampolice.gov.in

MISSING INFORMATION

Ruhul Amin — 16 years old.

The above is a photograph of a missing minor boy, namely Ruhul Amin, 16 years old. The complainant is Hussain Ali Sk., son of Lt. Kayumuddin Sk., residing at Village: Nayeralga Pt. III, PS- Bilasipara, Dist- Dhubri, Assam. He has been missing since he went to Kazaikata School, as reported by the complainant at Bilasipara PS.

On receipt of the information, a missing entry vides Bilasipara PS GDE no. 04, dated : 21.06.2024 was made and investigated into for tracing out the missing boy.

The descriptive roll of the missing boy as follows:-

1. Height - Approximately 5 feet.
2. Complexion - Swarthy.
3. Religion - Islam.
4. Age - 16 years.
5. Date of Missing - 20/06/2024.
6. Body built - Lean.

All effort may kindly be taken to trace out the above boy with intimation to the undersigned.

-- Janasanyog /D/1875 /24/26-Jun-24

Superintendent of Police, Dhubri, Assam

भाजपा ने मनाया काला दिवस

इटानगर (हिंस)। भाजपा के नेतृत्व वाले राज्यों के साथ ही अरुणाचल प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भी देश में आपातकाल के 50 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आज काला दिवस के रूप में मनाया। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) द्वारा विवेक विहार स्थित प्रदेश भाजपा मुख्यालय में इस संबंध में एक आयोजित किया गया। इस अवसर पर आईपीआर मंत्री न्यातो डुकम और प्रदेश भाजपा महासचिव तादार निगलर सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित थे। 1975 में इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार द्वारा लगाए गए आपातकाल के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए मंत्री डुकम ने पुरानी पीढ़ियों पर इसके प्रभाव का उल्लेख करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम उन लोगों के योगदान को पहचानने के बारे में है जिन्होंने उस कठिन परिस्थितियों को सहन किया। वह जनता के साथ अन्याय था, वहां आज के दिन हमने तत्कालीन कांग्रेसी सरकार के खिलाफ काला दिवस मनाया और तत्कालीन प्रधानमंत्री का पुतला जलाया। ताड़र निगलर ने भविष्य के लिए सबक सीखने के लिए आपातकाल को *भारतीय संसदीय लोकतंत्र के सबसे काले इतिहास* के रूप में याद करने के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

सीजेआई ने कोर्ट में लंबित मामलों पर जताई चिंता

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने 29 जुलाई से छह दिन सुप्रीम कोर्ट में विशेष लोक अदालत लगाने की घोषणा करते हुए कहा कि बेहिसाब लंबित मामलों को लेकर वह बहुत चिंतित हैं। उन्होंने देश के नागरिकों और वकीलों से इन परिस्थितियों का लाभ लेने की अपील करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट में विवाह और संपत्ति पर समझौते से जुड़े मामले, सड़क दुर्घटना के दावों, भूमि अधिग्रहण, मुआवजे, सेवा व श्रम से जुड़े मामलों के द्रुत गति से निस्तारण पर लोक अदालत में काम होगा। सीजेआई चंद्रचूड़ ने मंगलवार को कहा कि आगामी 29 जुलाई से तीन अगस्त तक एक विशेष लोक अदालत चलेगी।

पृष्ठ एक का शेष

विपक्ष की एकजुटता...

सदस्यों ने शपथ ली। शपथ के बाद प्रोटेम स्पीकर की ओर से कार्यवाही को कल तक के लिए स्थगित कर दिया गया। लोकसभा में बुधवार को नए अध्यक्ष पद का चुनाव होगा। चुनाव के पहले पक्ष और विपक्ष दोनों की ओर से नामांकन किया गया है। सत्ता पक्ष की ओर से ओम बिरला और विपक्ष की ओर से के. सुरेश ने नामांकन किया। इसी बीच राजनीतिक दलों ने अपनी-अपनी पार्टी सदस्यों को व्हिप जारी करने शुरू कर दिए हैं। लोक सभा में बुधवार को अध्यक्ष के चुने जाने के बाद गुरुवार को राष्ट्रपति का दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में अभिभाषण होगा। इसके बाद शुक्रवार से राष्ट्रपति के अभिभाषण पर दोनों सदनों में चर्चा होगी।

स्पीकर का समर्थन ...

कि हम उनके अध्यक्ष (उम्मीदवार) का समर्थन करेंगे, लेकिन परंपरा यह है कि उपाध्यक्ष का पद विपक्ष को दिया जाएगा। राहुल गांधी ने कहा कि राजनाथ सिंह ने कहा कि वह मल्लिकार्जुन खड़गे को वापस बुलाएंगे लेकिन उन्होंने अभी तक ऐसा नहीं किया है। उन्होंने कहा कि एक तरफ पीएम मोदी विपक्ष से सहयोग मांग रहे हैं दूसरी ओर हमारे नेता का अपमान हो रहा है।

हमसे पूछा नहीं...

कहना है कि अब गेंद सरकार के पाले में है और वह परंपरा के अनुसार विपक्ष को उपसभापति का पद देने की पेशकश कर इस मुद्दे पर आम सहमति बना सकती है। बिरला और सुरेश ने मंगलवार को क्रमश: एनडीए और विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (आई.एन.डी.आई.ए.) के उम्मीदवारों के रूप में अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा कि इस पद के लिए कांग्रेस के के. सुरेश को आई.एन.डी.आई.ए. के संयुक्त उम्मीदवार के रूप में उतारने के बारे में उनकी पार्टी से परामर्श नहीं लिया गया। उन्होंने कहा कि पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी सुरेश का समर्थन करने पर निर्णय लेंगी। बनर्जी ने कहा कि किसी ने हमसे संपर्क नहीं किया, कोई बातचीत नहीं हुई, दुर्भाग्य से यह एकतरफा फैसला है। सूत्रों ने बताया कि टीएमसी ने अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए सुरेश के नामांकन पत्र पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं और संभवत: वह आज रात होने वाली विपक्षी बैठक में शामिल नहीं होगी। उन्होंने कहा कि आई.एन.डी.आई.ए. के शीर्ष नेता अपनी रणनीति तैयार करने के लिए रात आठ बजे कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर बैठक करेंगे। अध्यक्ष पद के लिए चुनाव बुधवार सुबह होगा और एनडीए के पास चुनाव जीतने के लिए पर्याप्त संख्या है। वहीं, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि विपक्ष की पेशकश है कि सरकार पिछली परंपराओं के अनुसार उसे उपसभापति का पद दे और बदले में वह बिरला की उम्मीदवारी का समर्थन करेगी। हालांकि, सरकार ने कहा है कि बिरला की उम्मीदवारी को समर्थन सशर्त नहीं हो सकता, क्योंकि अध्यक्ष सभी दलों का होता है और उनके नाम पर आम सहमति होनी चाहिए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और बनर्जी को लोकसभा के अंदर बातचीत करते देखा गया। जब राहुल गांधी सदन से बाहर आए तो मीडिया ने उनसे पूछा कि क्या वह अध्यक्ष के मुद्दे पर बनर्जी के साथ किसी समझौते पर पहुंच सकते हैं। जवाब में राहुल गांधी ने कहा कि जय संविधान।

57,469 उम्मीदवार ...

प्रांतीय कॉलेजों और राज्य विश्वविद्यालयों में एफवाईयूजीपी में 57,469 छात्रों को प्रवेश दिया गया है। अन्य 50,000 छात्रों के इस योजना का लाभ उठाने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि संस्थानों से डेटा संकलन के बाद आम तौर पर हर वित्तीय वर्ष के अंत में संस्थानों को प्रतिपूर्ति की जाती है, जिसमें काफी समय लगता है। इस साल, डेटा अब समर्थ पोर्टल पर आसानी से उपलब्ध है। मुख्यमंत्री ने प्रौद्योगिकी और समर्थ ई-गवर्नेंस का धन्यवाद करते हुए 10 जुलाई को सभी गैर-सीयूईटी प्रवेशों के लिए संस्थानों को प्रतिपूर्ति करने का आदेश दिया है। इसी तरह, सीयूईटी-आधारित प्रवेश पूरा होने के बाद, सरकार अगस्त महीने में प्रतिपूर्ति करेगी। पिछले 3 वर्षों में फीस माफी प्रतिपूर्ति के रूप में कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को कुल 427.51 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं और 10 लाख 95 हजार छात्र इस योजना से लाभान्वित हुए हैं। असम के शिक्षा मंत्री रनोज पेगू ने सरकारी और प्रांतीय कॉलेजों और राज्य विश्वविद्यालयों में एफवाईयूजीपी में प्रवेश के लिए शुल्क माफी योजना का लाभ उठाने के लिए पात्र छात्रों से कहा कि यदि उनके पास आय प्रमाण पत्र नहीं है तो वे अपना पारिवारिक राशन कार्ड प्रस्तुत करें। मुख्यमंत्री ने प्रवेश संस्थानों को यह भी निर्देश दिया कि जहां आय प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं है, वहां आय प्रमाण के रूप में एनएफएसए प्रमाण पत्र स्वीकार किया जाए। उन्होंने बताया कि राज्य में कुल 4,81,317 आवेदन प्राप्त हुए हैं। प्रवेश के लिए चयनित कुल 1,28,317 अभ्यर्थियों में से 86,623 को समर्थ पोर्टल के माध्यम से प्रवेश दिया गया है। इनमें से 66,600 विद्यार्थियों ने कला, 11,400 ने विज्ञान और 7,280 ने वाणिज्य का चयन किया है। चयनित अभ्यर्थियों में 49,200 छात्राएं और 37,000 छात्र हैं।

राज्य पुलिस 1 जुलाई ...

बदलाव को देखे बिना सेवा की है। 1 जुलाई से प्रभावी होने वाले नए कानून औपनिवेशिक युग के नियमों से आधुनिक कानून की ओर बदलाव का प्रतीक हैं। सिंह ने कहा कि असम पुलिस पिछले तीन वर्षों से इस बदलाव को लागू करने की तैयारी कर रही है। फोरेंसिक विभाग में हमारा काम जारी है। उन्होंने कहा कि हमने फोरेंसिक पर बहुत जोर दिया है, जो नए कानूनों के कार्यान्वयन के लिए महत्वपूर्ण है। बल ने पहले ही आपराधिक फोरेंसिक विज्ञान में लगभग 200 अधिकारियों को प्रशिक्षित किया है, और आने वाले महीनों में 500 और अधिकारियों को प्रशिक्षित करने की योजना है। सिंह ने आपराधिक न्याय प्रणाली के चार स्तंभों को रेखांकित किया: पुलिस द्वारा जांच, अभियोजकों द्वारा अभियोजन, न्यायालयों द्वारा अपराध निर्धारण, तथा जेल प्रणाली के माध्यम से सुधार। उन्होंने जोर देकर कहा कि नए कानून समयबद्ध सुनवाई सुनिश्चित करेंगे, जो लंबी कार्यवाही से एक महत्वपूर्ण बदलाव है। उन्होंने कहा कि हम इस प्रक्रिया के लिए लंबे समय से तैयारी कर रहे हैं और महीनों से प्रशिक्षण ले रहे हैं। दैनिक अपराध रिपोर्ट में अब अद्यतन कानूनों के लिए एक नया कॉलम शामिल किया गया है, सभी पुलिस स्टेशन इस जानकारी को शामिल करते हुए रिपोर्ट भेज रहे हैं। असम पुलिस ने जांच अधिकारियों द्वारा वीडियो और ऑडियो कथन सहित उचित साक्ष्य रिकॉर्डिंग के लिए प्रशिक्षण पर भी ध्यान केंद्रित किया है। डीजीपी ने दंडात्मक दृष्टिकोण से न्यायोन्मुखी प्रणाली की ओर बदलाव पर भी प्रकाश डाला। सिंह ने कहा कि आज जो कानून लागू हैं, उनकी विरासत कई वर्षों की है; इसी तरह, नए कानूनों की विरासत को भी बनने में समय लगेगा। सिंह ने मीडिया से अपील की कि वह जनता को यह जानकारी देने में मदद करे कि 1 जुलाई से क्या अपेक्षाएं की जानी चाहिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि हम पुलिस मुख्यालय से बहुत करीबी नजर रख रहे हैं ताकि कानून का क्रियान्वयन यथासंभव निर्बाध हो सके। कार्यशाला के दौरान मुख्य वक्ता के रूप में सीआईडी असम के एडीजीपी मुन्ना प्रसाद गुप्ता ने आपराधिक कानूनों में सुधारों का गहन विश्लेषण किया। गुप्ता ने पीड़ितों के अधिकारों, विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों के अधिकारों, न्यायिक प्रणाली में प्रौद्योगिकी के बढ़ते उपयोग और छोटे अपराधों के लिए सजा के रूप में सामुदायिक सेवा की शुरूआत पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कहा कि इन कानूनों का उद्देश्य सजा के बजाय न्याय पर ध्यान केंद्रित करना और त्वरित न्याय प्रदान करना है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि डिजिटल साक्ष्य अब भौतिक साक्ष्य के बराबर है, जिसमें वीडियो के क्लाउड स्टोरेज को प्राथमिक साक्ष्य माना जाता है। इस कार्यक्रम में एनई जोन के महानिदेशक सतीश नम्बूदरीपाद भी मौजूद थे, जिन्होंने स्वागत भाषण दिया और चर्चा की कि आपराधिक न्याय प्रणाली में दर्शन और दृष्टिकोण किस तरह विकसित होकर जनता के लिए अधिक सुलभ हो गए हैं। अन्य उपस्थित लोगों में पीआईबी के अतिरिक्त महानिदेशक जेन नामचू, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अधिकारी, असम पुलिस और मीडिया घरानों के प्रतिनिधि शामिल थे।

दिल्ली हाईकोर्ट से ...

न्यायाधीश ने यह भी कहा कि निचली अदालत को ईडी को अपना पक्ष रखने के लिए पर्याप्त अवसर देना चाहिए था। पीठ ने कहा कि विवादित आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगाई जाती है। निचली अदालत ने 20 जून को केजरीवाल को जमानत दे दी थी और एक लाख रुपए के निजी मुचलके पर रिहा करने का आदेश दिया था। ईडी ने अगले दिन उच्च न्यायालय का रुख किया और दलील दी कि निचली अदालत का आदेश *त्रुटिपूर्ण, एकतरफा और गलत* था तथा निष्कर्ष अप्रासंगिक तथ्यों पर आधारित थे। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना द्वारा शराब नीति के निर्माण और क्रियान्वयन में कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार की सीबीआई जांच के आदेश के बाद 2022 में इसे रद्द कर दिया गया था। सीबीआई और ईडी के अनुसार, आबकारी नीति को संशोधित करते समय अनियमितताएं की गईं और लाइसेंस धारकों को अनुचित लाभ पहुंचाया गया। ईडी ने आरोप लगाया कि अपराध की आय का लगभग 45 करोड़ रुपए का हिस्सा गोवा में 2022 के विधानसभा चुनावों के दौरान आप द्वारा उपयोग किया गया था। एजेंसी ने कहा कि इस तरह से आप ने केजरीवाल के माध्यम से मनी लॉन्ड्रिंग का अपराध किया। पार्टी ने आरोपों का जोरदार खंडन किया है और आरोप लगाया है कि यह एक राजनीतिक साजिश थी।

श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट ...

लोगों ने अस्थायी निर्माण करके एक *प्रोटेक्शन लेयर* बनाई है। उन्होंने कहा कि वह भी जब मंदिर का निर्माण पूरा हो जाएगा तो हटा दिया जाएगा। लोगों ने उसके प्रति एक भ्रम पैदा किया कि वहां से पानी आया। मिश्रा ने कहा कि प्रथम तल पर बिजली के तार डाले जाने हैं, जिसके लिए लगाए गए पाइप खुले हुए हैं। चूंकि पानी पाइप से नीचे चला गया तो कुछ जगहों पर पानी भर गया लेकिन हम पूरी तरह आश्वस्त करना चाहेंगे कि निर्माण की गुणवत्ता में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं है। मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने सोमवार को संवाददाताओं को संबोधित करते हुए मंदिर निर्माण कार्य में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया था और कहा था कि बहुत आश्चर्य की बात है कि पूरे देश के ऐसे-ऐसे इंजीनियर यहां आकर राम मंदिर बना रहे हैं फिर ऐसा क्यों हुआ? इतने बड़े इंजीनियरों के रहते ऐसी घटना हो रही है, जो बहुत गलत है। नृपेंद्र मिश्रा ने दास के आरोपों को खारिज करते हुए दावा किया कि मंदिर निर्माण की गुणवत्ता परखने के लिये समय-समय पर रुड़की के सीबीआरआई से बड़े-बड़े अभियंता आकर निरीक्षण करते हैं, निर्माण कार्य को देखते हैं और उसका प्रमाण पत्र देते हैं।

आरएसएस कार्यकर्ता की ...

आदेश मामले के उन 26 आरोपियों की अपील पर आया, जिन्होंने विशेष अदालत द्वारा उनकी जमानत अर्जी खारिज किए जाने को चुनौती दी थी। हाई कोर्ट ने 26 आरोपियों में से 17 को जमानत देते हुए सख्त शर्तें भी लगाई हैं। आरोपियों को अपना मोबाइल फोन नंबर और वास्तविक समय में जीपीएस लोकेशन जांच अधिकारी से साझा करना होगा। केरल से बाहर नहीं जाएंगे, अपना पासपोर्ट जमा करेंगे और 24 घंटे अपना मोबाइल फोन चार्ज व आन रखेंगे।

कांग्रेस ने जारी किया...

शाह तथा स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से इस मुद्दे पर आम-सहमति बनाने के उद्देश्य से बातचीत की लेकिन दोनों पक्ष अपने रुख पर अड़े रहे और कोई नतीजा नहीं निकला। पिछली लोकसभा में भी अध्यक्ष रह चुके बिरला को एनडीए की तरफ से सर्वसम्मति से उम्मीदवार बनाया गया है। बिरला ने नामांकन दाखिल करने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। वेणुगोपाल और बालू लोकसभा अध्यक्ष के पद के लिए एनडीए उम्मीदवार का समर्थन करने से इनकार करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के कार्यालय से बाहर आ गए। वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि सरकार ने उपाध्यक्ष पद विपक्ष को देने की प्रतिबद्धता नहीं जताई। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष के लिए उम्मीदवार के नाम पर सर्व सम्मति होती तो बेहतर होता। उन्होंने इस संबंध में शर्तें रखने के लिए विपक्ष की आलोचना भी की। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को शर्तों पर नहीं चलाया जा सकता। जनता दल (यूनाइटेड) के नेता और केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कहा कि बिरला का नाम एनडीए के सभी दलों ने सर्वसम्मति से तय किया और भाजपा के वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह भी समर्थन हासिल करने के लिए विपक्ष के पास पहुंचे। विपक्ष पर निशाना साधते हुए ललन सिंह ने कहा कि वे लोकसभा उपाध्यक्ष के पद पर तुरंत फैसला चाहते हैं, जबकि राजनाथ सिंह ने अनुरोध किया था कि चयन का समय आने पर सभी को एक साथ बैठना चाहिए और इस मुद्दे पर चर्चा करनी चाहिए। बिरला ने नामांकन दाखिल करने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। वह राजस्थान के कोटा से लगातार तीसरी बार भाजपा के टिकट पर सदस्य निर्वाचित हुए हैं। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार लोकसभा अध्यक्ष का निर्वाचन बुधवार को होना है और यदि मतदान होता है तो लोकसभा के इतिहास में ऐसा तीसरी बार ही होगा। सदन में भाजपा समेत एनडीए के 293 सांसद हैं और विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के 233 सदस्य हैं। दो लोकसभा सीट से निर्वाचित हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी के केरल की वायनाड सीट से इस्तीफा दिए जाने के बाद सदन में कुल सदस्यों की संख्या 542 रह गई है। कम से कम तीन निर्दलीय सदस्य भी विपक्षी खेमे में माने जा रहे हैं। भाजपा सूत्रों ने दावा किया कि इस मुद्दे पर मुख्य रूप से कांग्रेस का रुख ही आक्रामक है और इंडिया गठबंधन के कुछ अन्य सदस्य लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए चुनाव होने के पक्ष में नहीं हैं। यदि कोटा से भाजपा सांसद बिरला फिर से लोकसभा अध्यक्ष चुने जाते हैं तो पांचवीं बार ऐसा होगा कि कोई अध्यक्ष एक लोकसभा से अधिक कार्यकाल तक इस पद पर आसीन रहेगा। कांग्रेस नेता बलराम जाखड़ एकमात्र ऐसे पीठासीन अधिकारी रहे जिन्होंने सातवीं और आठवीं लोकसभा में दो कार्यकाल पूरे किए हैं। लोकसभा में बुधवार को यदि मत विभाजन होता है तो कागज की पर्चियों का इस्तेमाल किया जाएगा क्योंकि नयी लोकसभा में अब तक इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग प्रणाली चालू नहीं हुई है और सदस्यों को सीटों के आवंटन की प्रक्रिया भी चल रही है। इससे पहले, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि लोकसभा उपाध्यक्ष का पद विपक्ष को दिए जाने की परंपरा रही है और यदि नरेंद्र मोदी सरकार इस परंपरा का पालन करती है तो पूरा विपक्ष सदन के अध्यक्ष के चुनाव में सरकार का समर्थन करेगा। उन्होंने संसद भवन परिसर में संवाददाताताओं से बातचीत में यह भी कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने समर्थन के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को फोन किया था और फिर से फोन करने की बात की थी, लेकिन अब तक उनका फोन नहीं आया। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री विपक्ष से रचनात्मक सहयोग की उम्मीद करते हैं, लेकिन कांग्रेस के नेता का अपमान किया जा रहा है। केरल से आठवीं बार लोकसभा पहुंचे सुरेश ने कहा कि यह हारने या जीतने का विषय नहीं है, बल्कि बात इस परंपरा की है कि लोकसभा अध्यक्ष सत्तारूढ़ दल का होगा और उपाध्यक्ष विपक्ष का रहेगा। उन्होंने कहा कि पिछली दो लोकसभाओं में उन्होंने उपाध्यक्ष पद हमें नहीं दिया और कहा कि आपको विपक्ष के रूप में मान्यता नहीं मिली है। अब हमें विपक्ष के रूप में मान्यता मिली है तो उपाध्यक्ष पद पर हमारा अधिकार है। लेकिन वे हमें इस पद को देने को तैयार नहीं हैं। हमने आज पूर्वाह्न 11.50 बजे तक सरकार के जवाब का इंतजार किया लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री के सहमति से काम करने के आह्वान के मात्र 24 घंटे के अंदर सरकार का यह रुख देखने को मिला है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर परंपराओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया। रमेश ने *एक्स* पर लिखा कि दरअसल हैरानी की कोई बात नहीं है। वह 2024 के चुनावी जनादेश की वास्तविकता को अब भी नहीं समझ पाए हैं जो उनके लिए व्यक्तिगत, राजनीतिक और नैतिक (पीपीएम) हार थी।

मणिपुर में अलग केंद्र ...

कहा। प्रदर्शनकारी हाथों में तख्तियां लिए हुए थे जिन पर नो पॉलिटिकल सॉल्यूशन, नो पीस, कुकी-जो लोगों के लिए केंद्र शासित प्रदेश, मीतेईस के साथ जबरन गठबंधन टिकेगा नहीं, और हम अनुच्छेद 239ए के तहत यूटी चाहते हैं जैसे कई नारे लिखे हुए थे। इसी तरह की रैलियां उसी दिन कांगपोकपी, तेंगनौपाल और फरिजॉल जिलों में भी आयोजित की गईं। आदिवासी निकायों के एक प्रमुख समूह आईटीएलएफ ने कहा कि सरकार को साल भर चले जातीय संघर्ष का राजनीतिक समाधान खोजने की प्रक्रिया में तेजी लानी चाहिए, जिसने राज्य को प्रभावित किया है। संगठन ने कहा कि हत्याओं और विस्थापन के एक साल से अधिक समय के बाद, सुरक्षा स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है [redacted] खतरा है। पिछले कुछ हफ्तों में, जि[redacted]दिवासियों की हत्या कर दी। एक अन्[redacted]सका ठिकाना अभी भी अज्ञात है।

मित्रों के कारण [redacted] करने की प्रेरणा मिलती है। सुमंत ब[redacted]ने 3 बीघा में बाजरे की खेती की शुरु[redacted]मि पर बाजरा का उत्पादन करने में [redacted]कृषक आत्मनिर्भर असम के ध्वजवा[redacted]

रंगिया में नशा कारोबारी के घर का घेराव

रंगिया (निसं)। रंगिया के तोतारकुछी में लोगों ने रुद्ररूप धारण करते हुए नशा कारोबारी के घर पर धावा बोल दिया। पुलिस की मदद से लोगों ने नशा कारोबारी के घर को घेर लिया तथा जमकर हंगामा मचाया। परंतु कुख्यात ड्रग माफिया भय से फरार होने में कामयाब रहा। प्राप्त जानकारी में तोतारकुछी के कुख्यात ड्रग माफिया मुर्तजा उर्फ भिनी के घर को लोगों ने घेर लिया गया। लोगो के अनुसार मुर्तजा और उसके परिवार के लोगो पर लंबे समय से प्रतिबंधित हेरोइन बेचने का आरोप है। दो नशा करने वाले ड्रग्स खरीद रहे थे, तभी इलाके के लोगों ने उन्हें पकड़ लिया और दोनों नशेड़ियों के कबूलनामे के आधार पर लोगों ने पुलिस की मदद से मुर्तजा के घर पर छापा मारा लेकिन मुर्तजा भाग गया। जागरूक जनता ने मांग किया है कि पुलिस इस संबंध में सख्त बरते तथा नशा कारोबारियो पर अंकुश लगाए।

सीआरपीएफ जवान की हत्या पत्नी और उसका प्रेमी गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के काहिलीपाड़ा में एक सीआरपीएफ जवान की हत्या की सनसनीखेज घटना आज सामने आई। इस हत्या के मामले में मृतक की पत्नी हीरामणि और उसके एक प्रेमी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपों के अनुसार अवैध प्रेम के चलते पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। मृतक जवान दिटूमणि के परिवार वालों ने शक जाहिर करते हुए थाने में एक प्राथमिकी दर्ज कराई कि जवान की पत्नी का किसी अन्य व्यक्ति के साथ प्रेम संबंध है, इसलिए सीआरपीएफ जवान दिटूमणि हालोई की हत्या की गई। इसके बाद जवान की हत्या की पूरी घटना का विवरण स्थानीय लोगों ने पुलिस को बताया कि कैसे उक्त सीआरपीएफ जवान की हत्या की गई। उसके अपने बच्चे ने भी यह हत्या होते देखा था। बच्चे

और पड़ोसियों के बयान के आधार पर दिसपुर पुलिस ने मृतक की पत्नी हीरामणि और हत्या के मामले में शामिल उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को दी गई जानकारी के अनुसार जवान दिटूमनी की हत्या सोमवार को दिन में ही उसकी पत्नी और उसके प्रेमी ने मिलकर कर दी थी। हत्या के बाद रात तक उसने पति का शव अपने किराए के मकान के अंदर ही रखा था। किराए के घर के परिसर में सभी लोगों के सो जाने के बाद शव को नाटकीय ढंग से अस्पताल ले जाया गया। शव को 108 एंबुलेंस कर्मियों की मिलीभगत से गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया था। स्थानीय लोगों को दिन में ही पूरी घटना की जानकारी हो गई थी। ज्ञात हो कि मृतक दिटूमणि मणिपुर में 175वीं सीआरपीएफ बटालियन में कार्यरत था। शादी के बाद से ही पति-पत्नी के बीच झगड़ा चल रहा था। पति दिटूमणि का घर टिहू में है। उनकी पत्नी हीरामणि का घर सर्थेबारी में है। यह हत्या गुवाहाटी के काहिलीपाड़ा में आदर्शपुर रोड स्थित एक किराए के मकान में हुई। दोनों के दो बच्चे हैं।

भारतीय जीवन बीमा, मिर्जा शाखा के सलाहकार जरीरुल सम्मानित

नगरबेड़ा (विभास)। कामरूप जिले के समरिया निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत बोगुरीगुड़ी के एक भारतीय जीवन बीमा एजेंट ने कथित तौर पर पुरस्कार जीता है। निर्वाचन क्षेत्र के बोगुरीगुड़ी गांव के निवासी और भारतीय जीवन बीमा निगम, मिर्जा शाखा के बीमा सलाहकार जहीरुल हक ने *जेडएम ट्रॉफी* पुरस्कार प्राप्त किया। यह पुरस्कार औपचारिक रूप से जीवन बीमा के मुख्य सलाहकार रूपम दास ने शुक्रवार को समरिया में भारतीय जीवन बीमा निगम के सीएलआई कार्यालय में प्रदान किया। पुरस्कार समारोह में जीवन बीमा निगम की कई प्रतिष्ठित हस्तियों ने भाग लिया। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि भारतीय जीवन बीमा निगम को उनकी पर्याप्त उपलब्धि और कम समय में कुशल बीमा सलाहकार के रूप में योग्यता के लिए *जेडएम ट्रॉफी* पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

आम लोगों पर पुलिस जवानों का अत्याचार करने का आरोप

गुवाहाटी। महानगर गुवाहाटी के वशिष्ठ पुलिस के कुछ जवानों द्वारा आम आदमी पर अत्याचार की घटना प्रकाश में आई है भुक्तभोगी नाथ परिवार के अनुसार घटना बीती रात 2 बजकर 40 मिनट की है जब वशिष्ठ थाने के 3 सब इंस्पेक्टर ध्यानज्योति तामुली, परागज्योति बर्मन तथा तीर्थ डेका अपने कुछ और जवानों के साथ वशिष्ठ स्थित नदी में स्नान कर रहे थे उसी समय विजय नाथ नामक स्थानीय व्यक्ति अपनी रात्रि ड्यूटी कर घर जा रहा था उसने देखा की कुछ लोग रात्रि में शराब पी कर मस्ती कर रहे हैं, तो उसने उनको टोकाटाकी की जिससे कारण पुलिस के जवान नाराज हो गए तथा उसे भद्दी भद्दी गालियां देते हुए मारपीट करने लगे तब विजय नाथ ने अपने परिवार के लोगों को फोन कर बुला लिया, जब परिवार के लोग कुछ महिलाओं के साथ वहां पहुंचे तो पुलिस के जवानों ने उनके साथ भी गाली गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी जिसके कारण विजय नाथ का पैर टूट गया, इस घटना को लेकर स्थानीय लोगों में काफी आक्रोश नजर आ रहा है, आज सुबह भुक्तभोगी परिवार स्थानीय लोगों के साथ वशिष्ठ थाने पर आकर पुलिस के जवानों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया, वहीं वशिष्ठ मंदिर परिचालन समिति के सदस्यों इसे पुलिस के लिए शर्मसार करने वाला मामला बताया है, वहीं एक स्थानीय व्यक्ति ने बताया कि जहां प्रदेश पुलिस के मुखिया मोरल पुलिसिंग की बात करते हैं और सभी पुलिस वालों को आदर्श स्थापित करने के लिए किसी भी फरियादी को थाने में आदर सम्मान देने की बात करते हैं वहां इस तरह की घटना पुलिस के लिए शर्मसार करने वाली है।

शराब पीकर मारपीट के आरोपी तीन सब-इंस्पेक्टरों को पुलिस कमिश्नर ने किया तलब

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी के वशिष्ठ थाना में तैनात तीन सब इंस्पेक्टरों को स्थानीय लोगों के साथ मारपीट करने के मामले में पुलिस कमिश्नर ने तलब किया है। घटना के विवरण के अनुसार आरोप है कि नशे में धुत्त पुलिस अधिकारियों ने विजय नाथ नामक एक युवक के दोनों पैर तोड़ दिए। उन्होंने रातुल नाथ नामक युवक की उंगली भी तोड़ दी। घटनास्थल पर मौजूद रीना खाखलारी नामक महिला के साथ भी पुलिसकर्मियों ने मारपीट की। पुलिस ने आज बताया कि इस घटना के संबंध में गुवाहाटी के पुलिस आयुक्त ने वशिष्ठ थाना के इन तीनों एसआई (प्रोवेशन) पराग ज्योति बर्मन, तीर्थ डेका और ध्यानज्योति तामुली को तलब किया है। पुलिस कमिश्नर ने पूरे मामले की जांच करने का आश्वासन दिया है। वहीं पीड़ितों ने आज थाने में एक लिखित शिकायत दर्ज कराई है।

अंबुबासी मेला में विभिन्न संगठनों का सेवा कार्य जारी

गुवाहाटी (हिंस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की कामाख्या नगर सेवा विभाग द्वारा कामाख्या स्टेशन पर भक्तों के लिए लगाए गए अस्थायी शिविर के सामने 21 से 26 जून तक अंबुबासी मेला में आने वाले श्रद्धालुओं को सूखा भोजन और पानी वितरित किया जा रहा है। जालुकबारी मंडल के भारतीय जनता युवा मोर्चा के सदस्य पांडूपोर्ट में अस्थायी शिविर के सामने हर सुबह, दोपहर और शाम को भक्तों को भोजन परोस रहे हैं। ऑल बोर्निहाट यूनिवर्सल डेवलपमेंट कमेटी के अलावा, मां कामाख्या धाम सेवा समिति, माता भंडारा दिसपुर सेवा समिति, मां कामाख्या अंबुवासी मेला तीर्थयात्रा सेवा, उदालबाकरा युवा मंच, पांडू अमेरिकन कॉलोनी के सनातन देवालय, श्री मां कामाख्या सेवा ट्रस्ट,के सहयोग से अंबुवासी मेला में दैनिक भोजन सेवा किया जा रहा हैं। अंबुबासी मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को सरकारी और निजी संगठन मुफ्त चिकित्सा सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। सरकार ने अंबुबासी मेला के दौरान पांडुपोर्ट के अस्थायी शिविर और कामाख्या स्टेशन के अस्थायी शिविर में हजारों भक्तों को मुफ्त चिकित्सा देखभाल प्रदान किया गया। कुछ डॉक्टर, नर्स और सहायक दिन-रात चिकित्सा सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। इनमें गंभीर बीमारियों से पीड़ित श्रद्धालुओं को बेहतर गुणवत्ता वाले इलाज के लिए पांडू एफआरयू अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है। अंबुवासी मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को सरकारी और निजी संगठन मुफ्त चिकित्सा सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। सरकार ने अंबुबासी मेला के दौरान पांडूपोर्ट के अस्थायी शिविर और कामाख्या स्टेशन के अस्थायी शिविर में हजारों भक्तों को मुफ्त चिकित्सा सेवा प्रदान किया गया है। दूसरी ओर, विश्व हिंदू परिषद, मालीगांव शाखा द्वारा पांडू ग्राम्य देवता मंदिर में अंबुवासी मेला में आए सैकड़ों भक्तों के लिए 21 से 26 जून तक मुफ्त चिकित्सा सेवा के साथ दवाएं भी वितरित किए जा रहे हैं।

सड़क हादसे में बाइकसवार दो युवकों की मौत

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी के बशिष्ठ थानांतर्गत बशिष्ठ चाराली इलाके में मंगलवार को तड़के 3 बजे एक कार ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। जिससे बाइकसवार दो युवकों की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि दुर्घटना में मरने वालों की पहचान बाईहाटा चाराली निवासी भार्गव बरुवा (20 वर्ष) और शिवसागर निवासी कल्याण बरुवा (24 वर्ष) के रूप में हुई है। दुर्घटना के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने कार को जब्त कर लिया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जीएमसीएच भेज दिया है। साथ ही इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं चालक के तलाश में पुलिस जुटी हुई है।

नगांव के रिसर्च सेंटर में आयोजित रक्तदान शिविर का सफल समापन

नगांव (निसं)। मारवाड़ी युवा मंच नगांव शाखा ने माहेश्वरी युवा संगठन नगांव के सहयोग से जीडी अस्पताल और रिसर्च सेंटर में एक सफल रक्तदान शिविर का आयोजन रविवार को किया। इस शिविर का उद्देश्य रक्त की आवश्यकता को पूरा करना और सामुदायिक सेवा की भावना को प्रोत्साहित करना था। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने सबसे पहले अपने स्वास्थ्य की प्रारंभिक जांच करवाई, जिसमें हीमोग्लोबिन स्तर और रक्तचाप की जांच शामिल थी। स्वास्थ्य जांच के दौरान सभी आवश्यक सावधानियां बरती गईं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रत्येक व्यक्ति रक्तदान के लिए उपयुक्त हो। इसके बाद, रक्तदान की प्रक्रिया को अत्यंत सुरक्षित और स्वच्छ तरीके से अंजाम दिया गया। इस प्रक्रिया के दौरान सभी चिकित्सा दिशानिर्देशों और मानकों का कड़ाई से पालन किया गया। रक्तदान की प्रक्रिया को विशेष रूप से प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मियों द्वारा संचालित किया गया, जिन्होंने यह सुनिश्चित

किया कि हर डोनर को सर्वोत्तम देखभाल और सुविधा मिले। इस प्रकार, पूरी प्रक्रिया सुचारू और तनावमुक्त रही। रक्तदान के दौरान सभी ने उत्साहपूर्वक सहयोग किया और भविष्य में भी ऐसे आयोजनों में भाग लेने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस शिविर में कुल 52 यूनिट रक्त एकत्र किया गया, जिसमें से 17 यूनिट नए डोनर से प्राप्त हुए। रक्तदान में भाग लेने वालों ने अपने समर्पण और सेवा भावना से शिविर को सफल बनाया। यह उपलब्धि न केवल रक्त की कमी को पूरा करने में सहायक सिद्ध हुई, बल्कि सामुदायिक एकता और सहयोग का भी प्रतीक बनी। इस अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच नगांव शाखा के संरक्षक राजेंद्र मुंदड़ा और शाखा सलाहकार बिनोद मोर, अध्यक्ष मनीष गाड़ोदिया, सचिव रजत केजरीवाल, रक्तदान संयोजक पंकज गाड़ोदिया, विवेक तोदी,यश अग्रवाल, सलेंद्र शर्मा, अंशुल खेड़ि़या, राहुल भजनका, विक्रांत सोलंकी, अमित केजरीवाल, पूजा गाड़ोदिया और चाहत पोद्दार सहित कई प्रमुख सदस्य उपस्थित रहे। नगांव जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष संपत कुमार माहेश्वरी, सचिव महाबीर झंवर, माहेश्वरी महिला समिति की अध्यक्ष किरण धूत और सचिव सरला चांडक भी उपस्थित थी। माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष नितिन मुंदड़ा, कोषाध्यक्ष हिमांशु मनिहार रक्तदान संयोजक गौतम मुंदड़ा के साथ विद्या प्रकाश माहेश्वरी, श्याम झंवर, अमित सोनी,पवन बागड़ी, यश काबरा, गौरव मंत्री,अनिल डागा, अमित बिहानी और अन्य सदस्यों ने भी अपना सक्रिय योगदान शिविर को सफल बनाने में दिया। इस आशय की जानकारी माहेश्वरी युवा संगठन की सचिव पूजा माहेश्वरी ने दी।

चार बैंक अधिकारियों के विरुद्ध सीबीआई ने किया मामला दर्ज

गुवाहाटी (हिंस)। सीबीआई ने असम ग्रामीण विकास बैंक के तीन तत्कालीन सहायक प्रबंधकों सहित चार आरोपितों के खिलाफ बैंक धोखाधड़ी के आरोप में मामला दर्ज किया है, जिससे बैंक को 8.28 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ था। असम ग्रामीण विकास बैंक, माधापुर शाखा, जोरहाट के आरोपितों में प्रशांत बोरा, तत्कालीन सहायक प्रबंधक, प्रियांक्षु पल्लभ गोगोई, तत्कालीन सहायक प्रबंधक, सोहन दत्ता, तत्कालीन सहायक प्रबंधक और सत्यजीत चालिहा, तत्कालीन कार्यालय सहायक (बहुउद्देश्यीय) के नाम शामिल हैं। इस सिलसिले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

दो बाइक की भिड़ंत में तीन लोग घायल

नगरबेरा (विभास)। अलोपतिचार, चेंगा समूह, जिला, बरपेटा के पुलिस स्टेशन के तहत अलोपति में आज हुए एक सड़क हादसे से इलाके में जोरदार सनसनी मच गई है। मिली जानकारी के अनुसार, अलोपति गांव के एक बाइक क्रमांक 25 पी 0403 फकीरपाड़ा के घर की ओर जा रही थी, तभी छद्दाम हुसैन नामक व्यक्ति बाइक क्रमांक 15 पी 5008 को तेज गति से लेकर भागा, जिसमें आमने-सामने भिड़ंत हो गई। भयानक दुर्घटना घटी। इस दुर्घटना में बाइक सवार रबीउल हसन और छद्दाम हुसैन ने जेचमिना खातून नामक महिला को घायल कर दिया. सभी घायल स्थानीय लोगों को तुरंत डॉक्टर के माध्यम से अलोपति लघु प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। गंभीर स्थिति ने रबीउल हसन और चद्दाम को उन्नत उपचार के लिए जीएमसीएच भेजा गया। इस बीच अलोपति चार सुरक्षा दल घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति की सूचना दी और वाहन को दुखोन पुलिस स्टेशन ले गए।

बलिदान दिवस के अवसर पर *भारतबोध पत्रिका* के रानी दुर्गावती अंक का लोकार्पण

गुवाहाटी। साहित्यिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन केंद्र, नई दिल्ली द्वारा समर्थित साहित्य, मानविकी, समाज विज्ञान और प्रदर्शनकारी कला केंद्रित शोध-प्रकल्प *भारतबोध पत्रिका* के रानी दुर्गावती अंक का लोकार्पण हुआ। लोकार्पण कार्यक्रम में प्रो एडी एन वाजपेयी, कुलपति, अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़; प्रो. सत्यकाम, कुलपति, राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश; डॉ. पवन तिवारी, क्षेत्रीय संगठन मंत्री, विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र, अशोक तिवारी (संस्कार भारती) सहित देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के आचार्यों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों की उपस्थिति रही। भारतबोध पत्रिका का यह अंक रानी दुर्गावती पंचशती समारोह को समर्पित है। इस अंक में संकलित लेख रानी दुर्गावती के आलोक में भारतीय इतिहास के समाजकेंद्रित नायकत्व पर प्रकाश डालते हैं।

देरगांव में बेटे ने की मां की हत्या

गोलाघाट (हिंस)। देरगांव के बुढ़ालिक्सन गांव में एक महिला की उसके बेटे ने हत्या कर दी। पुलिस ने आज बताया कि आरोपित दीपमणि बोरा ने अपनी मां रेनुमाई बोरा पर ईंट फेंककर हमला किया, जिससे उसकी मौत हो गई। आरोपों के अनुसार दीपमणि लंबे समय से अपने माता-पिता के साथ मारपीट करते आ रहा था। इसी कड़ी में कल भी आरोपित बेटे ने अपने पिता के पैर पर धारदार दांव से हमला किया और अपनी मां के गाल पर ईंट फेंककर मारा। उसने परिवार के कई अन्य सदस्यों पर भी हमला किया। बेटे के हमले में घायल महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन जोरहाट मेडिकल कॉलेज अस्पताल में उसकी मौत हो गई। ज्ञात हो कि महिला पहले से ही एक गंभीर बीमारी से ग्रस्त थी। घटना के बाद से आरोपित दीपमणि बोरा फरार है। पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

कृषि जल परिवहन सेवा का सफल ट्रायल रन

स्टार्टअप रिवत्रा एलएलपी व आईडब्ल्यूटी अधिकारी थे मौजूद

गुवाहाटी। अंतर्देशीय जलमार्ग कार्गो परिवहन में अग्रणी स्टार्टअप रिवत्रा एलएलपी ने सोमवार को अपनी नई सेवा *कृषि जल परिवहन* के लिए सफलतापूर्वक ट्रायल रन किया। तेजपुर जहाज घाट से नागांव के धींग घाट तक हुए इस ट्रायल रन में प्रमुख हितधारकों में अंतर्देशीय जलमार्ग परिवहन (आईडब्ल्यूटी) तेजपुर के एसओ गिरिराज गोगोई, आईडब्ल्यूटी तेजपुर के हरिलाल यादव, रिवत्रा एलएलपी के संस्थापक विश्वजीत सैकिया के अलावा व्यापारी अभिजीत बरुवा तथा याशिर अली शामिल थे। ट्रायल में नाव एसबी पंचनानी का उपयोग किया गया और सुरक्षा जांच, रूट मैपिंग, सर्वेक्षण और लोड कनेक्शन पर ध्यान केंद्रित किया गया। गिरिराज गोगोई ने कहा कि यह एक बेहतरीन पहल है, जो कृषक समुदाय को मदद करेगी और लौखुवा-तेजपुर फेरी सेवा, सोनितपुर का उचित उपयोग करेगी। नागांव के धींग आईडब्ल्यूटी अधिकारी धींग घाट पर परीक्षण देखने के लिए मौजूद थे और

उन्होंने नियमित सेवा के लिए बहुमूल्य सुझाव दिए। स्थानीय किसानों ने व्यापारी दल के साथ उत्साहजनक चर्चा की और इस पहल के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया, जो कृषि उपज को बाजारों तक पहुंचाने के तरीके को बदलने का वादा करता है। रिवत्रा एलएलपी के संस्थापक श्री सैकिया ने कहा कि हम अपने परीक्षण की सफलता और स्थानीय किसानों और आईडब्ल्यूटी अधिकारियों से मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया से खुश हैं। हमारा उद्देश्य असम में माल परिवहन में क्रांति लाना है, इसे और अधिक किफायती और टिकाऊ बनाना है। कृषि जल परिवहन कृषि समुदाय का समर्थन करने और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। परीक्षण के सफल समापन के साथ, रिवत्रा एलएलपी अब जहाजघाट, तेजपुर से नियमित सेवाएं शुरू करने के लिए अंतर्देशीय जलमार्ग परिवहन विभाग से आधिकारिक आदेश का इंतजार कर रही है। कंपनी को इस अभूतपूर्व सेवा के सुचारू क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए संबंधित क्षेत्रों के जिला प्रशासन से मजबूत समर्थन की उम्मीद है। रिवात्रा एलएलपी, जिसे स्टार्टअप इंडिया कार्यक्रम के तहत उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) और असम स्टार्टअप फ्लैगशिप कार्यक्रम के तहत असम सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त है, का मुख्यालय तेजपुर में है। रिवात्रा एलएलपी का मिशन अंतर्देशीय जलमार्गों का लाभ उठाकर लागत प्रभावी और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन प्रदान करना है। रिवात्रा कार्गो की बुकिंग और ट्रैकिंग के लिए एक आसान-से-उपयोग वाला प्लेटफॉर्म प्रदान करता है, जो समग्र ग्राहक अनुभव को बढ़ाता है।

कांग्रेस ने आपातकाल लगा कर भारतीय राजनीति के इतिहास पर लगाया कलंक : जेपी नड्डा

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मंगलवार को आपातकाल को काला दिवस के रूप में मना रही है। आज भाजपा मुख्यालय में आयोजित 'लोकतंत्र के काले दिन' कार्यक्रम में कार्यकताओं को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने आपातकाल लगा कर भारतीय राजनीति के इतिहास पर कलंक लगाया है। कांग्रेस की सोच में उनकी कार्यशैली में प्रजातंत्र की कोई गुंजाइश ही नहीं है। जिसने विरोध किया, उसे समाप्त करने में कांग्रेस ने कोई कसर नहीं छोड़ी है। नड्डा ने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि आज भी कांग्रेस जिस तरह से आचरण कर रही है, उससे उनके रौबदार रवैये का पता चलता है। वे लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव सशर्त कराना चाहते हैं। विडंबना यह है कि कर्नाटक, तेलंगाना, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में, जहां इंडी गठबंधन सत्तारूढ़ है, वहां अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का पद सत्तारूढ़ दल के सदस्यों के पास है। तेलंगाना में स्पीकर और डिप्टी स्पीकर दोनों अपने बनाए हैं। कनार्टक में इनका ही स्पीकर और इनका ही डिप्टी सपीकर है। पश्चिम बंगाल में भी टीएमसी का ही स्पीकर और डिप्टी स्पीकर है। ये ऐसे लोग हैं, जो दोहरे मापदंड में जीते हैं। यह कांग्रेस पार्टी का पाखंड है, जो बेनकाब हो रहा है। उन्होंने सभी कार्यकताओं से अनुरोध किया कि वे आपातकाल का दंश झेल चुके लोगों से मिलें और यह जानने की कोशिश करें कि तब स्थिति क्या थी। आज का नौजवान कभी कल्पना भी

नहीं कर सकता। उस समय, जिन लोगों ने प्रजातंत्र की रक्षा के लिए अपनी आहुति दी थी, उनके कारण आज प्रजातंत्र मजबूत होकर खड़ा है। आपातकाल के काले दिन के आज 50 साल पूरे हो गए हैं। एक ही रात में 9000 लोगों को गिरफ्तार किया गया था, छोटे-बड़े किसी भी नेता को नहीं छोड़ा गया और 19 महीने से ज्यादा समय तक जेल में रखा गया था। देश का कोई प्रमुख नेता नहीं बचा था। मोरारजी देसाई, मोहन धारिया, अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी... ऐसी लंबी श्रृंखला है। इन नेताओं को एक दिन या दो दिन नहीं, बल्कि 19 महीनों से ज्यादा जेल में रहना पड़ा था। इन नेताओं का कसूर सिर्फ इतना था कि इन्होंने प्रजातंत्र की रक्षा और मजबूती के लिए आवाज उठाई थी। उन्होंने कहा कि 12 जून, 1975 को इलाहाबाद के हाई कोर्ट का फैसला आया और कोर्ट ने अनुचित तरीके से चुनाव लड़ने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का चुनाव निरस्त कर दिया था और उन पर 6 साल तक चुनाव लड़ने पर रोक लगा दी थी। इसके बाद संविधान को बदलकर इंदिरा गांधी ने अपनी कुर्सी को बचाने का प्रयास किया। जिसके बाद पूरा देश उद्वेलित हो गया और इस उद्वेलना को रोकने के लिए इंदिरा गांधी ने 25 जून, 1975 की रात को आपातकाल की घोषणा की और हजारों लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया।

राजस्थान से जाखड़ के बाद अब बिरला का दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष बनना तय

नई दिल्ली/कोटा, (हि.स.)। राजस्थान के कोटा-बूंदी लोकसभा क्षेत्र से तीसरी बार निर्वाचित ओम बिरला ने सत्तारूढ़ भाजपा-नीत राजग की ओर से 18वीं लोकसभा के अध्यक्ष पद के उम्मीदवार के रूप में मंगलवार को अपना नामांकन दाखिल किया। 17वीं लोकसभा के अध्यक्ष रहे बिरला को 18वीं लोकसभा के अध्यक्ष पद का उम्मीदवार बनाए जाने पर हाड़ौती संभाग सहित पूरे राजस्थान के भाजपा नेताओं एवं कार्यकताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। करीब साढे. तीन दशक पहले राजस्थान से कांग्रेस के बलराम जाखड़ लोकसभा के दो बार अध्यक्ष रहे। ओम बिरला का जन्म 23 नवंबर, 1962 को कोटा में हुआ। उनकी कर्मभूमि हमेशा कोटा ही रही। कोटा-बूंदी की जनता को वे अपना परिवार मानते हैं। उनके दिवंगत पिता श्रीकृष्ण बिरला सरकारी सेवा में थे, मां शकुंतला घर संभालती थीं। उन्होंने सरकारी मल्टीपर्पज स्कूल, गुमानपुरा से स्कूली शिक्षा ग्रहण की। उसके बाद राजस्थान विश्वविद्यालय से जुडे. गवर्नमेंट कॉमर्स कॉलेज कोटा से बी.कॉम. एवं एम.कॉम. की डिग्री ली। कॉलेज में भी वे छात्रसंघ अध्यक्ष के रूप में युवाओं में लोकप्रिय रहे। उसके बाद दो बार कोटा दक्षिण से भाजपा विधायक

भी रहे। उनकी पत्नी डॉ. अमिता बिरला सरकारी चिकित्सक हैं। दो बेटियों में आकांक्षा सीए एवं अंजलि भारतीय प्रसाशनिक सेवा की अधिकारी हैं। ओम बिरला ने 2019 से 2023 तक अध्यक्ष के रूप में लोकसभा में हंगामे और विवादों से परे सभी दलों के सांसदों को सदन में अपनी बात रखने का पूरा अवसर दिया। इससे महत्वपूर्ण विधेयकों व जनहित के मुद्दों पर स्वस्थ बहस करने की परम्परा विकसित हुई। बिरला के कुशल संचालन में 17वीं लोकसभा के सत्रों की उत्पादकता 122.2 प्रतिशत रही जो 14वीं, 15वीं और 16वीं लोकसभा के पहले पांच सत्रों की तुलना में सर्वाधिक है। सदन ने विस्तृत चर्चा के बाद 107 विधेयकों को पारित किया। विधेयकों पर 262.5 घंटे चर्चा हुई तथा पक्ष-विपक्ष के 1744 सदस्यों ने अपनी बात रखी। बिरला ने केंद्र सरकार की जवाबदेही बढ़ाने के लिए सभी सत्रों में अधिक से अधिक सदस्यों को बोलने का अवसर दिया। प्रश्नकाल के दौरान प्रतिदिन औसतन 5.37 प्रश्नों के मौखिक जवाब दिए जिससे उन्हें प्रश्न काल का हीरो कहा जाने लगा। नियम 377 के तहत उठाए गए विषयों में भी सरकार ने 89.82 प्रतिशत विषयों के जवाब दिए। संसद में सांसदों के खाने पर सब्सिडी खत्म करने के साथ अनावश्यक कार्यों पर होने वाले खर्चों को रोककर उन्होंने करोडों रुपये की फिजूलखर्ची को कम कर दिखाया। बिरला का लगातार दूसरी बार लोकसभा का अध्यक्ष बनना तय माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी का आह्वान, आपातकाल का विरोध करने वाले महान लोगों को श्रद्धांजलि दें

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आह्वान किया है 25 जून का दिन आपातकाल का विरोध करने वाले सभी महान पुरुषों और महिलाओं को श्रद्धांजलि देने का अवसर है। प्रधानमंत्री मोदी ने आज एक्स हैंडल पर अनेक पोस्ट साझा किए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा है, "आज का दिन उन सभी महान पुरुषों और महिलाओं को श्रद्धांजलि देने का दिन है जिन्होंने आपातकाल का विरोध किया। आपातकाल के काले दिन हमें याद दिलाते हैं कि कैसे कांग्रेस ने बुनियादी स्वतंत्रता को नष्ट कर दिया और भारत के संविधान को कुचल दिया, जिसका हर भारतीय बहुत सम्मान करता है।" उन्होंने लिखा है, " जिस मानसिकता के कारण आपातकाल

लगाया गया वह आज भी उस पार्टी में जीवित है। जिसने इसे लगाया था। वे संविधान के प्रति अपने तिरस्कार को छिपाते हैं। भारत के लोगों ने उनकी हरकतों को देख लिया है और यही कारण है कि उन्होंने उन्हें बार-बार खारिज कर दिया है।"

लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव से पहले राजनाथ सिंह ने किया ममता को फोन

कोलकाता, (हि.स.)। लोकसभा चुनाव में बहुमत के बाद एनडीए गठबंधन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार तो बना ली है लेकिन लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव होना अभी बाकी है। इसे लेकर राजनाथ सिंह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को फोन किया है। सूत्रों ने बताया है कि राजनाथ सिंह ने ममता बनर्जी के अलावा अखिलेश यादव, एमके स्टालिन और मल्लिकार्जुन खरगे को भी फोन किया है। तृणमूल कांग्रेस के सूत्रों ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया है कि राजनाथ सिंह ने ममता बनर्जी से बातचीत में अध्यक्ष पद के लिए विपक्ष की ओर से उम्मीदवार खड़ा नहीं करने का अनुरोध किया है। सूत्रों ने बताया है कि भाजपा इस पद पर एक बार फिर पूर्व लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को बैठाना चाहती है। बुधवार को लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव होना है। इसके पहले राजनाथ सिंह ने विपक्षी नेताओं को फोन कर ये कहा है कि विपक्ष अगर अपना उम्मीदवार नहीं उतारता है तो एनडीए के उम्मीदवार का आसानी से चुनाव संभव हो पाएगा। पार्टी सूत्रों ने बताया है कि ममता बनर्जी ने राजनाथ सिंह को संवैधानिक प्रक्रियाओं के तहत सहयोग का आश्वासन दिया है।

एनएचआरसी ने तमिलनाडु में जहरीली शराब से हुई मौतों के मामले में जारी किया नोटिस

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने तमिलनाडु के कल्लाकुरिची जिले में जहरीली शराब पीने से 47 से अधिक लोगों की जान जाने के मामले का संज्ञान लेते हुए तमिलनाडु सरकार के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी कर एक सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। हालांकि अभी तक इस शराब को पीने से मृतकों का आंकड़ा 59 पहुंच चुका है। कल्लाकुरिची में हुए घटनाक्रम के पीड़ितों का इलाज कल्लाकुरिची, सलेम, विल्पुरम और पुडुचेरी के जेआईपीएमईआर के विभिन्न सरकारी अस्पतालों में किया जा रहा था। राज्य सरकार ने इस मामले में विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। कल्लाकुरिची में हुए घटनाक्रम में कथित तौर पर महिलाओं सहित बड़ी संख्या में लोगों का अस्पतालों में इलाज चल रहा है, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है। आयोग का कहना है कि राज्यों के पास नशीली शराब के उत्पादन, निर्माण, कब्जे, परिवहन, खरीद और बिक्री को विनियमित करने की विशेष शक्ति है। राज्य से मांगी गई रिपोर्ट में एफआईआर की स्थिति, अस्पताल में भर्ती पीड़ितों के चिकित्सा उपचार और राज्य सरकार द्वारा पीड़ित परिवारों को मुआवजे के वितरण की स्थिति बताने के लिए कहा गया है। आयोग यह भी जानना चाहता है कि इस त्रासदी के लिए जिम्मेदार दोषी अधिकारियों के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई है?

सरकार ने 96,238 करोड़ रुपये मूल्य की 10वीं स्पेक्ट्रम नीलामी शुरू की

नई दिल्ली, (हि.स.)। देश में 5जी सेवाओं को बढ़ाने के लिए 10वीं स्पेक्ट्रम की नीलामी शुरू हो गई है। सरकार ने मंगलवार को स्पेक्ट्रम की 96,238 करोड़ रुपये मूल्य की नीलामी शुरू की। इसमें एयरटेल और रिलायंस जियो जैसी कंपनियों के बोली लगाने की उम्मीद है। संचार मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने स्पेक्ट्रम नीलामी शुरू की है। इसके लिए आठ मार्च को आवेदन आमंत्रण नोटिस (एनआईए) जारी किया गया था। मंत्रालय ने बताया कि इस बार नीलामी में 800 मेगाहर्ट्ज, 900 मेगाहर्ट्ज, 1800 मेगाहर्ट्ज, 2100 मेगाहर्ट्ज, 2300 मेगाहर्ट्ज, 2500 मेगाहर्ट्ज, 3300 मेगाहर्ट्ज और 26 गीगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम बैंड के लिए बोली लगाए जाएंगे। मंत्रालय के मुताबिक 10वीं नीलामी में स्पेक्ट्रम की कुल मात्रा विभिन्न बैंडों में 10,522.35 मेगाहर्ट्ज है, जिसका

मूल्य आरक्षित मूल्य पर 96,238.45 करोड़ रुपये है। रेडियो तरंगों की बिक्री प्रक्रिया 2010 में ऑनलाइन शुरू होने के बाद से यह 10वीं स्पेक्ट्रम की नीलामी है। आखिरी बार अगस्त, 2022 में नीलामी हुई थी, जिसमें पहली बार 5जी सेवाओं के लिए रेडियो तरंगें शामिल की गईं थीं। दूरसंचार विभाग के मुताबिक रिलायंस जियो ने स्पेक्ट्रम की नीलामी के लिए सबसे अधिक 3 हजार करोड़ रुपये की बयाना राशि जमा की है। इस आधार पर कंपनी अधिकतम रेडियो तरंगों के लिए बोली लगा सकती है। भारती एयरटेल ने 1,050 करोड़ रुपये और वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) ने 300 करोड़ रुपये की बयाना राशि जमा की है। कर्ज में डूबी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड ने अपने स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क को कम करने के लिए विशेष रूप से 26 गीगाहर्ट्ज बैंड में रणनीतिक अधिग्रहण पर ध्यान केंद्रित कर सकती है।

राहुल गांधी ने कहा, स्पीकर का समर्थन करेंगे, डिप्टी स्पीकर विपक्ष का हो

नई दिल्ली, (हि.स.)। अठारहवीं लोकसभा में स्पीकर पद को लेकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि हम स्पीकर का समर्थन करेंगे लेकिन परंपरा यह है कि डिप्टी स्पीकर का पद विपक्ष को दिया जाना चाहिए। राहुल गांधी ने संसद भवन परिसर में आज मीडिया से बातचीत में यह प्रतिक्रिया दी। राहुल ने अखबारों की सुर्खियों को हवाला देते हुए कहा कि आज लिखा गया है कि पीएम मोदी ने कहा है कि विपक्ष को रचनात्मक रूप से सरकार के साथ सहयोग करना चाहिए। हम स्पीकर का समर्थन करेंगे लेकिन परंपरा यह है कि डिप्टी स्पीकर का पद विपक्ष को दिया जाना चाहिए। रायबरेली से सांसद और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि हमने राजनाथ सिंह से कहा है कि हम उनके अध्यक्ष (उम्मीदवार) का समर्थन करेंगे, लेकिन परंपरा यह है कि उपाध्यक्ष का पद विपक्ष को दिया जाएगा। राहुल गांधी ने कहा कि राजनाथ सिंह ने कहा कि वह मल्लिकार्जुन खरगे को वापस बुलाएंगे लेकिन उन्होंने अभी तक ऐसा नहीं किया है।

इग्नू ने एमबीए हेल्थ केयर एंड हॉस्पिटल मैनेजमेंट में नया कार्यक्रम किया शुरू

नई दिल्ली, (हि.स.)। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने हेल्थ केयर एंड हॉस्पिटल मैनेजमेंट में एमबीए (एमबीएएचसीएचएम) नया कार्यक्रम शुरू किया है। इग्नू के पीआरओ राजेश शर्मा ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य निजी और सार्वजनिक दोनों क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा संस्थानों, संबंधित संगठनों और अस्पतालों में रोजगार के लिए तैयार कुशल कार्यबल तैयार करना है। इस पहल का उद्देश्य दूरदराज के क्षेत्रों सहित पूरे देश में प्रभावी सहायता प्रदान करना और उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करना है। एमबीएएचसीएचएम पाठ्यक्रम प्रवेश के लिए पात्रता मानदंड कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ न्यूनतम 3 वर्ष की अवधि की स्नातक डिग्री उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों को 5 प्रतिशत की छूट होगी। यह कार्यक्रम दो वर्ष की अवधि का है। यह केवल अंग्रेजी माध्यम में उपलब्ध होगा। कार्यक्रम पूरा करने के बाद, छात्रों को स्वास्थ्य

सेवा संस्थान व स्वास्थ्य सेवा से संबंधित संस्थानों में प्रबंधकीय और प्रशासनिक पदों पर नियुक्त किया जा सकता है। कार्यक्रम में चार सेमेस्टर में 112 क्रेडिट हैं। पहले सेमेस्टर में 4 क्रेडिट के सात कोर कोर्स हैं। दूसरे सेमेस्टर में भी 4 क्रेडिट के सात कोर कोर्स हैं। तीसरे और चौथे सेमेस्टर में विशेष पाठ्यक्रम हैं। छात्रों को तीसरे सेमेस्टर में एक प्रोजेक्ट शुरू करना होगा और एक प्रैक्टिकल से गुजरना होगा। प्रैक्टिकल कोर्स में उन्हें अस्पतालों व स्वास्थ्य सेवा संस्थानों में तैनात किया जाएगा और अस्पताल की सेटिंग में व्यावहारिक कौशल से गुजरना होगा। छात्रों से यह भी अपेक्षा की जाती है कि वे अपने द्वारा पहचाने गए स्वास्थ्य सेवा से जुड़े संस्थान व अस्पताल में तीन महीने की इंटर्नशिप करें। छात्रों को सेमेस्टर-वार फीस का भुगतान करना होगा। पहले सेमेस्टर के लिए 15,500 रुपये, दूसरे सेमेस्टर के लिए 15,500 रुपये, तीसरे सेमेस्टर के लिए 19,500 रुपये और चौथे सेमेस्टर के लिए 17,500 रुपये देने होंगे।

'पानी सत्याग्रह' पर बैठीं जलमंत्री आतिशी की तबीयत बिगड़ी, आईसीयू में भर्ती, अनशन पर विराम

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्लीवालों को उनके हक का पानी दिलाने के लिए बीते पांच दिनों से अनिश्चितकालीन पानी सत्याग्रह पर बैठी जल मंत्री आतिशी की तबीयत बिगड़ गई है। उन्हें एलएनजेपी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है और अनशन पर विराम लग गया। आम आमदी पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने कहा कि उनका ब्लड शुगर लेवल गिरकर 36 पर आ गया है। डॉक्टरों द्वारा उनकी जान को खतरा बताने पर हम उन्हें रात को ही एलएनजेपी अस्पताल लेकर आए। वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने बताया कि आतिशी को आईसीयू में रखा गया है। हम सभी उनके जल्द स्वस्थ्य होने की कामना करते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 3 सप्ताह से हरियाणा की भाजपा सरकार दिल्ली के हक का 100 एमजीडी नहीं दे रही है, जिससे 28 लाख लोगों को पानी नहीं मिल पा रहा है। आतिशी ने दिल्लीवालों को उनके हक का पानी दिलाने के लिए तमाम प्रयास किए, लेकिन कोई हल नहीं निकला। इसलिए मजबूर होकर पिछले पांच दिनों से वो भूख हड़ताल पर थीं। हम प्रधानमंत्री को पत्र भी लिख रहे हैं और संसद में भी पानी का मुद्दा उठाएंगे। उपराज्यपाल ने हरियाणा के मुख्यमंत्री से बात की है। राज्यसभा सदस्य एनडी गुप्ता ने कहा कि यह केवल आम आदमी पार्टी की नहीं, बल्कि हर दिल्लीवासी की गुहार है कि हरियाणा और केंद्र सरकार दिल्ली को उसके हक का पानी दे। जेठ का महीना बहुत पवित्र होता है, इस महीने में ही गंगा धरती पर अवतरित हुई थीं, ताकि लोग प्यासे न रहें। निर्जला एकादशी पर लोग जगह-जगह प्याऊ लगाते हैं। लेकिन दिल्ली के एलजी और केंद्र व हरियाणा की भाजपा सरकार ने इन सब चीजों को दरकिनार करते हुए दिल्ली के लोगों को पानी के लिए तरसा दिया। वहीं जलमंत्री आतिशी की स्वास्थ्य जांच कर रहे एलएनजेपी अस्पताल के डॉक्टरों का कहना है कि आतिशी को मंगलवार की सुबह 3:48 बजे इमरजेंसी में लाया गया। जब हमने उनका परीक्षण किया तो उनका ब्लड शुगर बहुत कम पाया गया। इसे देखते हुए उन्हें आईसीयू में रखा गया है। जब आतिशी अस्तपाल में भर्ती हुई थीं, तब उनका ब्लड शुगर 44 था। यूरिन में कीटोन थे। उनके ईसीजी में भी बदलाव पाए गए हैं। इसलिए उनको आईसीयू में रखना पड़ा। सोमवार की शाम को भी एलएनजेपी के डॉक्टरों की टीम ने अनशन स्थल पर जाकर उनके स्वास्थ्य का परीक्षण किया था। उस समय भी उनका ब्लड शुगर लेवर काफी कम था और उनको अस्पताल में भर्ती करने की सलाह दी थी। लेकिन उन्होंने हमें लिखित में कहा कि वो अस्पताल में भर्ती नहीं होना चाहती हैं। इसके बाद हमने ब्रेन से उनका ब्लड सैंपल लिया था, जिसकी रिपोर्ट रात 10 बजे आई। रिपोर्ट देखने के बाद हमने उनसे कहा था कि ब्लड शुगर का लेवल बहुत खतरनाक स्तर पर नीचे पहुंच गया है। यह खतरनाक हो सकता है। उसके बाद भी उन्होंने इंतजार करने को कहा।

सीमा विवादों, आतंकवाद और साइबर खतरों पर वायु सेना प्रमुख ने चिंता जताई

- आंतरिक और बाहरी सुरक्षा के लिए एकीकृत दृष्टिकोण अपनाने पर जोर

- भारतीय सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण में अधिक निवेश करने का सुझाव

नई दिल्ली, (हि.स.)। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने समकालीन सुरक्षा परिदृश्य में सीमा विवादों और आतंकवाद तथा साइबर खतरों और क्षेत्रीय अस्थिरता तक कई तरह की चुनौतियां पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि भारत को अपने सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण में निवेश करने के साथ ही रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने पर जोर देना चाहिए। वायु सेना प्रमुख ने सुझाव दिया है कि आंतरिक और बाहरी सुरक्षा के लिए एकीकृत दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी मंगलवार को सुब्रतो पार्क, नई दिल्ली के वायु सेना सभागार में भारतीय वायु सेना, कॉलेज ऑफ एयर वारफेयर और सेंटर फॉर एयर पावर स्टडीज की ओर से आयोजित एक सेमिनार के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी रणनीतिक संस्कृति ऐतिहासिक अनुभवों और लगातार विकसित हो रहे भू-राजनीतिक वातावरण से आकार लेती है। यह रणनीतिक स्वायत्तता, सावधानी और क्षेत्रीय अखंडता पर मजबूत ध्यान देने पर जोर देती है। समकालीन सुरक्षा परिदृश्य सीमा विवादों और आतंकवाद से लेकर साइबर खतरों और क्षेत्रीय अस्थिरता तक कई तरह की चुनौतियां पेश करता है। उन्होंने कहा कि अपने राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित करने के लिए भारत को अपने सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण में निवेश करना चाहिए। साथ ही रणनीतिक स-

झेदारी को मजबूत करने के अलावा स्वदेशी रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने आंतरिक और बाहरी सुरक्षा दोनों के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण अपनाने पर जोर दिया। एयर चीफ मार्शल चौधरी ने सीमा विवादों और आतंकवाद से लेकर साइबर खतरों और क्षेत्रीय अस्थिरता तक भारत के सामने मौजूद बहुआयामी चुनौतियों पर भी बात की।

उन्होंने कहा कि समकालीन सुरक्षा परिदृश्य सीमा विवादों और आतंकवाद से लेकर साइबर खतरों और क्षेत्रीय अस्थिरता तक बहुआयामी चुनौतियां पेश करता है। भारत की रणनीतिक विरासत पर विविध दृष्टिकोणों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि यूरोपीय विचारक इस बात पर जोर देंगे कि भारत में शासन कला का अभ्यास पूरे इतिहास में देखा गया है। रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्य भारत के भव्य रणनीतिक विचारों को प्रदर्शित करते हैं। प्रभावी रणनीतिक योजना के महत्व को स्वीकार करते हुए एयर चीफ मार्शल चौधरी ने कहा कि भारत की रणनीतिक संस्कृति हो या न हो, राय के तौर पर हमारी व्यावहारिक राजनीति, शासन कला और कूटनीति हमेशा हमारी ऐतिहासिक, घरेलू और समकालीन भू-राजनीति का अभिन्न अंग रही है। एयर चीफ मार्शल चौधरी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने अपनी हालिया पुस्तक 'व्हाई भारत मैटर्स' में महाकाव्य नाटक के माध्यम से अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत करके समकालीन, जटिल अंतरराष्ट्रीय स्थितियों के लिए एक नया दृष्टिकोण पेश किया है। इस कार्यक्रम में सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी, वरिष्ठ सैन्य कमांडर, दिग्गज, विभिन्न मंत्रालयों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के वरिष्ठ अधिकारी और केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपति शामिल हुए। संगोष्ठी में प्रमुख हस्तियों ने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक और रणनीतिक विरासत के संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय संबंधों के लिए नए दृष्टिकोणों की खोज की। भारतीय वायु सेना की रणनीतिक शैक्षिक पहल युद्ध और एयरोस्पेस रणनीति कार्यक्रम (डब्ल्यूएएसपी) का यह तीसरा संस्करण है। कार्यक्रम की शुरूआत वर्ष 2022 में व्यावसायिक सैन्य शिक्षा कार्यक्रम के रूप में की गई थी, जिसका उद्देश्य युद्ध के विभिन्न क्षेत्रों में अच्छी तरह से शोध करके रणनीति बनाना था। इस कार्यक्रम की शुरूआत 16 मार्च को तीनों सेनाओं की भागीदारी के साथ-साथ पहली बार शिक्षाविदों के साथ हुई थी। प्रतिभागियों में भारतीय वायु सेना के 14 अधिकारी, भारतीय नौसेना के दो, भारतीय सेना के एक और थिंक टैंक के एक शोध विद्वान शामिल हैं। स्नातकों को राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय की और से रणनीतिक अध्ययन में पीजी डिप्लोमा प्रदान किया जाएगा।

आपातकाल भारत के मजबूत लोकतंत्र में एक अविस्मरणीय काला अध्याय : सूर्य प्रकाश पाल

– भाजपा मुरादाबाद महानगर व जिला इकाई ने आपातकाल पर संगोष्ठी का आयोजन किया

मुरादाबाद, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुरादाबाद महानगर व जिला इकाई के तत्वावधान में मंगलवार को कार्यालय पर आपातकाल की वर्षगांठ पर संगोष्ठी एवं लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि व मुख्य वक्ता के रूप में उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण सहकारी संघ के पूर्व सभापति सूर्य प्रकाश पाल उपस्थित रहे। सूर्य प्रकाश पाल ने कहा कि आपातकाल भारत के मजबूत लोकतंत्र में एक अविस्मरणीय काला अध्याय है। 25 जून, 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश पर आपातकाल लगाया, जो लोकतांत्रिक स्वतंत्रता पर गंभीर अंकुश था। उन्होंने आगे बताया कि 25 जून, 1975 के बाद अगले 21 महीनों में तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने देश के लोकतंत्र और संविधान को बंदी बनाकर रखा, लोगों, मीडिया और विपक्षी नेताओं पर अनगिनत अत्याचार किए। भाजपा पश्चिम क्षेत्र के क्षेत्रीय महामंत्री हरिओम शर्मा ने कहा कि आपातकाल की अवधि एकतरफा कांग्रेस के नेतृत्व वाली तानाशाही का पर्याय बन गई, जिसके दौरान नागरिक अधिकारों को खत्म कर दिया गया और असहमति जताने वालों को अन्यायपूर्ण तरीके से कैद कर लिया गया। उन्होंने आगे बताया कि 25 जून, 1975 को देर रात, इंदिरा गांधी ने ऑल इंडिया रेडियो पर एक प्रसारण में आपातकाल लागू करने की घोषणा की, इसके तुरंत बाद सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले पर सशर्त रोक लगा दी थी, जिसमें लोकसभा के लिए उनके चुनाव को अमान्य घोषित किया गया था। 21 महीने की अवधि को जबरन सामूहिक नसबंदी, प्रेस पर सेंसरशिप, संवैधानिक अधिकारों के निलंबन और सत्ता के केंद्रीकरण के लिए जाना जाता है। भाजपा जिलाध्यक्ष आकाश पाल और महानगर अध्यक्ष संजय शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय आपातकाल, भारतीय राजनीति के एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू को दर्शाता है। आपातकाल के दौरान प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली सरकार ने विभिन्न राजनैतिक विरोधियों, समाजसेवी और पत्रकारों को गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया था, जिसे भारतीय राजनीति के काले अध्याय के रूप में जाना जाता है। राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान यह घटनाक्रम भारतीय राजनीति में एक अभिशाप बन गया, जो स्वतंत्र मीडिया, संविधानिक संस्थाओं और लोकतंत्र के प्रति विशेष चिंता का विषय बन गया था।

मायावती बोलीं- भाजपा और कांग्रेस की सोच एक जैसी

लखनऊ, (हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने मंगलवार को भाजपा और कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि इन दोनों दलों में संसद के अंदर व बाहर संविधान की प्रति दिखाने की होड़ लगी है। दोनों दलों की सोच एक जैसी है। इन दोनों दलों ने मिलीभगत कर संविधान का कई बार संशोधन किया। मायावती ने लखनऊ में मीडियाकर्मियों से बातचीत में आरोप लगाया कि सत्तापक्ष और विपक्ष के अधिकतर लोग जातिवादी मानसिकता के हैं और ये लोग आरक्षण को खत्म करना चाहते हैं। वह ऐसा इसलिए कह रही हैं क्योंकि भाजपा और कांग्रेस की सरकार जिन-जिन राज्यों में हैं वह सभी सरकारें गरीबी, बेरोजगारी दूर करने में विफल हो गई हैं। उन्होंने कहा कि ये दोनों दल आरक्षण को खत्म करना चाहते हैं और एससी, एसटी वर्ग को संविधान का लाभ नहीं देना चाहते हैं।

आदिवासी रेजीमेंट बनाने से देशभर के आदिवासियों को मिलेगी अलग पहचान : चम्पाई सोरेन

मुख्यमंत्री से लेफ्टिनेंट जनरल रामचंद्र तिवारी ने की शिष्टाचार भेंट

रांची, (हि.स.)। मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन से मंगलवार को भारतीय सेना के जनरल ऑफिसर, कमांडिंग-इन-चीफ, ईस्टर्न कमांड और लेफ्टिनेंट जनरल रामचंद्र तिवारी (यूवाईएसएम, एवीएसएम, एसएम) ने शिष्टाचार भेंट की। मौके पर मुख्यमंत्री ने जाट रेजीमेंट, बिहार रेजीमेंट, पंजाब रेजीमेंट, सिख रेजीमेंट और मद्रास रेजीमेंट आदि की तर्ज पर आदिवासी रेजीमेंट बनाने से संबंधित अपनी भावना से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि आदिवासी रेजीमेंट के गठन से देशभर के आदिवासियों को सेना में अलग पहचान भी मिलेगी।

झारखंड में भी इकोलॉजिकल टेरिटोरियल आर्मी बनाने में सहयोग करेगी राज्य सरकार – लेफ्टिनेंट जनरल रामचंद्र तिवारी ने झारखंड में भी पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिकोण से इकोलॉजिकल टेरिटोरियल आर्मी के गठन का प्रस्ताव रखा। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मामले में सेना द्वारा प्रस्ताव मिलने पर सरकार पूरा सहयोग करेगी। उल्लेखनीय है कि सेना के इकोलॉजिकल टेरिटोरियल आर्मी में भूतपूर्व सैनिक होते हैं, जो पर्यावरण के लिए कार्य करते हैं। झारखंड में इकोलॉजिकल टेरिटोरियल आर्मी के गठन से पर्यावरण संरक्षण की मुहिम में सेना भी बड़े स्तर पर योगदान कर सकेगी। खासकर इस राज्य के भौगोलिक परिवेश को देखते हुए जंगलों और खनन क्षेत्र में पौधरोपण और अन्य माध्यमों से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।

फौज बहाली में आदिवासियों को ज्यादा से ज्यादा अवसर मिले – मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय सेना में झारखंड के आदिवासी युवा अपनी सेवा देते आ रहे हैं। फौज बहाली में यहां के आदिवासियों को और ज्यादा से ज्यादा अवसर प्राप्त हो। इसमें सेना आदिवासियों को आगे लाने की दिशा में पहल करें। लेफ्टिनेंट जनरल रामचंद्र तिवारी ने मुख्यमंत्री को भरोसा दिलाया कि इस दिशा में सेना की स्थानीय जीओसी के माध्यम से आदिवासियों को सेना बहाली के योग्य तैयार करने के लिए प्रशिक्षण समेत अन्य सभी सहयोग किया जाएगा।

डूरंड कप के आयोजन में सहयोग करने के लिए जताया आभार – लेफ्टिनेंट जनरल रामचंद्र तिवारी ने डूरंड कप फुटबॉल प्रतियोगिता के आयोजन में राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे सहयोग के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया। उन्होंने कहा कि डुरंड कप (प्रेसिडेंट कप) एशिया की सबसे पुरानी और विश्व की दूसरी सबसे पुरानी फुटबॉल प्रतियोगिता है। इस बार जमशेदपुर की मेजबानी में इस प्रतियोगिता का आयोजन होना है, जिसमे राज्य सरकार हर स्तर पर सहयोग कर रही है। इस दौरान मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, लेफ्टिनेंट जनरल राजेंद्र पुरी, मुख्यमंत्री के सचिव अरवा राजकमल, मेजर जनरल परमवीर सिंह डागर, कर्नल वीएस आडकर और मेजर जनरल एमपी सिंह मौजूद रहे।

दहेज लोभी ने की विवाहिता की हत्या, पति सहित पांच नाम जद

नवादा, (हि. स.)। नवादा में मंगलवार को दहेजलोभी ससुराल वालों ने विवाहिता की हत्या कर शव को नदी में फेंक दिया। इस घटना के बाद पीड़ित परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना जिले के सीतामढ़ी थाना क्षेत्र के मिल्की बेलरी गांव की बतायी जा रही है, जहां दहेजलोभियों ने दहेज की डिमांड नहीं पूरी होने पर विवाहिता की हत्या कर महिला के शव को गया जिले के खिजरसराय स्थित फल्गु नदी में फेंक दिया।जिसकी पहचान सीतामढ़ी थाना क्षेत्र के मिल्की बेलदरी गांव निवासी मिथिलेश चौहान के पुत्र बादल कुमार की पत्नी प्रियंका कुमारी के रूप में की गई है। इस घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल नवादा भेज दिया। मृतका के परिजनों की माने तो उनकी बेटी प्रियंका की शादी वर्ष 2023 में सीतामढ़ी थाना क्षेत्र के मिल्की बेलदरी गांव निवासी मिथिलेश चौहान के पुत्र बादल कुमार के साथ हुई थी। शादी के दो-तीन माह के बाद ही दहेज को लेकर लड़की को प्रताड़ित किया जाने लगा। लड़की के पिता नवादा जिले के कादिरगंज थाना क्षेत्र के मुबारकपुर सहजपुरा गांव के निवासी मुन्ना चौहान ने बताया की दहेज लोभियों की मांग कम नहीं हो रही थी। 5 लाख रुपये की डिमांड की जा रही थी। डिमांड नहीं पूरी करने पर अंत में ससुरालजनों द्वारा लड़की की हत्या कर शव को नदी में फेंक दिया गया। मृतका प्रियंका की एक 4 माह की लड़की भी है। लड़की के पिता मुन्ना चौहान ने उसके पति, ससुर, सास सहित परिवार के अन्य सदस्यों पर प्रियंका की हत्या का आरोप लगाया है। सीतामढ़ी थाना के थानाध्यक्ष रश्मि कुमारी ने बताया कि आरोपी लड़के की बहन को पूछताछ के लिए थाना लाया गया है। लड़की के पिता मुन्ना चौहान ने ससुरालवालों के विरुद्ध लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है।

'उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा अध्यादेश-2024' लाएगी योगी सरकार

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को लोकभवन में हुई कैबिनेट की बैठक में रखे गए 44 प्रस्तावों में से 43 को मंजूरी मिल गयी। पर्चा लीक कराने वालों को कठोर सजा दिलाने और उनसे वसूली करने संबंधी ह्यउत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा अध्यादेश-2024ह्व लाने के प्रस्ताव समेत विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को हरी झंडी मिल गयी है। बैठक के बाद वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना और पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने फैसलों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पर्यटन विभाग के तहत अयोध्या में टाटा कम्पनी द्वारा सीएसआईआर फंड 650 करोड़ रुपये से विश्वस्तरीय मंदिर संग्रहालय के निर्माण को मंजूरी मिली है। इसके कुल प्रस्तावित बजट 750 करोड़ रुपये की मंजूरी मिली है। जमीन निःशुल्क रूप से लीज पर मुहैया कराई जाएगी।

इन फैसलों को मिली मंजूरी- सहारनपुर के बेहट तहसील में शाकुंभरी देवी धाम पर्यटन विकास के लिए पर्यटन विभाग द्वारा निःशुल्क भूमि देय की मंजूरी। पर्यटन विभाग के बंद या घाटे में चल रहे पर्यटन आवास गृह को पीपीपी मोड पर दिए जाने के लिए मंजूरी। इसमें राही पर्यटक आवास गृह, मुंशीगंज (अमेठी), खुर्जा (बुलन्दशहर), देवा शरीफ (बाराबंकी), हरगांव (सीतापुर) को लीज पर दिए जाने के साथ लेटर ऑफ अवॉर्ड दिए जाने को मंजूरी। उप्र में पर्यटन विकास, रोड एयर कनेक्टिविटी को लेकर जनपद लखनऊ प्रयागराज कपिलवस्तु (सिद्धार्थनगर) में पीपीपी मोड पर हेलीपोर्ट निर्माण को लेकर हेलीपैड बनवाने की हरी झंडी। प्रदेश के हेरिटेज बिल्डिंग को पीपीपी मोड पर एडॉप्ट करने का निर्णय। आज तीन हेरिटेज इमारतें कोठी रोशनउद्दौला लखनऊ, शुक्ला तालाब कानपुर, बरसाना जलमहल मथुरा को तकनीकी निविदा प्राप्त करने की मंजूरी। प्रदेश में पर्यटन को लेकर टूरिज्म पॉलिसी 2022 के तहत मुख्यमंत्री टूरिज्म फेलोशिप कार्यक्रम को मंजूरी, शोधार्थी इस फेलोशिप में पर्यटन विकास के लिए सहभागिता प्रदान करेंगे व अध्ययन करेंगे। साथ ही निवेशकों के साथ पर्यटन विकास में सहायता करेंगे। शोधार्थियों को 30 हजार मानदेय एवं 10 हजार क्षेत्र भ्रमण के लिए एवं एक टैबलेट का लाभ दिया जाएगा। गोरखपुर में परमहंस योगानन्द जी की जन्मस्थली को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने को मंजूरी। गोरखपुर के असुरकरगंज में 460 वर्गमीटर भूमि पर्यटन विभाग को दिए जाने की मंजूरी। ऊर्जा विभाग के लिए विद्युत निरीक्षक व मुख्य विद्युत निरीक्षकों के लिए नियमावली को मंजूरी। नगर पालिकाओं, निगमों नगर पंचायतों में आवासीय, अनावासीय सम्पत्तियों के लिए नियमावली बनाने की मंजूरी। अयोध्या में नए सीवरेज प्रोजेक्ट को मंजूरी, कैंट क्षेत्र में 351.40 करोड़ की योजना को मंजूरी, 27,928 घरों को सीवरेज कनेक्शन देने का फैसला। अमृत योजनांतर्गत अमृत 01 योजना में 10 लाख के ऊपर के निकायों मे निकायों की आर्थिक परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए निकाय अंश 30 फीसदी से घटाकर 15 फीसदी कर दिया गया है। साथ ही 10 लाख के अंदर की आबादी के निकायों के निकाय अंश 20 फीसदी से घटाकर 10 फीसदी किये जाने की मंजूरी प्रदान की गयी है। अमृत 02 योजना में 1 लाख के नीचे के आबादी निकायों के अंश 20 से घटाकर 10 फीसदी, एक से 10 लाख निकायों के निकाय अंश 10 फीसदी किया गया। 10 लाख आबादी से ऊपर निकायों के अंश 15 फीसदी किया गया। इन्वेस्टमेंट समिट में हुए एमओयू की श्रृंखला में जिन निवेशकों की यूनिट बंद हो गई, उनके कर्ज को वन टाइम सेटलमेंट करने की मंजूरी। 11 यूनिट के 117 करोड़ 19 लाख भुगतान करने की सहमति मिली है।

इसके साथ 871.85 एकड़ भूमि औद्योगिक विकास विभाग को प्राप्त होंगी। नोएडा में सेक्टर 142 स्टेशन से बोटेनिकल गॉर्डन तक कुल 11.56 किमी की एक्वा लाइन मेट्रो कॉरिडोर के प्रस्तावित विस्तार में 2254.35 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। इसमें 573 करोड़ उप्र सरकार की ओर से दिया जाएगा, शेष नोएडा प्राधिकरण इसको बनाएगा। उत्तर प्रदेश स्टेट स्पिनिंग कम्पनी लिमिटेड की बाराबंकी इकाई में उपलब्ध 69.86 एकड़ भूमि यूपीएसआईडीए को निःशुल्क उपलब्ध करवाए जाने व मेजा प्रयागराज में 175 एकड़, बांदा में 90 एकड़, बलिया के रसड़ा में 57 एकड़ भूमि यूपीएसआईडीए को निःशुल्क दिए जाने का फैसला। केंद्र सरकार द्वारा इंडस्ट्रियल कॉरिडोर स्थापना में से अमृतसर कोलकाता इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का 60% हिस्सा उत्तर प्रदेश से होकर गुजरता है। इस कॉरिडोर में दो नोड आगरा व प्रयागराज में प्रस्तावित है। आगरा में 1058 एकड़ व प्रयागराज में 1138 एकड़ भूमि उपलब्ध करवाए जाने को मंजूरी मिली है। वर्तमान में यह भूमि यूपीएसआईडीए को उपलब्ध करवाई जा चुकी है। एनआईसीडीसी और यूपीएसआईडीए इसका निर्माण करेंगी। नोएडा में मेसर्स सैमसंग डिस्प्ले नोएडा प्रा.लिमि. को कैपिटल सब्सिडी देने को मंजूरी मिली है। कुल 207 करोड़ रुपये का वितरण किया जाएगा। यह सैमसंग की एक यूनिट है। स्टार्टअप नीति के तहत 4 और एक्सीलेंस सेंटर स्थापित किये जाने की मंजूरी। इसमें दो 5जी टेक्नोलॉजी यूनिट्स को आईआईटी कानपुर के साथ दूसरा आईआईटी रुड़की के साथ सहारनपुर में स्थापित किया जाएगा। सेंटर फॉर एक्सीलेंस ब्लॉक चेन टेक्नोलॉजी के लिए आईआईएम लखनऊ के साथ स्थापित किया जाएगा। इसमें माइक्रोसॉफ्ट सहयोग करेगा। चौथा 3डी प्रिंटिंग क्षेत्र में एडिटेड मैन्युफैक्चरिंग गाजियाबाद में स्थापित किया जाएगा। नौ कम्पनियों को अनापत्ति प्रमाणपत्र जारी करने को मंजूरी। कनोडिया सीमेंट्स प्रा.लि. बुलन्दशहर और प्रतापगढ़, बालाजी वेफर्स प्रा.लि. हरदोई, बनासकांठा जिला सहकारी मिल्क उत्पादक बाराणसी, श्री सीमेंट्स एटा को एनओसी जारी किए जाने को मंजूरी। आईपीसी, सीआरपीसी, एविडेंस एक्ट के 3 प्रस्तावों को मंजूरी। उत्तर प्रदेश में 28 मार्च 2005 से पहले जिन नौकरियों के मामले में विज्ञापन हुआ था, उन लोगों को ओल्ड पेंशन स्कीम दिए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी। एसजीपीजीआई लखनऊ में ग्रुप ए और ग्रुप बी पैरा मेडिकल के गैर संकाय अधिकारियों कर्मचारियों को एआईआईएमएस के बराबर पेशेंट केयर भत्ता दिए जाने को मंजूरी। इसमें 96 लाख 72 हजार वार्षिक जा व्यय भार आएगा। फार्मास्युटिकल रिसर्च इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार के नियंत्रित संस्था में प्रमोट फार्मा शुरू किए जाने को मंजूरी। राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान ग्रेटर नोएडा में बिल्डिंग को मेंटिनेंस करने के लिए प्रस्ताव को मंजूरी। इस पर 25 करोड़ 48 लाख का व्यय होगा। तीन प्राधिकरणों के सीमा विस्तार को मंजूरी। वाराणसी विकास प्राधिकरण में 215 राजस्व ग्राम सम्मिलित, वाराणसी के राजा तालाब तहसील के 94 गांव, पिंडरा के 30 गांव, सदर तहसील के 18 गांव, जनपद चंदौली के सकलडीहा तहसील के 2 गांव, पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर के 54 गांव, जनपद मिजार्पुर के चुनार तहसील के 17 गांव को वाराणसी विकास प्राधिकरण में शामिल किए जाने को मंजूरी दी गयी है। बरेली विकास प्राधिकरण में 35 राजस्व गांव शामिल किए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी। मुरादाबाद विकास प्राधिकरण में 71 राजस्व गांव को शामिल किए जाने को मिली मंजूरी। ई स्टाम्प प्रमाणपत्र नियमावली में छोटे मूल्य के स्टाम्प को सेल्फ प्रिंटिंग कराए जाने की सुविधा दिए जाने की मंजूरी मिल गयी है। रजिस्ट्री दफ्तर में ऑनलाइन ई फाइलिंग की सुविधा दिए जाने की सुविधा दी गई है। जिन विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति सम्बंधित विद्यालयों के रिजल्ट देर से आने के कारण या अन्य तकनीकी त्रुटियों की वजह से रुके थे, उसको 2 महीने के अंदर दिए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी मिल गयी है। इससे छात्रों को लाभ होगा। प्रतियोगी परीक्षाओं, पदोन्नति परीक्षाओं या अन्य भर्ती पेपर लीक के सम्बंध मे मंत्रिपरिषद द्वारा प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी है। जो लोग इसमे पकड़े जाएंगे (संस्था या लोग) उन्हें 2 वर्ष से लेकर आजीवन कारावास व एक करोड़ जुमार्ना का प्रावधान किया गया है। इस सम्बंध में अध्यादेश जारी किया जाएगा। 2024-25 में 35 करोड़ वृक्षारोपण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

विधानसभा की विशेष समिति ने पाइपलाइन बिछाने के लिए खोदी गयी सड़कों का किया निरीक्षण

रांची, (हि.स.)। झारखंड विधानसभा के विशेष समिति के संयोजक विधायक मथुरा महतो के साथ विधायक रामचन्द्र सिंह तथा सीपी सिंह ने मंगलवार को रांची शहर अंतर्गत पाइपलाइन बिछाने के लिए खोदी गयी सड़कों का निरीक्षण किया। समिति ने रातू रोड के इंद्रपुरी मुख्य पथ, लालपुर के लोअर वर्धमान कंपाउंड एवं चुटिया के हटिया तालाब मुहल्ले एवं अन्य विभिन्न क्षेत्रों में पानी का पाइप लाइन बिछाने एवं सिवरेज ड्रेनेज के लिए खोदी गई सड़कों के बाद किए जा रहे मरम्मत कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ जुडको, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग तथा रांची नगर निगम के पदाधिकारी भी उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि रांची शहर के लगभग सभी सड़कों को संबंधित कंपनियों द्वारा आधा-अधूरा छोड़ दिया गया है। मरम्मत के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की जा रही है। निरीक्षण के क्रम में सभी संबंधित अधिकारियों को सड़क को अविलंब दुरुस्त करने का निर्देश दिया गया। विशेष समिति की शिकायतों और नाराजगी को देख अधिकारियों ने सड़क को ठीक करने के लिए समिति के सदस्यों से कुछ दिनों के समय की मांग की। झारखण्ड विधानसभा में सीपी सिंह इस शिकायत को ला चुके थे कि पाइपलाइन बिछाने और दूसरे कामों के लिए सड़कों को खोद दिया जाता है। लंबे समय तक उसकी मरम्मत नहीं की जाती और आम लोग परेशान रहते हैं। इसके बाद विधानसभा में एक विशेष समिति बनाकर इस मामले की जांच के लिए कहा गया था।

पटना सिविल कोर्ट में नीट पेपर लीक मामले की सुनवाई टली

पटना, (हि.स.)। पटना सिविल कोर्ट में मंगलवार को नीट पेपर लीक मामले में एडीजी-5 राजेंद्र कुमार सिन्हा की बेंच में सुनवाई होनी थी लेकिन अभियोजन पक्ष ने कोर्ट को अवगत कराया कि इस मामले को सीबीआई के टेक ओवर कर लिया है। इसके बाद सिविल कोर्ट में इस मामले की सुनवाई नहीं हुई। इस मामले में ईओयू ने एक पत्र जारी किया है, जो अभियोजन को प्राप्त नहीं हुआ है। जब यह पत्र एडीजी-5 को मिलेगा तब इसकी सुनवाई स्पेशल जज सीबीआई के यहां होगी। अभियोजन ने कहा कि दो आवेदनों संख्या 1168/24 अखिलेश कुमार और 1078 आयुष राज के बेल आवेदन को अधिवक्ता ने वापस लेने के लिए आवेदन दिया है। इस मामले में कुल नौ लोगों की सुनवाई एडीजी कोर्ट में हो रही थी, जिसमें आज आठ लोगों की सुनवाई होनी थी और बाकी एक संजीव मुखिया की अंतरिम जमानत पर सुनवाई फिर टली है। नीट पेपर लीक कांड मामले में पटना के एसएसपी को सीबीआई ने तलब किया। सीबीआई ने कल ही नीट पेपर लीक कांड को टेक ओवर किया है। पटना के एसएसपी सीबीआई कार्यालय पहुंचे हैं। नीट पेपर लीक कांड मामले को लेकर एसएसपी से सीबीआई कई अहम जानकारी लेगी। वकील ने बताया कि सुनील मुखिया को भी फिलहाल इस मामले में राहत नहीं मिलेगी। सीबीआई के स्पेशल कोर्ट में अब इस मामले में सुनवाई होगी।

दोहे

"थे कितने भी दूर"

चांद चांदनी रात थी,
दिवस बहुत था दूर।
रात रही बेचैन सी,
मिलने को मजबूर।।
रातों तुमने जब किया,
जगने को मजबूर।
चंदा मिलने आ गए,
थे कितने भी दूर।।

वैशाली रस्तौगी
जकार्ता, इंडोनेशिया

झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर मिशन मोड में प्रदेश भाजपा

रांची, (हि.स.)। लोकसभा चुनाव में मिले झटके के बाद भाजपा अब आगामी झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर पूरी तरह मिशन मोड में है। भाजपा ने प्रचार और संगठनात्मक गतिविधियों को तेजी से बढ़ाया है ताकि वह चुनावी मैदान में मजबूत प्रतिस्पर्धा कर सके। हालांकि, लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद प्रदेश भाजपा में अंदरूनी कलह बढ़ी है। इसका प्रभाव झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव में न पड़े और झारखंड में भाजपा की सरकार बने इसके लिए पार्टी खास रणनीति पर काम कर रही है। केंद्रीय नेतृत्व ने हर हाल में झारखंड में सत्ता में वापसी का टास्क प्रदेश भाजपा को दिया। इसकी झलक भाजपा के कार्यक्रम के रोड मैप में दिख रहा है। झारखंड में चुनाव प्रभारी बनने के बाद पहली बार झारखंड दौरे पर आए केंद्रीय मंत्री और मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और सह प्रभारी हिमंता बिश्वा सरमा ने जिस तरह से बैठक की है उससे साफ लग रहा है कि भाजपा विधानसभा चुनाव को लेकर कितनी चिंतित है। वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर दास के नेतृत्व में चुनाव लड़ा था और मुख्यमंत्री का चेहरा भी प्रोजेक्ट किया था लेकिन जनता ने इसे ठुकरा दिया। हालत यह बनी कि खुद मुख्यमंत्री अपने विधानसभा क्षेत्र से हार गए। पिछले चुनाव में भाजपा 65 पार का नारा के साथ चुनाव मैदान में उतरी थी लेकिन फेल हो गई और महज 25 सीटों पर सिमट गई थी। बीते लोकसभा चुनाव में पार्टी ने देशभर में 400 पार के साथ झारखंड की सभी 14 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा था। इसमें भी भाजपा को झारखंड सहित देश के अन्य राज्यों में झटका लगा है। हालांकि, भाजपा नेताओं का मानना है कि लोकसभा चुनाव के दौरान झारखंड के करीब 50 विधानसभा क्षेत्रों में आगे रहना शुभ संकेत है और इसी बल पर सत्ता परिवर्तन की उम्मीद की जा सकती है। इन सब चुनावी अनुभवों के आधार पर भाजपा ने फिलहाल मुख्यमंत्री का चेहरा की घोषणा नहीं करने का फैसला किया है ताकि पार्टी के अंदर अंदरूनी कलह को हवा देने से रोका जाए। नाम न छपने की शर्त पर भाजपा के एक नेता का कहना है कि बाबूलाल के नेतृत्व में जब चुनाव लड़ने की घोषणा हुई है तो निश्चित रूप से मुख्यमंत्री का चेहरा भी बाबूलाल को रखने का पार्टी जरूर सोचेगी। इसके अलावा इस बार सीटों के लक्ष्य को सार्वजनिक भी नहीं करने का निर्णय लिया गया है।

भाजपा ने बदली रणनीति – लोकसभा चुनाव में ट्राइबल सीटों पर हार का सामना करने के बाद भाजपा ने रणनीति में बदलाव करना शुरू कर दिया है। आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा की नजर ओबीसी वोटबैंक को साधने पर है। इसके अलावा सवर्ण वोट जो भाजपा की पारंपरिक रही है, वो नाराज न हो इस पर ध्यान दिया जा रहा है। यही वजह है कि ओबीसी का बड़ा चेहरा मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और असम के मुख्यमंत्री जो सवर्ण हैं हिमंता बिश्वा सरमा को झारखंड की जिम्मेदारी दी गई है। इस साल के अंत में झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव को जीतना शिवराज सिंह चौहान और हिमंता बिश्व सरमा के लिए कठिन चुनौती है। वर्तमान राजनीतिक हालात और लोकसभा चुनाव परिणाम स्पष्ट संकेत दे रहा है कि भाजपा का न केवल ट्राइबल वोट बैंक में कमी आई है, बल्कि सामान्य सीटों पर भी जनाधार में कमी आई है। वर्ष 2019 की तुलना में 2024 की परिस्थिति और भी खराब है। इसके पीछे कई वजह हैं। संगठन के अंदर अंदरूनी कलह जो टॉप-टू-बॉटम तक देखी जा रही है।

मुजफ्फरपुर में बदमाशों ने महिला को मारी गोली, भर्ती

पटना, (हि.स.)। राज्य के मुजफ्फरपुर में मंगलवार को बेला औद्योगिक थाना क्षेत्र के बेला मोर के समीप एक बाइक पर सवार तीन बदमाशों ने लूटपाट के इरादे से प्राइवेट कंपनी के ऑफिस में काम करने वाली एक महिला को गोली मारी। बदमाशों ने तीन गोली चलाई गई, जिसमें महिला को एक गोली लगी। गोलीबारी की इस घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर बेला थाना पुलिस के साथ मिठनपुरा थाना पुलिस भी पहुंची और तहकीकात शुरू कर दी है। घायल महिला की पहचान क्षेत्र के रहने वाली समृद्धि वर्मा के रूप में हुई है। वह आर्यन वर्मा की पत्नी बताई गई है। बेला थानेदार रंजना वर्मा ने बताया कि बदमाशों की फायरिंग में एक महिला को गोली लगी है।

घायल महिला को अस्पताल भेजा गया है। पुलिस की टीम जांच-पड़ताल कर रही है। स्थानीय लोगों का कहना है दिनदहाड़े छिनैती करने के चक्कर में बदमाशों ने पहले महिला को रोकना चाहा। जब महिला नहीं रुकी तो हवा में गोली चलाई। फिर भी महिला भागने की कोशिश कर रही थी। इसके बाद बदमाशों ने उसे गोली मार दी।

गांजा बरामदगी मामले में एक को तेरह साल की सजा

पूर्वी चंपारण, (हि.स.)। एनडीपीएस न्यायालय-2 के विशेष न्यायाधीश सूर्यकांत तिवारी ने प्रतिबंधित गांजा बरामदगी मामले में दोषी पाते हुए नामजद एक अभियुक्त को तेरह वर्षों का सश्रम कारावास व दो लाख रुपए अर्थ दंड की सजा सुनायी है। अर्थ दंड नहीं देने पर छह माह की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। सजा बंजरिया थाना के पचरुखा निवासी सांद्रिका साह को हुई। मामले में तत्कालीन थानाध्यक्ष ने प्राथमिकी दर्ज कराया था, जिसमें कहा गया था कि गुप्त सूचना के आधार पर 25 अप्रैल 2019 की संध्या नामजद अभियुक्त के घर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान उसके घर में रखे कई बंडल में साठ किलो प्रतिबंधित गांजा पकड़ा गया। सूचना मिली थी कि नेपाल से प्रतिबंधित गांजा लाकर भंडारण किया गया है। वाद विचारण के दौरान अपर लोक अभियोजक प्रभाष त्रिपाठी ने गवाहों को न्यायालय में प्रस्तुत कर अभियोजन पक्ष रखा। न्यायाधीश ने दोनों पक्षों के दलीलें सुनने के बाद उक्त सजा सुनायी है। कारागार में बिताये अवधि का समायोजन सजा की अवधि में होगी।

संपादकीय

क्या एनटीए 'महाघोटाला' है?

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) और नीट के तहत परीक्षाओं की जो पवित्रता भंग की गई है, लाखों युवाओं के करियर और भविष्य अधर में लटके हैं, ये मुद्दे यहीं तक सीमित नहीं हैं। एनटीए एक भ्रष्टाचारी और कदाचारी नेटवर्क की सांठगांठ का 'महाघोटाला' है। पृष्ठभूमि में परीक्षा-माफिया सक्रिय है। सिर्फ पेपरलीक और सॉल्वर गैंग की ही साजिशें नहीं हैं, बल्कि 'बड़ी मछलियां' भी हैं, जिनके बच्चों के लिए नीट परीक्षा से कुछ दिन पहले भी एनटीए की ऑनलाइन खिडक़ी खोली गई थी, ताकि वे परीक्षा के लिए अपने पंजीकरण करा सकें। उस दौर में 24,000 से अधिक पंजीकरण कराए गए। इसकी भी जांच होनी चाहिए कि फरवरी और मार्च में एनटीए की खिडक़ी खोली गई थी, तब इन लोगों ने पंजीकरण क्यों नहीं कराया? नीट की डॉक्टरी प्रवेश परीक्षा की धांधलियां सामने आ रही हैं। सवाल है कि जो माता-पिता अपने बच्चे की परीक्षा पास कराने के लिए 40 लाख रुपए प्रश्न-पत्र के लिए खर्च कर सकते हैं, क्या वे देश में 'मुन्ना भाई एमबीबीएस' पैदा करना चाहते हैं? यह घोर दंडनीय अपराध है। नीट प्रकरण के अलावा, यूजीसी नेट, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) और नीट-पीजी परीक्षाएं भी रद्द या स्थगित की गई हैं। इस तरह 37 लाख से अधिक युवाओं के भविष्य घोर अनिश्चित हो गए हैं। यह कोई सामान्य बात नहीं है। आखिर वे युवा कब तक परीक्षाएं देते रहेंगे? उम्र भी फिसल रही है, लिहाजा नौकरी की भी अनिवार्यता है। इन बर्बादियों का सवाल और आरोप एनटीए पर ही क्यों है? यह केंद्र सरकार को भी सोचना चाहिए और एनटीए को खंगालना चाहिए। एनटीए की प्रक्रिया, परीक्षा-प्रणाली, आउटसोर्स की मजबूरी, विशेषज्ञता के अभाव और मूल में भ्रष्टाचार आदि ऐसे बुनियादी कारण हैं कि इस संस्थान को ही समाप्त करने की मांगें की जा रही हैं। युवाओं के विरोध-प्रदर्शन इतने उग्र और व्यापक हो गए हैं कि एनटीए के महानिदेशक सुबोध कुमार सिंह को हटा कर एक सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी प्रदीप सिंह खरोला को इस पद का दायित्व सौंपना पड़ा है। परीक्षा-प्रणाली और उसके ईमानदार, पेशेवर तंत्र को आईएएस लॉबी के हवाले करना कोई सार्थक समाधान नहीं है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने एक विशेष समिति का गठन किया है। बेशक उसमें महाविशेषज्ञ किस्म के महाबौद्धिक चेहरे शामिल हैं, लेकिन वे एनटीए की तकनीक, परीक्षा-प्रविधि और अंतर्विरोधों के समाधान नहीं दे सकते। यह उनकी विशेषज्ञता से बिल्कुल अलग क्षेत्र है। समिति को दो माह का समय दिया गया है। सर्वोच्च अदालत में भी एनटीए, नीट परीक्षा के मामले विचाराधीन हैं, जिनकी सुनवाई 8 जुलाई को है। सीबीआई ने प्राथमिकी दर्ज कर पेपरलीक और उनके पीछे के नेटवर्क की जांच शुरू कर दी है। कुछ गिरफ्तारियां भी की गई हैं। सीबीआई जांच का निष्कर्ष क्या होगा और कब आएगा, वह भी अनिश्चित है। केंद्र सरकार ने एक कानून भी लागू किया है। बेहद गंभीर सवाल है कि अनिश्चितताओं के इस दौर में युवा छात्रों का क्या होगा? नीट के अभ्यर्थी भी विभाजित हैं। क्या सफल युवाओं को उनके मेडिकल कॉलेज आवंटित किए जाएंगे या नीट परीक्षा का परिणाम ही रद्द कर दिया जाएगा और परीक्षा दोबारा होगी? यदि समिति और अदालत के अलग-अलग निर्णय सामने आते हैं, तो फिर युवा अभ्यर्थी क्या करेंगे? जो परीक्षा में सफल रहे हैं, क्या वे डॉक्टरी की पढ़ाई शुरू नहीं कर सकेंगे, यह बहुत अहम सवाल है। एनटीए के अस्तित्व और आंतरिक सुधारों के अलावा, कई और सवाल पैदा हो गए हैं। निश्चित तौर पर यह मोदी सरकार के लिए गंभीर चुनौती है। यह राजनीतिक विवाद भी बन गया है और प्रतिपक्षी नेता शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा मांग रहे हैं। बहरहाल विशेष समिति का काम नौकरशाही किस्म का नहीं होना चाहिए, क्योंकि उससे व्यवस्था को छिद्रों से मुक्त नहीं किया जा सकेगा।

नीट प्रकरण के अलावा, यूजीसी नेट, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) और नीट-पीजी परीक्षाएं भी रद्द या स्थगित की गई हैं। इस तरह 37 लाख से अधिक युवाओं के भविष्य घोर अनिश्चित हो गए हैं। यह कोई सामान्य बात नहीं है। आखिर वे युवा कब तक परीक्षाएं देते रहेंगे? उम्र भी फिसल रही है, लिहाजा नौकरी की भी अनिवार्यता है। इन बर्बादियों का सवाल और आरोप एनटीए पर ही क्यों है? यह केंद्र सरकार को भी सोचना चाहिए और एनटीए को खंगालना चाहिए। एनटीए की प्रक्रिया, परीक्षा-प्रणाली, आउटसोर्स की मजबूरी, विशेषज्ञता के अभाव और मूल में भ्रष्टाचार आदि ऐसे बुनियादी कारण हैं कि इस संस्थान को ही समाप्त करने की मांगें की जा रही हैं। युवाओं के विरोध-प्रदर्शन इतने उग्र और व्यापक हो गए हैं कि एनटीए के महानिदेशक सुबोध कुमार सिंह को हटा कर एक सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी प्रदीप सिंह खरोला को इस पद का दायित्व सौंपना पड़ा है। परीक्षा-प्रणाली और उसके ईमानदार, पेशेवर तंत्र को आईएएस लॉबी के हवाले करना कोई सार्थक समाधान नहीं है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने एक विशेष समिति का गठन किया है।

अंग्रेजी सरकार के खिलाफ भारतीयों के गुस्से के तार्किक इजहार के लक्ष्य से स्थापित कांग्रेस उन्हीं की प्रतिनिधि पार्टी बन जाएगी

कांग्रेस की हालत सुधरी, लेकिन इतिहास रचने से रह गई

उमेश चतुर्वेदी

स्वाधीनता आंदोलन की प्रतिनिधि माने जाते रहे राजनीतिक दल का शीर्ष नेतृत्व इस तरह खुश हो रहा है, मानो उसने बड़ा तमगा हासिल कर लिया हो। लेकिन क्या यह कामयाबी इतनी बड़ी है कि पार्टी को इसकी खुशी में झूमना चाहिए? देश पर सबसे ज्यादा और तकरीबन सभी राज्यों में सबसे अधिक वक्त तक जिस पार्टी की सरकार रही हो, क्या उसके लिए यह जीत बड़ी मानी जा सकती है? 1885 में एओ ह्यूम ने कांग्रेस की स्थापना यह सोचकर नहीं की थी कि आने वाले दिनों में वह उनकी ही नस्ल के शासन के खिलाफ उठ खड़ी होगी, बल्कि भारतीय आजादी की मांग के साथ हुंकार भरने लगेगी।

सोलहवीं और सत्रहवीं लोकसभा के चुनाव नतीजों की तुलना में देखें तो अठारहवीं लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की 99 सीटों पर जीत बड़ी कही जा सकती है। इस पर कांग्रेस नेताओं का इतराना स्वाभाविक भी है। स्वाधीनता आंदोलन की प्रतिनिधि माने जाते रहे राजनीतिक दल का शीर्ष नेतृत्व इस तरह खुश हो रहा है, मानो उसने बड़ा तमगा हासिल कर लिया हो। लेकिन क्या यह कामयाबी इतनी बड़ी है कि पार्टी को इसकी खुशी में झूमना चाहिए? देश पर सबसे ज्यादा और तकरीबन सभी राज्यों में सबसे अधिक वक्त तक जिस पार्टी की सरकार रही हो, क्या उसके लिए यह जीत बड़ी मानी जा सकती है? 1885 में एओ ह्यूम ने कांग्रेस की स्थापना यह सोचकर नहीं की थी कि आने वाले दिनों में वह उनकी ही नस्ल के शासन के खिलाफ उठ खड़ी होगी, बल्कि भारतीय आजादी की मांग के साथ हुंकार भरने लगेगी। ह्यूम ने यह भी शायद ही सोचा होगा कि अंग्रेजी सरकार के खिलाफ भारतीयों के गुस्से के तार्किक इजहार के लक्ष्य से स्थापित कांग्रेस उन्हीं की प्रतिनिधि पार्टी बन जाएगी। पहले तिलक और बाद में गांधी का स्पर्श पाकर कांग्रेस ने जैसे अपना चोला बदल लिया। इसका फल उसे आजादी के बाद मिला और तीस सालों तक लगातार वह शासन में रही। उसे पहली बार 1977 में झटका लगा। लेकिन वह जल्द ही वापसी करने में कामयाब रही। ऐसे ही अल्पकालिक झटके उसे, 1989 और 1996 में भी लगे। 1998 में लगे झटके के ठीक अगले साल वह वापसी करती दिखी, लेकिन उसी साल हुए चुनावों के बाद पांच साल के लिए बाहर हो गई। कांग्रेस के इतिहास में यह पहला मौका रहा, जब उसे लगातार पांच साल के लिए सत्ता से बाहर रहना पड़ा। 2004 में अल्पमत से ही सही उसने वापसी की और दस साल तक गठबंधन का सरकार चलाया। लेकिन 2014 के चुनावों में उसकी ऐतिहासिक हार हुई और वह महज 44 सीटों पर सिमट गई। देश पर सबसे ज्यादा वक्त शासन करने वाली पार्टी को नेता प्रतिपक्ष तक का पद नहीं मिला और यही स्थिति 2019 में भी रही, बेशक आठ सीटें बढ़ गईं। दिलचस्प यह है कि गांधी-नेहरू परिवार के चश्म-ए-चिराग के हाथों में पूरी कमान थी। इससे पार्टी में निराशा फैलना स्वाभाविक था, जिसे कांग्रेस अध्यक्ष पद से राहुल गांधी के इस्तीफे से चरम अभिव्यक्ति मिली। पांच साल पहले के आम चुनावों की तुलना में 2024 में कांग्रेस को 99 सीटें मिली हैं। दिलचस्प यह है कि इनमें पिछली बार जीती गईं, 13 सीटें शामिल नहीं हैं। क्योंकि तेरह सीटें

कांग्रेस हार चुकी है। फिर भी पार्टी ऐसे उछल रही है, मानो उसने तीन सौ सीटें जीत ली हो। पार्टी कुछ वैसे ही खुश नजर आ रही है, जैसे चार दशक पहले के चुनाव में मिली जीत से प्रसन्न थी। इंदिरा की हत्या की पृष्ठभूमि में हुए 1984 के आम चुनावों में पार्टी को 415 सीटें मिली थीं। 99 सीटों की जीत वाली यह उस कांग्रेस की खुशी है, जिसे आपातकाल के गुस्से के बावजूद 1977 40 प्रतिशत से कुछ ज्यादा वोट और 189 सीटें मिली थीं। जबकि 2024 के चुनावों की तुलना 1977 से हो भी नहीं सकती। कांग्रेस के ही आला नेता राजीव गांधी ने देश को इक्कीसवीं सदी में तरक्की के साथ आगे बढ़ाने का संदेश दिया था। इक्कीसवीं सदी में कूटनीतिक, आर्थिक और सामरिक मोर्चे पर देश काफी आगे बढ़ गया है। लेकिन कांग्रेस सौ सीटों का भी आंकड़ा नहीं छू पाई और उछल रही है। कांग्रेस से जुड़े आंकड़ों पर गौर करें तो पता चलेगा कि बुरे से बुरे दिनों में भी पार्टी सौ से ज्यादा संसदीय सीटें कब्जाती रही। 1996, 1998, 1999 और 2004 के चुनाव ऐसे रहे, जिनमें कांग्रेस दो सौ का आंकड़ा नहीं छू पाई, लेकिन सौ से नीचे भी नहीं गई। 1996 में 140 और 1998 में 141 सीटों पर ही सिमट गया था। पार्टी 1999 और 2004 के आम चुनावों में भी दो सौ की सीट संख्या को पार नहीं कर पाई। उसे क्रमशः 114 और 145 सीटें मिलीं। यह बात और है कि 2004 में बीजेपी उससे छह सीटें कम जीत सकी, इसलिए पार्टी को सरकार बनाने का मौका मिल गया। लेकिन अगले आम चुनाव में पार्टी ने ठीकठाक उछाल मारा और 206 सीटों पर पहुंच गई। तब से तीन चुनाव हो चुके हैं और वह सौ का आंकड़ा तक नहीं छू पाई है। चुनावी अभियान में जुबानी जंग होती रही है। लेकिन चुनाव बीतते ही उसे भुला दिया जाता है। लेकिन कांग्रेस की अकड़ देखिए। पार्टी अपने से करीब ढाई गुनी ज्यादा सीट जीतने वाली बीजेपी को नैतिक रूप से हारी हुई पार्टी बता रही है। जयराम रमेश कह चुके हैं कि पार्टी नैतिक और राजनीतिक रूप से चुनाव हार चुकी है। पार्टी की जुबानी खराश चुनाव बाद भी दूर होती नजर नहीं आ रही। नई सरकारें बनने के बाद विपक्ष की ओर से भी औपचारिक शुभकामना संदेश देने का चलन रहा है। लेकिन कांग्रेस की ओर से शुभकामनाएं तक नहीं भेजी गई हैं। विपक्षी दलों की ओर से शपथ समारोह में शामिल होने की परंपरा रही है। लेकिन कांग्रेस का आला नेतृत्व इससे दूर रहा। इससे संदेश यह गया कि पार्टी नेतृत्व अकड़ में है। सोशल मीडिया के दौर ने सामाजिक परिदृश्य को दो हिस्सों में साफ बांट दिया है। तटस्थता की अवधारणा कमजोर हुई है। सोशल मीडिया मंच पर वही सफल है, जो या तो पक्ष में है या विपक्ष में। दोनों पक्ष अपने-अपने तरीके से अपने लिए तर्क और कुतर्क गढ़ते रहते हैं। उनके समर्थकों को इससे लेना-देना नहीं कि तर्क है या कुतर्क है। इसी तरह राजनीति भी साफ खांचे में बंट गई है। राजनीति भी कुतर्क को तर्क के मुलम्मे में लपेटकर अपने उन्मादी समर्थकों को और ज्यादा उन्मादी बना रही है। कांग्रेस की ओर से सत्ता पक्ष के लिए कड़वापन इसी प्रवृत्ति का विस्तार लगता है। यह बात और है कि लोकतंत्र में उन्मादी वैचारिकता और सोच की कोई जगह नहीं होती। कांग्रेस के पूरे चुनाव अभियान में भाषायी स्तर नीचे उतरता ही दिखा। प्रधानमंत्री मोदी ने मंगल सूत्र और सांप्रदायिकता की बात की तो उसकी खूब आलोचना हुई। मीडिया के एक हिस्से और विपक्ष ने उस पर खूब सवाल उठाया। लेकिन उसी दौरान राहुल गांधी की भाषा मर्यादा के दायरे से लगातार बाहर जाती दिखी। लेकिन उस पर सवाल नहीं उठा। तब राहुल कहा करते थे कि लिख कर रख लो, मोदी इस बार गया। राहुल यह भी कहते थे कि बीजेपी 180 से आगे नहीं बढ़ेगी। बीजेपी का जो हुआ, वह सामने है। लेकिन राहुल के इस बयान से साफ लग रहा था कि वे बीजेपी को हराने की बजाय उसकी सीटें घटाने के लिए लड़ रहे हैं। तकरीबन समूचे विपक्ष का रवैया भी ऐसा ही रहा। विपक्ष की चुनावी रणनीति और अभियान देखकर ऐसा लगता रहा कि विपक्ष मोदी को हराने नहीं, उनकी ताकत घटाने की लड़ाई लड़ रहा है। सबकी कोशिश यही लग रही थी कि किसी भी तरह से बीजेपी को बहुमत के आंकड़े तक पहुंचने से रोका जाए। कहना न होगा कि विपक्ष अपने इस उद्देश्य में सफल रहा। अगर कांग्रेस का चुनावी लक्ष्य यही था तो उसका खुश होना स्वाभाविक है। निश्चित रूप से वह बीजेपी की सीटें घटाने की लड़ाई में कामयाब रही है।

दृष्टि कोण

स्टार्टअप्स की घर वापसी

हाल ही में, ऐसी खबरें आई हैं कि कई भारतीय स्टार्टअप्स, जो पहले विदेशों में फ्लिप कर गए थे, अब भारत लौट रहे हैं, जिसे हम रिवर्स फ्लिपिंग कहते हैं। किसी भारतीय कंपनी के फ्लिपिंग का मतलब है एक ऐसा लेन-देन जिसमें प्रमोटर किसी विदेशी क्षेत्राधिकार में अपनी कंपनी को पंजीकृत करता है, जिसे फिर भारत में स्टार्टअप कंपनी की होल्डिंग कंपनी बना दिया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय स्टार्टअप का अंतिम स्वामित्व विदेशी क्षेत्राधिकार में चला जाता है। इसलिए रिवर्स फ्लिपिंग का मतलब है कि स्टार्टअप्स जिन्होंने अपनी मालिकाना कंपनियों को विदेशी क्षेत्राधिकार में शामिल किया था, वे स्वामित्व को वापस भारत ला रहे हैं। हम इसे घर वापसी कह सकते हैं। यह वाकई एक अच्छी खबर है। जिन महत्वपूर्ण स्टार्टअप्स ने वापस फ्लिप किया है, उनमें फोनपे और ग्रो शामिल हैं। इनके अलावा, वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली फ्लिपकार्ट ने भी अपनी मूल इकाई को सिंगापुर से फिर से भारत में लाने के लिए बातचीत शुरू की है। जेप्टो और रेजर पे भी वापस फ्लिप करने की कोशिश कर रहे हैं। पाइन लैब्स को भी सिंगापुर स्थित इकाई के विलय के लिए सिंगापुर कोर्ट से मंजूरी मिल चुकी है। फ्लिप करने वालों के पसंदीदा गंतव्य सिंगापुर, मॉरीशस, केमैन आइलैंड और यूनाइटेड किंगडम थे। जबकि भारतीय स्टार्टअप फ्लिपिंग के माध्यम से भारत के विनियामक दायरे से बाहर हो गए थे, उन्होंने अब एक व्यावसायिक रणनीति के रूप में रिवर्स फ्लिपिंग के माध्यम से भारतीय विनियामक ढांचे के तहत आना चुना है। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण बदलाव है, जिसके कारणों और प्रभावों को समझने की

आवश्यकता है। गौरतलब है कि फ्लिप करने वाले स्टार्टअप वो हैं जिनके प्रमोटर भारत से हैं और उन्होंने भारतीय संसाधनों और सरकारी सहायता से अपना कारोबार खड़ा किया। भारतीय स्टार्टअप क्यों फ्लिप कर गए : फ्लिप करने का पहला कारण यह है कि वे भारतीय नियामक प्रणाली, भारतीय कर कानूनों और भारतीय अधिकारियों की जांच से बचना चाहते थे। दूसरा कारण यह है कि विभिन्न अंतरराष्ट्रीय निवेशक उन कंपनियों को विदेश में फ्लिप करने के लिए मजबूर करते हैं जहां वे अपना पैसा लगाते हैं। ज्यादातर, वे इन स्टार्टअप में निवेश करने से पहले इसे एक पूर्व शर्त के रूप में रखते हैं और चाहते हैं कि इन स्टार्टअप का डेटा और बौद्धिक संपदा विदेश में हो। तीसरा, अमेरिका, सिंगापुर जैसे कई देशों ने स्टार्टअप और निवेशकों को आकर्षित करने के लिए कई अनुकूल नीतियां बनाई हैं, जैसे कि कॉर्पोरेट टैक्स की कम दर, स्थिर जीएसटी, शून्य पूंजीगत लाभ कर दर, दोहरे कर से बचाव संधियां आदि। चौथा, ये स्टार्टअप अपने शेयरों को विदेश में सूचीबद्ध करना चाहते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि अभिनव विचारों को बेहतर मूल्यांकन मिलता है। स्पेशल पर्पस एक्विजिशन कंपनी (एसपीएसी) एक ऐसा मॉडल है जिसने कई स्टार्टअप को अपनी होलेंडिग कंपनियों को अमेरिका में सूचीबद्ध करने के लिए आकर्षित किया है। अंतिम कारण है कि, कराधान के मामले में भारतीय घरेलू निवेशकों के लिए समान अवसर की कमी थी, जिसके कारण विदेशी निवेशकों ने भारतीय निवेशकों की तुलना में ज्यादा लाभ उठाया। फ्लिपिंग के क्या हैं नुकसान : भारत से कंपनियों के फ्लिपिंग का पहला और सबसे बड़ा नुकसान संपत्ति और आय पैदा करने वाली संपत्ति का है। जब कोई भारतीय कंपनी विदेशी क्षेत्राधिकार में शामिल किसी कंपनी की सहायक कंपनी बन जाती है, या दूसरे शब्दों में, एक विदेशी कंपनी बन जाती है, तो सरकार न केवल पूंजीगत लाभ कर राजस्व का अवसर खो देती है, बल्कि स्टॉक एक्सचेंजों पर कंपनी की लिसंटिग से संभावित पूंजी निर्माण से भी वंचित हो जाती है। दूसरा, देश की बौद्धिक संपदा विदेशी देशों को हस्तांतरित हो जाती है और डेटा पर अधिकार भी विदेशियों को मिल जाता है।

कुछ अलग

लीदतंत्र...

आजादी के अमृत काल में लोकतंत्र कब लीकतंत्र हुआ, पता ही नहीं चला। जब तक होश आई, तब तक लीकेज की वजह से यत्र तत्र सर्वत्र इतनी लीद फैल चुकी थी कि उसे लीदतंत्र कहना ही बेहतर लगा। पर इतनी सड़ान्ध के बावजूद हम सांस ले रहे हैं और केवल सांस ही नहीं ले रहे हैं, लीद करने वालों पर बलिहारी हुए जा रहे हैं। भारत के वर्तमान में हर बुरे के लिए जिम्मेदार नेहरू लोकतंत्र को स्थापित करने और उसके मूल्यों के संवर्धन और संरक्षण में व्यस्त रहे। लिहाजा उन्हें लीद करने का समय नहीं मिला। बाबा नागार्जुन की इंदु ने आपातकाल के अढाई साल में जो लीद फैलाई थी, वह उसके पहाड़ सरीखे कामों को माटी के छोटे टीले में बदल गई। उसके बाद की सरकारों ने काम भी किया, लीद भी फैलाई। लेकिन जो मजा आजकल लीद करने और फैलाने में आ रहा है, उसने तमाम पिछली सरकारों को बौना बना दिया है। यह देश में फैल रही नई लीद का ही परिणाम है कि जब लगभग हर हफ्ते कश्मीर में उग्रवादी हमले और पेपर लीक हो रहे हैं, तो विश्व गुरू रोड शो करने और हवाखोरी के मजे लेते हुए नीरो को शर्मिन्दा कर रहे हैं। गोधरा की लीद की सड़ान्ध आज भी देश में उसी तरह व्याप्त है, जैसे चमन में खिले गुलाबों की सुगन्ध अपने आप चारों दिशाओं में फैल जाती है। कथित लौह पुरुष गोधरा की लीद में ऐसे डूबे कि मार्गदर्शक मंडल में जाकर ही उबरे। मामा जी के मध्यप्रदेश का व्यापम घोटाला पूरे देश में फैल चुका है। परीक्षाओं के पेपर लीक होने और उससे निपटने के लिए अगर सरकार चाहे तो मेरे पास एक बहुमूल्य सुझाव है। चूंकि दैव कृपा से अब मामा जी दिल्ली दरबार की शोभा बढ़ा रहे हैं, सरकार उन्हें देश भर में लीक हो रहे प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के घोटाले निपटाने का अतिरिक्त कार्यभार सौंप सकती है। सरकार चाहे तो नया मंत्रालय भी खोल सकती है। उन्हें मध्य प्रदेश के व्यापम घोटाले से निपटने का बेहतर अनुभव है। पेपर लीक मामलों में शामिल कडियों को जोडने की बजाय उन्हें तोडना ज्यादा सुरक्षित रहता है। व्यापम में लीक से जुड़े पैंतीस-चालीस आदमियों का राम नाम सत्य करने से अगर मध्य प्रदेश सरकार अपनी नाक बचा सकती है, तो मामा जी के अनुभव का फायदा उठाकर नेशनल टेस्टिंग एजेंसी केन्द्र सरकार की लम्बी सी नाक क्यों नहीं बचा सकती है। नीट पेपर लीक मामले में जो लीद एनटीए और केन्द्रीय शिक्षा मंत्री ने की है, उसके लिए सत्ताधारी दल के लोग कांग्रेस को दोषी ठहरा रहे हैं। लेकिन सत्ताधारी दल की लीद यहां तक ही नहीं रुकी। उसके तीन वेदों को जानने वाले नकचढ़े प्रवक्ता विपक्ष में बैठी कांग्रेस से सवाल कर रहे हैं कि उसने अभी तक अपने मेनिफेस्टो में किए वायदों के मुताबिक लोगों को राहत देना क्यों शुरू नहीं किया है। शिक्षा के क्षेत्र में फैली लीद का पता नई केन्द्रीय महिला और बाल विकास राज्य मंत्री द्वारा दीवार पर लिखे गए, 'बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ' कार्यक्रम का नारा लिखने से चलता है। हो सकता है कि इस राज्यमंत्री ने भी एंटायर टैन प्लस टू की परीक्षा पास की होगी। तभी बेटी अब बेढी और पढ़ाओ, पडाओ हो चुका है। लेकिन शिक्षा ही क्यों, यह हर क्षेत्र में फेरी गई लीद का परिणाम है कि संवैधानिक संस्थाओं में चारों तरफ लीद की सड़ान्ध घर कर गई है। न किसी को संविधान की फिक्र है और न परम्पराओं की। बिना किसी औपचारिकता को पूर्ण किए राष्ट्रपति प्रधानमंत्री को शपथ दिलवा सकती हैं। न्यायाधीश लीद करने वालों के कहने पर किसी को जमानत देने से इंकार कर सकते हैं। ईवीएम की लीद पर सवाल करने पर मुख्य चुनाव आयुक्त किसी ट्रक पर लिखी गई घटिया शायरी की तर्ज पर तुकबंदी कर सकते हैं। कुछ दिन पहले बने पुल या उनके रैम्प इस तरह दरक सकते हैं, मानो उनमें सीमेन्ट नहीं लीद डाली गई हो।

देश दुनीया से

लोकतंत्र को खत्म करने का कुत्सित प्रयास

गरीबी हटाओ के खोखले नारों से 1971 के लोकसभा चुनाव में विजयी रहने के बाद, देश में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारण गुजरात में चिमनभाई पटेल की सरकार के विरुद्ध युवाओं द्वारा छेड़े गए ''नवनिर्माण आन्दोलन'' से सत्ताधारी दल व व्यवस्था की चूलें हिल गई थी, जिसके परिणामस्वरूप विधानसभा के चुनाव कांग्रेस हार गई। इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के लोकसभा चुनाव के समय की गई अनियमितताओं तथा चुनाव जीतने के लिए अपनाए गए भ्रष्ट तरीकों के कारण समाजवादी नेता श्री राजनारायण जी द्वारा दायर चुनाव याचिका को स्वीकार कर श्रीमती इंदिरा गांधी को छह वर्ष के लिए चुनाव लडऩे से अयोग्य करार दे दिया गया था।

जब सारा देश आपातकाल के नाम पर लोकतन्त्र की नृशंस हत्या कर गुलामी की जंजीरों में जकड़ा जा रहा था। गरीबी हटाओ के खोखले नारों से 1971 के लोकसभा चुनाव में विजयी रहने के बाद, देश में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारण गुजरात में चिमनभाई पटेल की सरकार के विरुद्ध युवाओं द्वारा छेड़े गए ''नवनिर्माण आन्दोलन'' से सत्ताधारी दल व व्यवस्था की चूलें हिल गई थी, जिसके परिणामस्वरूप विधानसभा के चुनाव कांग्रेस हार गई। इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के लोकसभा चुनाव के समय की गई अनियमितताओं तथा चुनाव जीतने के लिए अपनाए गए भ्रष्ट तरीकों के कारण समाजवादी नेता श्री राजनारायण जी द्वारा दायर चुनाव याचिका को स्वीकार कर श्रीमती इंदिरा गांधी को छह वर्ष के लिए चुनाव लडने से अयोग्य करार दे दिया गया था। गुजरात के नवनिर्माण आन्दोलन की तर्ज पर बिहार में अब्दुल गफ्फार की सरकार के विरुद्ध छात्र युवा आंदोलन चल रहा था, जिसका नेतृत्व लोकनायक जयप्रकाश नारायण को सौंपा गया तथा आंदोलन सारे देश में समग्र क्रांति आन्दोलन के रूप में फैल गया। इन सभी घटनाओं के कारण श्रीमती इंदिरा गांधी ने देश में लोकतंत्र का गला घोंट कर जनता को मौलिक अधिकारों से वंचित कर दिया। राजनीतिक दलों के नेताओं व कार्यकर्ताओं को मीसा में जेल के सींखचों के पीछे डाल दिया गया। कचहरियों को किसी सुनवाई का अधिकार नहीं था। ''न अपील, न वकील, न दलील'', इमरजेंसी का मूल मंत्र था। आजादी की लड़ाई के समय अंग्रेजों द्वारा रौलेट एक्ट जैसे कानून बनाए गए थे। उनसे ज्यादा अलोकतांत्रिक, फासीवादी कानून बना कर प्रेस का गला घोंटा गया। अखबार में छपने वाला एक-एक शब्द सरकारी अधिकारी की मंजूरी के बिना छप नहीं सकता था। कांग्रेस के बाबू जगजीवन राम तथा श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा जैसे नेताओं की जुबान भी बंद कर दी गई थी। कांग्रेस के युवा तुर्क नेताओं श्री चंद्रशेखर, श्री मोहनधारिया तथा श्री कृष्णकांत जैसे नेताओं, जनसंघ के श्री अटल बिहारी वाजपेयी और श्री लालकृष्ण आडवाणी, स्वतंत्र पार्टी, समाजवादी पार्टी, लोकदल तथा सीपीआई (एम.) के नेताओं को भी बंदी बना लिया गया था। हजारों-लाखों लोकतंत्र चाहने वाले व 19 महीने जेल के सींखचों के पीछे रहे तथा लाखों कार्यकर्ताओं को पुलिस के अत्याचार का शिकार होना पड़ा। परिवार नियोजन के नाम पर जबरन नसबंदी की गई। 2024 के लोकसभा चुनाव में संविधान बदलने का झूठा प्रचार करने वाले नेताओं की दादी तथा उनकी पार्टी कांग्रेस ने 42वां संविधान संशोधन पारित कर डा. अम्बेडकर द्वारा बनाए संविधान की आत्मा को कुचल कर रख दिया। न्यायपालिका तक का मुंह बंद करने का प्रयास किया, जिसके परिणामस्वरूप सुप्रीम कोर्ट के तीन वरिष्ठतम न्यायधीशों ने पद त्याग दिया। कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष देवकांत बरुआ द्वारा ''इंदिरा इज इण्डिया और इण्डिया इज इंदिरा'' जैसे नारे लगाए गए। लोकनायक जय प्रकाश नारायण सरीखे वरिष्ठ स्वतंत्रता सेनानियों पर अपनी कुर्सी को बचाने की चाह में अमानुषिक अत्याचार किए गए। आपातकाल कांग्रेस और नेहरु-गांधी परिवार की तानाशाही प्रवृत्ति का जीवन्त उदाहरण है। लोकतंत्र बहाली की लड़ाई में हजारों-लाखों लोग स्वर्गसिधार गए, अपंग हो गए तथा व्यावसायिक दृष्टि से समाप्त हो गए। आपातकाल के 21 महीने कांग्रेस तथा गांधी-नेहरु परिवार की तानाशाही प्रवृत्ति का जीता जागता उदाहरण है। संविधान बदलने की झूठी बात करने वाली पार्टी और परिवार ने संविधान की आत्मा कही जाने वाली 'प्रस्तावना' (प्रींबल) तक को नहीं छोड़ा। उसमें भी आपातकाल में किए गए 42वें संविधान संशोधन द्वारा नए शब्द जोड़े गए। जनता के मौलिक अधिकार समाप्त कर दिए गए थे। निर्धन आदिवासी तथा दलित समुदाय में युवाओं की जबरन नसबन्दी की गई। दिल्ली के तुर्कमैन क्षेत्र से लगभग सात लाख गरीब लोगों को बेघर कर दिया गया था। कांग्रेस की तानाशाही प्रवृत्ति का परिणाम है कि विरोधी दलों की राज्य सरकारों को अनुच्छेद 356 के अन्तर्गत भंग कर दिया गया। लोकतंत्र भारतवासियों की नस-नस में व्याप्त है। अमानुषिक अत्याचारों के बावजूद 1977 में पहला अवसर मिलते ही श्रीमती इंदिरा गांधी और श्री संजय गांधी को रायबरेली तथा अमेठी सहित अटक से कटक तक कांग्रेस का सफाया कर दिया। लाखों लोकतंत्र प्रहरियों ने संघर्ष करके देश को पुनः बाबा साहेब अम्बेडकर जी के संविधान को बहाल करने में सफलता प्राप्त की और देश आज भी दुनिया का सबसे बड़ा और सफल लोकतंत्र है तथा विश्वगुरु बनने और विकसित भारत बनने की ओर अग्रसर है। भारतीय इतिहास में इमरजेंसी एक काला अध्याय है। इसने लोकतंत्र को खत्म कर दिया था, लेकिन जागरूक जनता ने प्रजातंत्र को बहाल कराया और यह आज भी फल-फूल रहा है।

आप का नजरीया

उपचुनावों की जद में

किस कद्र सिरहन पैदा करते हैं उपचुनाव, हर सुर्खी का इंतखाब अब इंतकाम है। तीन निर्दलीयों के उपचुनाव का भय यह कि अगर तसल्ली न हुई तो फिर नए शेर अखाड़े में आएंगे। लोकतंत्र के न्यायाधीश अलग होते हैं, मतदान की किफायत में कहां दलील होती है। हिमाचल का मतदाता कहां चाहता था कि पहले छह और अब तीन उपचुनावों की लू में साथ निभाए, लेकिन बरसात की उम्मीद में लोकतंत्र का खेत तो बचाना है। कौन आएगा, कौन पिछड़ जाएगा, इससे कहीं दूर चुनावी मंतव्य की शेखियां फलक पर हैं और लगता है दो प्रमुख दलों के हाशियों के बीच मतदाता रगड़ खा रहा है। कोई छह सीपीएस मामले में एक और उपचुनाव की धमकी दे रहा है, तो कोई नौ विधायकों की लंबित याचिका पर उपचुनाव की घुडक़ी दे रहा है। हमने पहले ही इन्हीं कालमों में सचेत किया है कि हिमाचल अब राजनीतिक अस्थिरता के मुहाने पर खड़ा है। एक दो और गलत कदम हमें अस्थिर राजनीति की गिरफ्त में ऐसा फंसा देंगे कि फिर सिर्फ चुनाव, उपचुनाव या विधायकों के आसन बदलेंगे। इससे पहले स्थानीय निकायों तक ही यह खेल जारी था, लेकिन अब न चुनाव के मुद्दे और न ही मकसद बचा। यह विपक्ष और सत्ता के चरित्र की बात नहीं, बल्कि समाज की असमर्थता भी है। समाज अपने भीतर का जो पक्ष सियासी नेतृत्व को सौंप रहा है, उससे और क्या उम्मीद की जाए। ऐसे में चुनाव का प्रचार, प्रकार, प्रकरण, प्रपंच और परिस्थितियां भयभीत तो करेंगी ही और अगर जिस भाषा में अगले उपचुनावों की आशंका को उकेरा जा रहा है, उसे ध्यान में रखकर मतदान किया जाए, तो शायद ही कोई जीतेगा। यह मुकाबला भाषा का है, तो सियासत का अहंकार समाज में होने के अर्थ बदल रहा है। लोकतांत्रिक आस्था और जवाबदेही बदल रहा है। हर बार गोल पोस्ट बदल रहा है। क्या वाकई नौ विधायक अब खेत जाएंगे या संविधान की पोथी में इस व्यवहार की कोई परिणति नहीं। क्या छह मुख्य संसदीय सचिवों की कुर्सी और सीट जाएगी या वक्त पर चढ़ी संशय की आकाश बेल सूख जाएगी। क्या अब मतदाता यह गिनना शुरू करे कि अगले पंद्रह विधानसभा क्षेत्र उपचुनाव की जद में आ जाएंगे। मतदाता लोकतांत्रिक राहत और विश्वास में अपना और राज्य का भविष्य देखता है। कसूर छह जमा तीन उपचुनावों में धकेले गए घटनाक्रम का भी कम नहीं। अब तो कहां से शुरू और कहां खत्म करें से भी आगे निकल कर भी अगर सियासी गुरूर आगामी 'उपचुनावों' के धनुष वाण लिए खड़ा है, तो हिमाचल के राजनीतिक पतन से कोई नहीं बचा सकता। आश्चर्य यह कि हर चुनाव और उपचुनाव की बागडोर ऐसे माहौल में तैयार होती है, जहां विद्वेष, नफरत और चारित्रिक गिरावट का कूड़ेदान फैसला करता है। आखिर कब हम 'युवा हिमाचल' को संबोधित करेंगे। उन लोगों का सम्मान करेंगे जो राष्ट्रीय फलक पर उपलब्धियों का सेहरा पहनते हैं। देश में आज भी प्रतिष्ठित डाक्टर, इंजीनियर, आईटी प्रोफेशनल और सर्विस क्षेत्र में हिमाचली युवा नाम कमा रहे हैं, लेकिन उनसे अलग राजनीतिक और चुनाव की दुनिया बेरोजगार युवाओं को प्रचार से सहला रही है।

रूसी मीडिया का दावा : अगले महीने रूस का दौरा करेंगे पीएम मोदी, राष्ट्रपति पुतिन के साथ होगी बैठक

मॉस्को।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगामी मॉस्को दौरे की भारत और रूस योजना बना रहे हैं। रॉयटर्स ने रूसी समाचार एजेंसी आरआईए के हवाले से मंगलवार को यह जानकारी दी। आरआईए के मुताबिक, एक राजनयिक सूत्र ने संकेत दिया कि पीएम मोदी जुलाई में रूस का दौरा करने वाले हैं। क्रेमलिन ने इससे पहले मार्च में घोषणा की थी कि मोदी को रूस आने का निमंत्रण मिला है। सूत्र ने इस बात की भी पुष्टि की कि पीएम मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच एक बैठक होने वाली है।

पुतिन ने राष्ट्रपति तो मोदी ने पीएम के रूप में ली शपथ

पुतिन ने इस साल मई में लगातार पांचवीं बार रूस के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। जबकि मोदी ने नौ जून को लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। इससे पहले रूसी राष्ट्रपति ने एक बयान में आम चुनाव में भाजपा की जीत पर पीएम मोदी को बधाई दी थी।

यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पहला दौरा होगा

अगर प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा होती है तो यह 2019 के बाद से और यूक्रेन युद्ध की शुरुआत के बाद बाद उनकी पहली रूस यात्रा होगी। राष्ट्रपति पुतिन आखिरी बार वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन के लिए 2021 में नई दिल्ली आए थे। बीते दो वर्षों से यह वार्षिक सम्मेलन आयोजित नहीं किया गया है। पीएम मोदी आखिरी बार 16 सितंबर 2022 को उज्बेकिस्तान के समरकंद में शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन के मौके पर पुतिन से मिले थे। तब उन्होंने यूक्रेन युद्ध का समाधान निकालने के लिए बातचीत और कूटनीति का रास्ता अपनाने की सलाह दी थी।

भारत ने नहीं की रूस की सार्वजनिक आलोचना

अमेरिका और अन्य प्रमुख पश्चिमी देशों के साथ बढ़ते रणनीतिक और सुरक्षा संबंधों के बावजूद भारत ने यूक्रेन पर रूस के आक्रम की सार्वजनिक रूप से आलोचना नहीं की है। भारत ने अमेरिका के शुरुआती दबाव के बावजूद रूसी कच्चे तेल की खरीद बढ़ा दी थी। इसके साथ ही भारत ने कहा था कि घरेलू उर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए इस तरह का कदम उठाना जरूरत है। हालांकि, भारत ने यूक्रेन युद्ध में शत्रुता को खत्म करने और स्थायी समाधान ढूंढने के लिए बातचीत और कूटनीति के रास्ते पर लौटने की बार-बार पैरोकारी की है।

न्यूज ब्रीफ

श्रीलंकाई नौसेना ने चलाया अभियान, 10 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया, एक श्रीलंकाई नाविक की मौत

कोलंबो। श्रीलंका के जलक्षेत्र में कथित रूप से मछली पकड़ने वाले एक ट्रॉलर को जब्त करने के लिए द्वीप राष्ट्र के अधिकारियों ने अभियान शुरू किया था। जिसमें 10 मछुआरों को गिरफ्तार किया गया, वहीं इस दौरान एक श्रीलंकाई नौसैनिक नाविक की मौत हो गई। मछुआरों का मुद्दा भारत और श्रीलंका के बीच संबंधों में एक विवादास्पद मुद्दा है। जिसमें श्रीलंकाई नौसेना के जवान कभी-कभी पाक जलडमरूमध्य में भारतीय मछुआरों पर गोलीबारी भी करते रहते हैं। अवैध रूप से श्रीलंका के जलक्षेत्र में प्रवेश करने के पर मछुआरों की नावों को भी जब्त कर ली जाती है। इनमें से अधिकांश घटनाएं पाक जलडमरूमध्य में होती हैं, जो तमिलनाडु को श्रीलंका के उत्तरी सिरे से अलग करने वाली पानी की एक संकरी पट्टी है, जो दोनों देशों के मछुआरों के लिए मछली पकड़ने का एक समृद्ध क्षेत्र है। हाल ही में श्रीलंका की नौसेना ने 18 मछुआरों को गिरफ्तार किया था। साथ ही उनकी नौका भी जब्त कर ली थी। उसके बाद द्वीप राष्ट्र के अधिकारियों ने अभियान शुरू किया। जिसमें वे श्रीलंका के जलक्षेत्र में अवैध मछली पकड़ने वाले एक ट्रॉलर को जब्त करना चाहते थे। मंगलवार को यह अभियान शुरू किया। नौसेना प्रवक्ता कैप्टन गयान विक्रमसूर्या ने बताया कि यह अभियान मंगलवार को उत्तरी जाफना में डेल्फ़्ट द्वीप के तट पर शुरू किया गया था। श्रीलंकाई नौसेना को सूचना मिली कि कुछ मछुआरों के साथ एक भारतीय श्रीलंकाई जलक्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ रहा है। उन्होंने बताया, "नौसेना ने श्रीलंकाई जलक्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ रहे एक भारतीय ट्रॉलर और मछुआरों को पकड़ने के लिए अभियान शुरू किया। हालांकि, अभियान के दौरान एक श्रीलंकाई नाविक को भारतीय ट्रॉलर में लोहे की छड़ से सीने में चोट लग गई और उसकी मौत हो गई।" इस अभियान में श्रीलंकाई नौसेना ने ट्रॉलर को जब्त कर लिया और उसमें सवार 10 भारतीयों को गिरफ्तार कर लिया।

निज्जर को संसद में सम्मान देने के विरोध में उतरे कनाडाई सांसद चरमपंथ बढ़ने की आशंका

ओटावा। कनाडा के एक सांसद ने खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की याद में सांसदों द्वारा मौन रखने के फैसले की कड़ी आलोचना की है और इस मुद्दे पर अपनी ही सरकार को घेरा है। कनाडा की नेपियन सीट से सांसद भारतीय मूल के चंद्र आर्य ने कहा कि जांच में खुलासा हुआ है कि निज्जर का संबंध चरमपंथियों से था, ऐसे में उसकी याद में संसद में मौन रखने के सरकार के फैसले पर निराशा जाहिर की। कनाडाई मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, चंद्र आर्य ने कहा, 'जब संसद में किसी के सम्मान में मौन रखने का फैसला किया जाता है, तो यह बहुत ही खास होता है और कुछ महान कनाडाई लोगों के लिए ऐसा किया जाता है, जिन्होंने अपने जीवन के अधिकांश समय में कनाडाई लोगों की बहुत सेवा की हो। निज्जर ऐसे लोगों में से नहीं हैं।' उन्होंने निज्जर की हत्या को विदेशी सरकार से जोड़ने के 'विश्वसनीय आरोपों' के बावजूद निज्जर को इतना सम्मान देने की आलोचना की। उल्लेखनीय है कि बीती 18 जून को कनाडा की संसद में सभी सांसदों ने निज्जर के लिए मौन रखा। निज्जर की एक साल पहले ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में गुरुद्वारे के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

कूटनीति में महिला दिवस के मौके पर संयुक्त राष्ट्र ने हंसा मेहता को दी श्रद्धांजलि

वॉशिंगटन। युक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष डेनिस फ्रांसिस ने कूटनीति में महिला दिवस के मौके पर

भारत की नारीवादी नेता और राजनयिक हंसा मेहता को श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही मानवाधिकारों के सार्वभौमिक डिक्लेरेशन को आकार देने और उन्हें अधिक समावेशी बनाने में उनकी भूमिका की चर्चा की। हंसा मेहता को मानवता के पर्याय के रूप में पुरुषों के संदर्भ को मनुष्य से बदलने का श्रेय जाता है। संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकारों के सार्वभौमिक डिक्लेरेशन (घोषणा) के अुच्छेद 1 में 'सभी पुरुष स्वतंत्र और समान पैदा होते हैं' के वाक्य की जगह 'सभी मनुष्य स्वतंत्र और समान पैदा होते हैं' बलदने के लिए हंसा मेहता को जाना जाता है। यूएनजीए अध्यक्ष डेनिस फ्रांसिस ने कहा कि 'हंसा मेहता ने इतिहास की बाधाओं को तोड़ा और बहुपक्षवाद को समृद्ध किया।' फ्रांसिस ने भावुक होकर सवाल उठाया कि 'क्या मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा आज वास्तव में सार्वभौमिक होती अगर हंसा मेहता ने इसकी शुरुआती पंक्ति में 'सभी पुरुषों' से बदलकर 'सभी मनुष्य' करने पर जोर नहीं दिया होता?'

चीन ने रचा इतिहास

चांद के सुदूर क्षेत्र से नमूने लेकर लौटा चांग ई-6 अंतरिक्ष

राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने दी बधाई

बीजिंग।
चीन के चांग ई-6 अंतरिक्ष यान मंगलवार को धरती पर वापस आ गया। चांद के जिस क्षेत्र में अभी तक किसी देश ने कदम नहीं रखा, चीन के चांग ई-6 ने ऐसे क्षेत्र से नमूने एकत्र किए और धरती पर वापस आ गया। यह पहला ऐसा अंतरिक्ष यान है, जो चीन के सुदूर क्षेत्र से नमूने लेकर धरती पर वापस लौटा है।

चीन के अंतरिक्ष अन्वेषण में ऐतिहासिक कार्यक्रम

चीन के अंतरिक्ष अन्वेषण में यह एक ऐतिहासिक कार्यक्रम साबित हुआ है। चीन के राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन (सीएनएसए) ने बताया कि यह अभियान पूर्ण रूप से सफल रहा। आगे बताया गया है कि चांग ई-6 को उत्तरी चीन के सिजिवांग में उतारा गया। उधर चीन के प्रधानमंत्री शी जिनपिंग ने चांग ई-6 अभियान की सफलता पर खुशी जताई है। इसी के साथ चीन पहली बार चांद के सुदूर क्षेत्र में पहुंचा और वहां से नमूने एकत्र कर धरती पर ले आया।

चांद की धूल और चट्टानों पर शोध करेंगे वैज्ञानिक

चीन विश्व का एकमात्र देश है, जिसके द्वारा चांद के सुदूर क्षेत्र में कदम अपना अंतरिक्ष यान उतारा गया और वहां मौजूद धूल और चट्टानों के नमूने एकत्र किए। चांग ई-6 के पुनः प्रवेश वाले भाग (Reentry Module) को सिजिवांग से बीजिंग लाया गया है। सीएनएसए ने बताया कि बीजिंग में चांद से एकत्रित किए गए नमूनों को वैज्ञानिकों की टीम को सौंपा जाएगा। इसके बाद इन नमूनों पर शोध किया जाएगा। सीएनएसए ने आगे बताया कि चांग ई-6 चांद से करीब दो किलोग्राम धूल और चट्टानों के नमूने लेकर आया है। चीन के शोधकर्ताओं द्वारा इन नमूनों का परीक्षण किया जाएगा।

अहम जानकारियां मिलेंगी

चांग ई-6 को इस वर्ष 3 मई को चांद पर प्रक्षेपित किया गया था। यह अंतरिक्ष यान 2 जून को चांद के सुदूर क्षेत्र पहुंचा था। 4 जून को इसके द्वारा चांद की धूल और चट्टानों के नमूनों को एकत्रित करना शुरू किया। चीन के इस मिशन को पूरा होने में कुल 13 दिन लगे। चांग ई-6 इस मायने में भी खास है क्योंकि इसने चांद के उस हिस्से पर उतरा है, जो हमेशा पृथ्वी से दूर रहा है और यहां पर कभी भी सूर्य की किरणें नहीं पड़ी हैं। ऐसे में इस क्षेत्र के नमूनों से वैज्ञानिक तौर पर अहम जानकारियां मिलने की उम्मीद है।

चांद पर मानव मिशन भेजेगा

नमूनों के परीक्षण से इस बात का खुलासा हो सकता है कि चंद्रमा का निर्माण कैसे हुआ। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के नेतृत्व में चीन का अंतरिक्ष कार्यक्रम तेजी से आगे बढ़ा है और यह अमेरिका और रूस से मुकाबला करने की कोशिश कर रहा है। अमेरिका ने चेतावनी दी है कि चीन का अंतरिक्ष कार्यक्रम सैन्य उद्देश्यों के लिए हो सकता है। चीन ने वर्ष 2030 तक चांद पर मानव मिशन भेजने का लक्ष्य तय किया है। अमेरिका भी चांद पर साल 2026 में फिर से मानव मिशन भेजने की योजना बना रहा है।

विकीलीक्स संस्थापक जूलियन असांजे ब्रिटिश जेल से रिहा

लंदन।
विकीलीक्स संस्थापक जूलियन असांजे को ब्रिटिश जेल से रिहा कर दिया गया। विकीलीक्स ने सोमवार शाम लंदन के स्टैनस्टेड हवाई अड्डे पर जूलियन असांजे के फ्लाइट में सवार होने का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया है। लंदन के समाचार पत्र द गार्जियन ने अपनी रिपोर्ट में इस घटनाक्रम की विस्तार से चर्चा की है।

सोमवार रात जारी अदालती दस्तावेजों के अनुसार, 52 वर्षीय असांजे अमेरिकी अदालत में अपनी आजादी के बदले में सैन्य रहस्यों को उजागर करने का दोष स्वीकार करने के लिए सहमत हो गए हैं। अमेरिकी के मारियाना द्वीप समूह की अदालत में दायर किए गए दस्तावेज के अनुसार, असांजे राष्ट्रीय रक्षा जानकारी प्राप्त करने और प्रसारित करने की साजिश के एक भी मामले में दोषी ठहराए जाएंगे।

विकीलीक्स ने मंगलवार सुबह ब्रिटिश समयानुसार सूचित किया है कि 'जूलियन असांजे आजाद हैं' और उन्होंने ब्रिटेन छोड़ दिया है। उनके अमेरिकी क्षेत्र में स्थानीय समयानुसार बुधवार सुबह पहुंचने का अनुमान है। जूलियन असांजे पर जासूसी के 17 आरोप और लगभग 15 साल पहले उनकी वेबसाइट पर अमेरिकी दस्तावेजों के प्रकाशन को लेकर कंप्यूटर के दुरुपयोग का एक आरोप था।

अमेरिका से समझौते में जासूसी और इराक युद्ध की जानकारी लीक करने की बात स्वीकारी

ऑस्ट्रेलियाई मूल के असांजे ने सात साल तक लंदन में इक्वाडोर के दूतावास में शरण लेने के बाद पिछले पांच साल ब्रिटेन की जेल में बिताए। अमेरिकी अधिकारी चाहते थे कि असांजे को विकीलीक्स पर हजारों गोपनीय दस्तावेजों को प्रकाशित करके कथित तौर पर लोगों का जीवन खतरे में डालने के लिए मुकदमे का सामना करना पड़े, जबकि बचाव पक्ष के वकीलों ने दलील दी कि असांजे के खिलाफ मामला राजनीति से प्रेरित है।

असांजे को 62 महीने की जेल की सजा सुनाई जाएगी, जो ब्रिटेन की जेल में बिताई गई पांच साल की सजा के आधार पर पूरी मानी जाएगी। इसका मतलब है कि वह अपने मूल देश ऑस्ट्रेलिया लौट सकते हैं।

आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई के निर्देश

पाकिस्तान में लुप्तप्राय फारसी तेंदुआ का शिकार, सात आदिवासियों पर केस

इस्लामाबाद।
पाकिस्तान में बलूचिस्तान के डेरा बुगती जिले में एक लुप्तप्राय फारसी तेंदुए का शिकार करने के आरोप में पुलिस ने सात आदिवासियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। डान समाचार पत्र ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि जिले के जैन इलाके में आदिवासियों ने अपने मवेशियों की रक्षा के लिए तेंदुए को मार डाला।

डेरा बुगती के उपायुक्त इजाज खान ने कहा कि जिला प्रशासन ने वन्यजीव संरक्षण, संरक्षण, संरक्षण और प्रबंधन अधिनियम 2014 के तहत मामला दर्ज किया है और आदिवासियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की है। उन्होंने आदिवासियों को लुप्तप्राय प्रजातियों की रक्षा के बारे में शिक्षित करने के लिए वन्यजीव संगठनों द्वारा जागरुकता अभियान शुरू करने का भी आह्वान किया।

बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने भी घटना का संज्ञान लिया है और अधिकारियों को आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। वन्यजीव प्रेमी उमर वकास ने मारे गए तेंदुआ की पहचान फारसी तेंदुआ (पैंथेरा पार्डस तुलियाना) के रूप में की है। इस प्रजाति के तेंदुओं का आश्रय बलूचिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र सहित ईरानी पठार में है । ये फारसी तेंदुए आमतौर पर 600 से 3,800 मीटर की ऊंचाई पर ऊबड़-खाबड़ खड्डों में रहते हैं। इनकी आबादी करीब 1100 है।

बांग्लादेश का कुख्यात जल्लाद शाहजहां भुइयां नहीं रहा

ढाका।
बांग्लादेश का सबसे कुख्यात जल्लाद शाहजहां भुइयां 74 वर्ष की आयु में दुनिया को छोड़ गया। एक साल पहले ही उसे जेल से रिहा किया गया था। शाहजहां ने बांग्लादेश के सीरियल किलर, युद्ध अपराधों के दोषी विपक्षी नेताओं और तख्तापलट की साजिश रचने वालों को फांसी पर चढ़ा चुका है। जेल से रिहा होने के बाद शाहजहां ने 96 पन्नों की एक किताब भी लिखी। इसमें उसने जल्लाद के रूप में अपने अनुभव को साझा किया। यह किताब बांग्लादेश के सबसे बड़े पुस्तक मेले में बेस्ट सेलर रही। यह जानकारी बांग्लादेश के प्रमुख समाचार पत्र ढाका ट्रिब्यून ने अपनी रिपोर्ट में दी।

ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, बंगबंधु के छह हत्यारों सहित 26 दोषियों को फांसी देने वाले 74 वर्षीय जल्लाद शाहजहां भुइयां को 'जोलाड शाहजहां' के नाम से जाना जाता है। सोमवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे राजधानी ढाका के शहीद सुहरावर्दी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। शेर-ए-बांग्ला नगर थाने के जांच अधिकारी सोजिब डे के अनुसार सीने में दर्द शुरू होने के बाद उसे सुबह करीब साढ़े तीन बजे इस अस्पताल में ले जाया गया था।

शाहजहां भुइयां का जन्म 26 मार्च 1950 को हुआ था। उनके एक भाई और तीन बहनें थीं। इनमें से दो की मृत्यु हो चुकी है। युवावस्था के दौरान लंबा समय जेल में बिताने के बाद वह अविवाहित रहे। हालांकि, अपनी रिहाई के बाद उसने एक युवा महिला से शादी की, लेकिन यह शादी टिक नहीं पाई। इस मामले पर उन्हें कानूनी जटिलताओं का भी सामना करना पड़ा। 31 साल से अधिक समय तक जेल में रहने के बाद शाहजहां को 18 जून, 2023 को रिहा किया गया था। शाहजहां को डकैती, हत्या और शस्त्र अधिनियम के उल्लंघन के दो मामलों में 42 साल जेल की सजा सुनाई गई थी। उसे पहली बार 17 दिसंबर 1991 को गिरफ्तार किया गया था।

ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, शाहजहां का जेल में कैदी नंबर 2589/ए था। उसने अपनी सजा कम करने के लिए जेल अधिकारियों के सामने जल्लाद बनने की इच्छा व्यक्त की थी। उसने नुरुल इस्लाम को गफरगांव में फांसी देकर जल्लाद के रूप में अपना जीवन शुरू किया। इसके बाद शाहजहां को मानिकगंज जिला जेल से ढाका सेंट्रल जेल में स्थानांतरित कर दिया गया। यहां उसे मुख्य जल्लाद का पद दिया गया।

जेल रिकार्ड के अनुसार, जल्लाद शाहजहां ने 26 व्यक्तियों को फांसी दी। इनमें बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान के छह हत्यारे और चार युद्ध अपराधी, कुख्यात अपराधी इरशाद शिकदर, उग्रवादी नेता बंगला भाई और अताउर रहमान सनी, शर्मिन रीमा हत्याकांड के आरोपी खुकु और मोनिर शामिल थे।

हमला 1990 के दशक के अंत और 2000 के दशक की शुरुआत में मुस्लिम बहुल उत्तरी काकेशस में हुई भयावह हिंसा की याद दिलाता है

'दागिस्तान हमले ने रूस में आतंकवाद की आशंका को पुनर्जीवित किया'

मॉस्को।

'दो दिन पहले हुए दागिस्तान हमले ने रूस में आतंकवाद की आशंका को पुनर्जीवित कर दिया है। यह हमला 1990 के दशक के अंत और 2000 के दशक की शुरुआत में मुस्लिम बहुल उत्तरी काकेशस में हुई तीव्र हिंसा की याद दिलाता है।' अमेरिकी समाचार पत्र द न्यूयार्क टाइम्स की रिपोर्ट में अमेलिया नीरेनबर्ग ने यह अभिमत व्यक्त किया है।

अमेलिया नीरेनबर्ग का मानना है कि 'यह हमला 1990 के दशक के अंत और 2000 के दशक की शुरुआत में मुस्लिम बहुल उत्तरी काकेशस में हुई भयावह हिंसा की याद दिलाता है। वह रक्तपात इस्लामी कट्टरवाद और संगठित अपराध के संयोजन के कारण हुआ था। 1999 में सत्ता में आने के बाद इसे दबाना रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के लिए डींगें हांकने का मुख्य मुद्दा बन गया।'

उनका कहना है, 'उस विरासत को अब हिंसा के पुनरुत्थान से खतरा हो रहा है। मार्च में मॉस्को के पास एक कॉन्सर्ट हॉल में चार बंदूकधारियों ने 145 लोगों की हत्या कर दी थी। इस्लामिक स्टेट ने उस हमले की जिम्मेदारी ली थी।

यूक्रेन में युद्ध के कारण उसकी अर्थव्यवस्था और सुरक्षा तंत्र पर प्रभाव पड़ रहा

नीरेनबर्ग ने अपने विश्लेषण में कहा है, 'रविवार को हुए हमले ने उन बढ़ती चुनौतियों पर प्रकाश डाला है जिनका सामना रूस कर रहा है, क्योंकि यूक्रेन में युद्ध के कारण उसकी अर्थव्यवस्था और सुरक्षा तंत्र पर प्रभाव पड़ रहा है।' उल्लेखनीय है कि दक्षिणी रूस के दागिस्तान क्षेत्र में रविवार को हुए समन्वित हमले में कम से कम 20 लोग मारे गए। यह 14 वर्ष में क्षेत्र में सबसे घातक हमला है। रूसी अधिकारियों ने हमले को आतंकवादी कृत्य के रूप में नामित किया है। बंदूकधारियों ने एक पुलिस स्टेशन के साथ आराधनालय और चर्चों को भी निशाना बनाया। मृतकों में से 15 पुलिस अधिकारी और पादरी है। अधिकारियों ने कहा कि सुरक्षा बलों ने पांच हमलावरों को मार गिराया। इस घटना के बाद, इस क्षेत्र में सोमवार, मंगलवार और बुधवार को शोक दिवस घोषित किया गया है।

जमीन मालिक ने हिसाब नहीं किया तो परिवार के तीन सदस्यों ने जहर निगला, मौत

हिसार (हिंस)। निकटवर्ती गांव ढंढूर में परिवार के तीन सदस्यों ने जहर निगलकर आत्महत्या कर ली। एक साथ तीन सदस्यों की इस तरह मौत से गांव में शोक का माहौल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार ढंढूर गांव में मंगलवार को परिवार के तीन सदस्यों की जहर के प्रभाव से मौत की सूचना आई। मरने वालों में दादा, दादी व पौत्र शामिल हैं। मूल रूप से डाबड़ा गांव निवासी मृतक प्रताप पिछले कई वर्षों से ढंढूर गांव में ठेके पर जमीन लेकर खेती करता था। आरोप है कि जिस जमीन पर प्रताप खेती करता था, वह हिसार निवासी किसी व्यक्ति की है। पड़ोसियों का कहना है कि ठेके पर जमीन लेकर खेती करने के बाद भी जब जमीन मालिक ने हिसाब नहीं किया तो परिवार ने परेशान होकर जहर खाने जैसा कदम उठाया है। तीनों को गंभीर हालत में नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया था यहां इलाज के दौरान पहले पौत्र ने दम तोड़ दिया। इसके बाद दादा-दादी की भी मौत हो गई। मृतकों में 65 वर्षीय प्रताप, उसकी पत्नी 60 वर्षीय बिमला व पौत्र नसीब शामिल है। बताया जा रहा है कि प्रताप पूरे खेत संभालता था और बदले में उसे पैदावार का 10वां हिस्सा मिलता था। इससे पूरे परिवार का गुजारा होता था। प्रताप का बेटा नशे का आदी है। इस कारण प्रताप का पोता नसीब, दादा-दादी के पास ही रहता था। प्रताप का बेटा कई दिनों तक नशे के कारण घर नहीं आता था। पूरे परिवार की जिम्मेदारी प्रताप के पर ही थी। नसीब के माता-पिता का कई साल पहले तलाक हो चुका है। इसके बाद पिता ने दूसरी शादी की और वह भी नहीं चल सकी।

आपातकाल भारत के इतिहास में काला अध्याय : कर्नल राज्यवर्धन राठौड़

जयपुर (हिंस)। केबिनेट मंत्री और झोटवाड़ा से भाजपा विधायक कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने मंगलवार को कहा कि भारत के लोकतंत्र का अपमान करते हुए कांग्रेस पार्टी द्वारा 25 जून 1975 को लागू किए गए आपातकाल के विरोध में खड़े होने वाले लोकतंत्र के प्रहरी समस्त राष्ट्रभक्तों को कोटि-कोटि नमन। संविधान को बचाने की लड़ाई में आप सभी द्वारा दिया गया योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि निरंकुश कांग्रेस सरकार ने एक परिवार के सत्ता सुख के लिए 21 महीनों तक देश में सभी प्रकार के नागरिक अधिकार निलंबित कर दिए थे। इस दौरान उन्होंने मीडिया पर सेंसरशिप लगा दी थी, संविधान में बदलाव किए और न्यायालय तक के हाथ बांध दिए थे। 25 जून 1975 को रात के अंधेरे में कांग्रेस की सरकार ने भारत के लोकतंत्र को नष्ट करने का प्रयास किया था। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि डार्क डेज ऑफ इमरजेंसी हमें याद दिलाती है कि कैसे कांग्रेस पार्टी ने बुनियादी स्वतंत्रता को नष्ट कर दिया और भारत के संविधान को कुचल दिया, जिसका हर भारतीय सम्मान करता है। देश में लोकतंत्र की हत्या और उस पर बार-बार आघात करने का कांग्रेस का लंबा इतिहास रहा है। 25 जून, 1975 को कांग्रेस के द्वारा लगाया गया आपातकाल इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। कांग्रेस की आपातकाल वाली मानसिकता आज भी नहीं गई है। आपातकाल के बंदी आज भी यातनाएं नहीं भूले हैं और ना कभी भूल पाएंगे। आपातकाल, एक ऐसा कालखंड जिसने केवल देश ही नहीं बल्कि इसके प्रत्येक नागरिक के सपनों को कुचल दिया था।

मीरवाइज उमर फारूक ने श्रीनगर के बोहरी कदल इलाके का दौरा किया और आग से प्रभावित परिवारों के साथ एकजुटता व्यक्त की

श्रीनगर (हिंस)। कश्मीर के मीरवाइज उमर फारूक ने मंगलवार को श्रीनगर के बोहरी कदल इलाके का दौरा किया और आग से प्रभावित परिवारों के साथ एकजुटता व्यक्त की। इस दौरान उन्होंने ऐतिहासिक बाजार मस्जिद के प्रबंधन के साथ भी मुलाकात की जो इस भीषण आग में राख हो गई। मीरवाइज ने प्रशासन और पुलिस की भूमिका की सराहना की और जलकर खाक हो चुके घरों, शॉपिंग कांप्लेक्स और मस्जिद के पुनर्निर्माण के लिए प्रशासन, व्यापारी वर्ग और युवाओं के सामूहिक प्रयासों का आह्वान किया। मीरवाइज ने मंगलवार को पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि यह देखना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि सोमवार को लगी भीषण आग के कारण भारी तबाही हुई। मीरवाइज ने कहा ऐतिहासिक बाजार मस्जिद को आग के कारण मलबे के ढेर में बदलते देखना चौंकाने वाला और दुखद है। मैंने इलाके के स्थानीय लोगों से बात की और पता चला कि इस घटना में एक शॉपिंग कांप्लेक्स और दर्जनों घर जलकर खाक हो गए। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों ने उन्हें बताया कि पुलिस ने बड़ी भूमिका निभाई और आग बुझाने में दमकलकर्मियों की मदद की। मीरवाइज ने कहा स्थानीय लोगों ने मुझे बताया कि दमकल की गाड़ियां मौके पर देरी से पहुंचीं लेकिन यह प्रशासनिक मामला है। मेरा मानना है कि प्रशासन मस्जिद प्रबंधन, व्यापारी वर्ग, युवा और स्थानीय लोगों को सामूहिक प्रयास के लिए आगे आना चाहिए ताकि खोई हुई संपत्ति को फिर से अच्छे तरीके से बनाया जा सके। उन्होंने प्रभावित परिवारों और दुकानदारों के साथ एकजुटता व्यक्त की। श्रीनगर के डिप्टी कमिश्नर डॉ. बिलाल मोहिदुइन भट और एसएसपी श्रीनगर आशीष मिश्रा देर रात तक बोहरी कदल इलाके में मौजूद थे।

कार्य में लापरवाही तो कार्मिक के खिलाफ होगी अनुशासनात्मक कार्रवाई

झालावाड़ (हिंस)। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत आयुष्मान कार्ड की ई-केवाईसी एवं वितरण जिले की आशा सहयोगिनियां, महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता (एएनएम) एवं सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) के माध्यम से घर-घर जाकर ऑनलाईन एप पीएमजेएवाई पर लॉगइन कर करेंगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. साजिद खान ने बताया कि जिन भी चिकित्सा संस्थानों पर भेजे आयुष्मान कार्ड का वितरण 28 जून तक 50 प्रतिशत तक नही किया जाता है तो उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। साथ ही कार्मिकों की मानदेय अभिवृद्धि रोक ली जाएगी। जिले में वितरित होने वाले आयुष्मान कार्डों का शत-प्रतिशत वितरण एवं छूटे हुए की शत-प्रतिशत ई-केवाईसी करवाना तय करे। जिला कार्यक्रम प्रबन्धक प्रभु लोधा ने बताया कि जिले के सभी चिकित्सा संस्थानों पर पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड का सर्टिफिकेशन समय रहते बनाने, सभी चिकित्सा संस्थानों पर सरकार द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों की समीक्षा मासिक रूप से करते हुये कार्य करने, साथ ही एनसीडी के अंतर्गत सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों पर रोगियों की जांचें, टेली कन्सल्टेन्सी के माध्यम से उपचार करने व भारत सरकार व राज्य सरकार द्वारा दिए गए कार्यों को समय पर करने के भी निर्देश दिए गए हैं। जिले के सभी सीएचओ को कार्य मूल्यांकन के बाद ही इंसेन्टिव देने के निर्देश दिए।

आम आदमी पार्टी के संगठन मंत्री आदर्शपाल ने दिया इस्तीफा

27 जून को थामंगे कांग्रेस का हाथ

यमुनानगर (हिंस)। आम आदमी पार्टी के संगठन मंत्री आदर्श पाल ने अपने पद से इस्तीफा देकर कांग्रेस पार्टी में शामिल होने का ऐलान कर दिया है। 27 जून को अपने सैंकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ दिल्ली में जाकर कांग्रेस पार्टी में शामिल होंगे। मंगलवार को जगाधरी में अपने निवास स्थान पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए आम आदमी पार्टी के संगठन मंत्री आदर्श पाल ने बताया कि उन्होंने आआपा में रहते हुए संगठन को मजबूत करने के लिए बहुत अच्छा काम किया था। वहीं पार्टी ने भी उन्हें बहुत मान सम्मान दिया। लेकिन आज के राजनैतिक हालात को देखते हुए उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की थी, जिसमें यह फैसला किया गया कि भाजपा की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ उसे रोकने के लिए कांग्रेस पार्टी में जाना चाहिए। जिसको लेकर वे 27 जून को सैकड़ो कार्यकर्ताओं के साथ दिल्ली में जाकर कांग्रेस के शीर्ष नेताओं से मिलकर पार्टी में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें टिकट या किसी पद की लालसा नहीं है। लेकिन राजनीति के अंदर इस दौर में भाजपा की तानाशाही और दमनकारी नीतियों के खिलाफ कांग्रेस ही एक मात्र ऐसी पार्टी है जो उसका मुकाबला कर सकती है। इसको लेकर उनके कार्यकर्ता भी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेता उन्हें जो भी जिम्मेदारी सौंपेंगे वह अपनी ईमानदारी और निष्ठा के साथ पार्टी के लिए काम करेंगे। गौरतलब है कि आदर्शपाल ने 2019 में जगाधरी से बसपा से चुनाव लड़ा था और वह तीसरे नंबर पर रहे थे।

बिहार में महागठबंधन सरकार के कार्यकाल में दिए गए पीएचईडी के 826 करोड़ के 350 ठेके रद्द

पटना (हिंस)। बिहार की वर्तमान राजग नीत नीतीश सरकार ने लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) में 826 करोड़ के 350 ठेकों को रद्द कर दिया है, जो राज्य में ग्रामीण क्षेत्रों में पीने के पानी की आपूर्ति के लिए पिछली राजद के नेतृत्व वाली महागठबंधन सरकार के दौरान दिए गए थे। राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन शासन के दौरान पीएचईडी द्वारा कई ठेके दिए गए थे। विभागीय जांच में पता चला कि 826 करोड़ रुपए के 350 ठेके देने में उचित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। ये ग्रामीण जल आपूर्ति से संबंधित थे, जिसमें हैंडपंप और मिनी जल आपूर्ति प्रणालियों की स्थापना शामिल थी। राज्य सरकार में पीएचईडी मंत्री नीरज सिंह ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि विभाग ने गहन जांच के लिए प्रारंभिक जांच रिपोर्ट राज्य सरकार के सक्षम प्राधिकारी को सौंप दी है। रिपोर्ट मिलने के बाद हाल ही में विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की एक बैठक बुलाई गई और बाद में रद्द करने का आदेश जारी किया गया। उन्होंने कहा कि जो भी दोषी पाया जाएगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान : तीस जून को साढ़े तीन से अधिक नौनिहाल गटकेंगे दो बूंद जिंदगी की

जयपुर (हिंस)। जिले में राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान आगामी 30 जून से आयोजित किया जाएगा। 30 जून को पोलियो दिवस पर नवजात से लेकर 5 वर्ष तक के बच्चों को 2059 बूथों पर पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। इसके बाद आगामी दिवसों में घर-घर जाकर दवा पिलाई जाएगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय डॉ. हंसराज भदालिया ने बताया कि राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान में जिले में नवजात से लेकर पांच वर्ष तक के तीन लाख 64 हजार 602 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। 30 जून को पोलियो दिवस पर 2059 बूथों पर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। इसके बाद आगामी दिवसों में घर-घर जाकर दवा पिलाई जाएगी। अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा मॉनिटरिंग की जायेगी। आरसीएचओ डॉ. प्रमिला मीणा बताया कि अभियान के आगामी तीन दिवसों में ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में विभाग की ओर से गठित मोबाइल टीमें घर-घर जाकर खुराक से वचिंत नौनिहालों को पोलियो की खुराक पिलायेगी। अभियान के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए क्षेत्र में 11866 वैक्सीनेटर और 703 सुपरवाइजर नियुक्त किए गए हैं। इसके साथ ही 144 ट्रांजिक्ट टीमें और 500 मोबाईल टीमें कार्य करेंगी। इस प्रकार अभियान में कुल 12569 मैनपावर कार्यरत रहेगा।

भारत विकास परिषद विवेकानंद शाखा के नवनियुक्त पदाधिकारियों ने ली शपथ

हिसार (हिंस)। भारत विकास परिषद विवेकानंद शाखा की नवनियुक्त कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह शहर के अग्रसेन भवन में हुआ। इसमें शाखा के वर्ष 2024-2025 की कार्यकारिणी के सदस्यों ने शपथ ग्रहण की। मंगलवार को आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में डॉ. प्रतिमा गुप्ता मुख्य अतिथि व कृष्ण गोरखपुरिया ने विशिष्ठ अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम में पूर्व मेयर गौतम सरदाना, विभाग संघ संचालक पवन जिंदल, विवेक गोयल, साधुराम जाखड़ व अंकुर गर्ग विशेष रूप से उपस्थित रहे। दायित्व ग्रहण के लिए भाविप जिलाध्यक्ष रामनिवास वर्मा मुख्य रूप से उपस्थित रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता भाविप के राष्ट्रीय सचिव महिपाल यादव ने की। शाखा मीडिया प्रभारी सूर्य गोयल ने बताया की कार्यकारिणी में ऋषिराज बुड़ाकिया ने अध्यक्ष, संजीव गोयल ने सचिव, अजय सिंगला ने कोषाध्यक्ष व रेनू मंगल ने महिला अध्यक्ष के रूप में शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में हिसार की तीन अन्य शाखाओं वीर शाखा, केशव शाखा व चंद्रशेखर आजाद शाखा के पदाधिकारियों की भी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ शाखा की महिला सदस्यों द्वारा स्वागत गीत के साथ हुआ। नित्यम् डांस ग्रुप के माध्यम से बच्चों द्वारा देश भक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुति ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। इस अवसर पर शाखा सचिव ने 2023-2024 की वार्षिक रिपोर्ट सबके समक्ष रखी। इस अवसर पर विवेकानंद शाखा की सदस्यता लेने वाले 22 परिवारों को भी शपथ दिलवाई गई। दायित्व ग्रहण की प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात अध्यख ऋषिराज बुड़ाकिया ने आगामी सत्र में जनसेवा के विभिन्न कार्यों और अधिक उत्साह व तेजी के साथ करने का संकल्प लिया। समारोह में शहर के अनेक गणमान्य लोगों सहित परिषद् परिवार के लगभग 450 सदस्यों ने ड्रेस कोड में भाग लिया।

भाजपा का आपातकाल की याद में कार्यक्रम करना हास्यास्पद : मनोज राठी

हिसार (हिंस)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता मनोज राठी ने भारतीय जनता पार्टी द्वारा आपातकाल की याद में कार्यक्रम करने को हास्यास्पद बताया है। उन्होंने भाजपा को सलाह दी है कि वह कांग्रेस शासन के आपातकाल को याद करने की बजाय अपने शासन में चल रहे आपातकाल की तरफ ध्यान दें। उन्होंने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि वर्तमान में देश में अघोषित आपातकाल चल रहा है और जो कोई सरकार की नाकामी उठाने का प्रयास करता है, उसकी तरफ जांच एजेंसियों का डंडा चला दिया जाता है। कांग्रेस नेता ने जिले की खराब होती कानून व्यवस्था पर भी चिंता जताई और अपराधियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की। भाजपा द्वारा आपातकाल की याद में कार्यक्रम आयोजित करने पर प्रतिक्रिया जताते हुए मनोज राठी ने मंगलवार को कहा कि इससे बड़ा आपातकाल देश में क्या होगा कि एक नेता यदि विपक्ष में है तो उसे बहुत बड़ा भ्रष्टाचारी माना जाता है। वही नेता यदि भाजपा ज्वाइन कर लेता है तो उसके सारे पाप धुल जाते हैं और भाजपा उसके भ्रष्टाचार का जिक्र तक नहीं करती। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों से देश में अघोषित आपातकाल चल रहा है और इसका सबसे बड़ा उदाहरण यही है कि केंद्र सरकार के पहले कार्यकाल में भाजपा के ही कुछ वरिष्ठ नेताओं ने यही बात कही थी लेकिन उन्हें भाजपा ने ऐसा खुड्डे लाइन लगाया कि वे नेता दोबारा उबर भी नहीं पाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन में ऐसा कभी नहीं हुआ कि विपक्ष या जनता में से उठने वाली आवाज को दबाया जाए।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ रक्सौल ने समारोहपूर्वक मनाया हिंदू साम्राज्य दिनोत्सव

पूर्वी चंपारण (हिंस)। जिले के रक्सौल शहर स्थित श्रीसत्यनारायण मारवाड़ी पंचायती मंदिर के सभागार में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ रक्सौल के तत्वावधान में हिंदू साम्राज्य दिनोत्सव समारोहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला समरसता प्रमुख डॉ. नवलकिशोर प्रसाद एवं सह प्रांत संघचालक प्रो. राजकिशोर सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर भारत माता, शिवाजी महाराज, डॉ. हेडगेवार एवं गुरु गोलवलकर जी के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। इसके उपरांत भगवा ध्वज का आरोहण किया गया। मौके पर जिला सामाजिक प्रमुख डॉ. नवल किशोर प्रसाद ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने मुगल आक्रांताओं से हिंदू समाज की रक्षा करने और हिंदुओं को संगठित करने के साथ सन 1670 में जून महीने में हिंदू पद पाद शाही की स्थापना की थी। हम सभी को छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन प्रसंगों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र हित एवं समाज हित में करना चाहिए। सह प्रांत संघ चालक प्रो. राजकिशोर सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ वर्ष में 6 उत्सव मनाता है उनमें एक हिंदू साम्राज्य दिनोत्सव भी है। महापुरुष हमें हर वक्त प्रेरणा देते रहते हैं। हम सभी को शिवाजी महाराज से यह प्रेरणा मिलती है कि व्यक्ति सर्वोपरि नहीं है, राष्ट्र सर्वोपरि है। इस भाव को आत्मसात कर राष्ट्र को सशक्त करने एवं समाज को संगठित करने पर निरंतर कार्य करने की आवश्यकता है। मौके पर जिला कार्यवाह दुर्गेश कुमार,जिला सेवा प्रमुख विकास कुमार, नगर कार्यवाह अमरेन्द्र पांडेय, नगर बौध्दिक प्रमुख इशांत पांडेय, जिला विधालयीन कार्य प्रमुख चैतन्य कुमार, जिला व्यवस्था प्रमुख प्रकाश कुमार, जिला सह संपर्क प्रमुख मुन्ना जी, नगर शारीरिक प्रमुख भरत चौरसिया, नगर व्यवस्था प्रमुख मनोज कुमार,नगर संपर्क सुनील कुमार,नगर सेवा प्रमुख शशि रंजन एवं रजनीश प्रियदर्शी सहित नगर के प्रबुद्ध उपस्थिति रहे।

माता वैष्णो देवी के भक्तों के लिए अब जम्मू हवाई अड्डे से माता वैष्णो देवी धाम के लिए हेलीकॉप्टर सेवा शुरू

जम्मू (हिंस)। माता वैष्णो देवी के भक्तों के लिए अब जम्मू हवाई अड्डे से सीधा माता वैष्णो देवी धाम के लिए हेलीकॉप्टर सेवा शुरू हो गई है। मंगलवार को इस हेलीकॉप्टर की पहली उड़ान भरी गई। जम्मू हवाई अड्डे से दो हेलीकॉप्टर माता वैष्णो देवी धाम में बने सांझी छत के पंछी हेलीपैड पर उतरे। इन दो हेलीकॉप्टर में नौ श्रद्धालुओं माता के दर्शन के लिए पहुंचे। वहीं इस दौरान श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के सीईओ अंशुल गर्ग व अन्य अधिकारियों ने भक्तों का स्वागत किया। उन्हें माता की चुनरी भेंट स्वरूप प्रदान की। भक्तों ने बताया कि वह जम्मू से सीधा माता वैष्णो देवी धाम 10 मिनट में ही पहुंच गए। यह हेलीकॉप्टर सेवा उन तीर्थयात्रियों के अधिक लाभदायक है जो एक दिन में माता के दर्शन कर वापिस लौटना चाहते हैं। इस हेलीकॉप्टर सेवा से भक्तों के समय की बचत होगी। श्रद्धालु श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से हेलीकॉप्टर सेवा की बुकिंग करें और इसके साथ मिल रही सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं। श्राइन बोर्ड की तरफ से अभी जम्मू से वैष्णो देवी धाम के लिए दो पैकेज पेश किए गए हैं। पहला 35 हजार रुपए प्रति व्यक्ति का है जिसमें उसी दिन वापसी होगी। इसे सेम डे रिटर्न यानी एसडीआर पैकेज नाम दिया गया है। दूसरा 60 हजार रुपए प्रति व्यक्ति का पैकेज है जिसमें अगले दिन वापसी होगी। इसे नेक्स्ट डे रिटर्न यानी एनडीआर पैकेज नाम दिया गया है।

कांग्रेस ने संविधान को समाप्त कर सन 1975 में इमरजेंसी लगाई थी : शंकर लाल लोधी

हरदोई (हिंस)। 25 जून 1975 की रात्रि में कांग्रेस द्वारा संविधान की हत्या कर भारत में आपातकाल लागू किया गया। आज उसकी बरसी पर भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर गोष्ठी का आयोजन हुआ तथा जिले भर से आये लोकतंत्र सेनानियों को माला पहना तथा अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में आए जिला प्रभारी शंकर लाल लोधी ने अपने संबोधन में कहा जो कांग्रेस के नेता आज संविधान की किताब दिखाकर तरह-तरह के झूठ पर प्रपंच कर रहे हैं उसी कांग्रेस ने संविधान को समाप्त कर सन 1975 में इमरजेंसी लगाई थी। सबके मौलिक अधिकार समाप्त हो गए थे मीडिया पर सेंसर लगा दिया गया विपक्षी नेताओं को जेल में ठूंस दिया यहां तक की कमिटेड ज्यूडिशरी के नाम पर हाई कोर्ट तथा सुप्रीम कोर्ट को भी डराने का काम किया गया। विडंबना है कि कांग्रेस ने जिन मुलायम सिंह के साथ भी वही दमनकारी व्यवहार किया उनके पुत्र अखिलेश यादव आज अपनी क्षुद्र राजनीति के चलते उसी कांग्रेस के साथ खड़े हैं। यदि अखिलेश यादव में शर्म बाकी हो तो उन्हें भी आज कांग्रेस की तानाशाही एवं लोकतंत्र की हत्या कर आपातकाल लगाने का जवाब मांगना चाहिए वह कुछ ना कर सके तो कम से कम अपने पिता के ऊपर किए गए अत्याचारों पर आवश्यक प्रश्न पूछना चाहिए। पर ऐसा लगता है तुष्टिकरण की राजनीति के चलते उनका मुंह सिल गया है। इमरजेंसी के दौरान विपक्ष विहीन संसद में 38 वां 39 वां 40 वां 41 वां एवं 42 वां संशोधन कर उसे संसद जिसमें सिर्फ कांग्रेस के सांसद थे संसद को संविधान को नष्ट करने जोड़ने बदलने या निरस्त करने की निरंकुश शक्ति प्रदान की गई। संसद या राज्य में कोरम की आवश्यकता समाप्त कर दी गई एक अकेला सांसद एक अधिनियम पारित कर सकता था। न्यायपालिका किसी भी आधार पर संविधान में संशोधन पर सवाल नहीं उठा सकती थी मौलिक अधिकारों में संशोधन को न्यायिक समीक्षा से परे कर दिया गया। संविधान के प्रियंबल में छेड़छाड़ कर धर्मनिरपेक्ष जैसे शब्द जोड़े गए। न्यायपालिका चुनाव में भ्रष्टाचार में दोषी पाए गए किसी भी सांसद को आयोग नहीं ठहरा सकती थी। जवान बुजुर्ग यहां तक कि कम उम्र बालकों की भी जबरदस्ती नसबंदियां की गई। विरोध करने वाले किसी भी व्यक्ति को उठाकर जेल में डाल दिया जाता था। जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने कहा जो स्वयं संविधान के हत्यारे हैं लगातार संविधान दिखाकर लोगों में झूठ और भ्रम फैला रहे हैं बगुला भगत बन रहे हैं जनता को इनसे सतर्क रहने की आवश्यकता है। जनता को यह जानने की आवश्यकता है कि आज तक कांग्रेस सरकार ने 75 बार संविधान संशोधन किया है। 1947 से 2014 के बीच कांग्रेस ने 90 बार आर्टिकल 356 का दुरुपयोग कर प्रदेशों में विपक्षी पार्टियों की सरकारें गिराई है। विडंबना है कि ये तानाशाह मोदी को कहते हैं। इसी कांग्रेस ने इस चुनाव में गृहमंत्री अमित शाह का आरक्षण को लेकर फर्जी वीडियो बनाया और उसे प्रचारित किया। भारतीय जनता पार्टी सदैव कांग्रेस के संविधान विरोधी कृत्यों से लड़ती रही और आगे भी लड़ती रहेगी दोबारा देश को कांग्रेस द्वारा भ्रष्टाचार कर लूटने नहीं देगी। गोष्ठी को लोकतंत्र सेनानी संगठन के जिला अध्यक्ष रामकिशन राठौर पूर्व जिला अध्यक्ष विद्याराम वर्मा श्री कृष्ण शास्त्री राजीव रंजन मिश्रा राम बहादुर सिंह क्रय विक्रय अध्यक्ष सुशील अवस्थी छोटे महाराज अरविंद सिंह भालोद आदि ने भी संबोधित किया। संचालन कार्यक्रम के संयोजक राजेश अग्निहोत्री ने किया। प्रमुख रूप से नगर पालिका अध्यक्ष सुखसागर मिश्र मधुर पीके वर्मा जिला उपाध्यक्ष संदीप सिंह प्रीतेश दीक्षित संजय सिंह गुड्डू महामंत्री ओम वर्मा सत्येंद्र राजपूत जिला मंत्री अविनाश पांडे अजय शुक्ला मीना वर्मा जिला मीडिया प्रभारी गांगेश पाठक प्रचार मंत्री संदीप अवस्थी पिछड़ा वर्ग मोर्चा अध्यक्ष वेदराम राजपूत किसान मोर्चा अध्यक्ष विश्वराज सिंह आईटी संयोजक सौरभ सिंह सोशल मीडिया संयोजक प्रदुमन मिश्र अविनाश मिश्रा रीना गुप्ता अनुराधा मिश्रा रीना गुप्ता चेतना शुक्ला आदि गोष्ठी में मौजूद रहे।

सरकार ने 96,238 करोड़ की 10वीं स्पेक्ट्रम नीलामी शुरू की

नई दिल्ली।
मंगलवार को एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि 10,500 मेगाहर्ट्ज से अधिक मोबाइल सेवा रेडियो तरंगों के लिए 96,238 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की स्पेक्ट्रम नीलामी सुबह 10 बजे शुरू होगी। 2010 में ऑनलाइन बोली प्रक्रिया के माध्यम से रेडियो तरंगों की बिक्री की प्रक्रिया शुरू होने के बाद से यह 10वीं स्पेक्ट्रम नीलामी है।

बयान में कहा गया है, 'सरकार आज सुबह 10 बजे दूरसंचार सेवाओं के लिए स्पेक्ट्रम की नीलामी शुरू कर रही है।' पिछली स्पेक्ट्रम नीलामी अगस्त 2022 में हुई थी, जिसमें पहली बार 5G सेवाओं के लिए रेडियो तरंगें शामिल की गई थीं। बयान में कहा गया है, 'मौजूदा दूरसंचार सेवाओं को बढ़ाने और सेवाओं की निरंतरता बनाए रखने के लिए सरकार मंगलवार, 25 जून 2024 को स्पेक्ट्रम नीलामी करेगी। यह सभी नागरिकों को सस्ती, अत्याधुनिक उच्च गुणवत्ता वाली दूरसंचार सेवाएं प्रदान करने की सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप है।'

दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने स्पेक्ट्रम नीलामी शुरू कर दी है और 8 मार्च को आवेदन आमंत्रण नोटिस (एनआईए) जारी कर दिया गया है। संचार मंत्रालय ने घोषणा की है कि आगामी नीलामी में निम्नलिखित स्पेक्ट्रम बैंडों के लिए बोली लगाई जाएगी - 800 मेगाहर्ट्ज, 900 मेगाहर्ट्ज, 1800 मेगाहर्ट्ज, 2100 मेगाहर्ट्ज, 2300 मेगाहर्ट्ज, 2500 मेगाहर्ट्ज, 3300 मेगाहर्ट्ज और 26 गीगाहर्ट्ज। विभिन्न बैंडों में नीलाम किए जाने वाले स्पेक्ट्रम की कुल मात्रा 10,522.35 मेगाहर्ट्ज है, जिसका मूल्य आरक्षित मूल्य पर 96,238.45 करोड़ रुपये है।

3300 मेगाहर्ट्ज बैंड और 26 मेगाहर्ट्ज बैंड को 5जी सेवाओं के लिए उपयुक्त बैंड के रूप में देखा जा रहा है। रिलायंस जियो ने स्पेक्ट्रम नीलामी के लिए 3,000 करोड़ रुपये की सबसे अधिक बयाना राशि जमा की है, जो कंपनी को अधिकतम रेडियो तरंगों के लिए बोली लगाने की क्षमता प्रदान करती है। दूरसंचार विभाग द्वारा जारी पूर्व-योग्य बोलीदाता विवरण के अनुसार, भारती एयरटेल ने 1,050 करोड़ रुपये और वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) ने 300 करोड़ रुपये की बयाना राशि जमा कराई है। दूरसंचार उद्योग निकाय सेल्युलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के महानिदेशक एसपी कोचर ने कहा कि 5जी नीलामी से देश भर में 5जी सेवाओं के तेजी से क्रियान्वयन को बढ़ावा मिलेगा, जिससे कवरेज बढ़ेगा और कनेक्टिविटी में काफी सुधार होगा।

कोचर ने कहा, 'डिजिटल डिवाइड को पाटकर, 5जी स्पेक्ट्रम नीलामी यह सुनिश्चित करेगी कि हमारे देश के सबसे दूरदराज के क्षेत्रों में भी हाई-स्पीड इंटरनेट तक पहुंच हो, जिससे अधिक आर्थिक अवसर और सामाजिक उन्नति को बढ़ावा मिलेगा। यह नीलामी 'विकसित भारत' के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का भी प्रतीक है और हमें विश्वास है कि इन नीलामियों के परिणाम एक समृद्ध और डिजिटल रूप से सशक्त भारत के लिए एक मजबूत नींव रखेंगे।' टेलीकॉम विशेषज्ञ पराग कर के अनुसार, रिलायंस जियो ईएमडी के आधार पर कुल स्पेक्ट्रम मूल्य का 37.36 प्रतिशत, भारती 13.07 प्रतिशत और वोडाफोन आइडिया 3.73 प्रतिशत बोली लगा सकती है।

न्यूज ब्रीफ

एलाइड ब्लेंडर्स का आईपीओ खुला, निवेशक 27 जून तक कर सकेंगे निवेश

मुंबई। एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स लिमिटेड (एबीडी) का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) मंगलवार को निवेशकों के लिए खुल गया। खुदरा निवेशक इस आईपीओ के लिए 27 जून तक बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के जरिए कंपनी 1,500 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स लिमिटेड ने आईपीओ का मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) 267-281 रुपये तय किया है। ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की बनाने वाली कंपनी के आईपीओ में एक हजार करोड़ रुपये के ताजा शेयर और प्रवर्तकों द्वारा 500 करोड़ रुपये के शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल हैं। कंपनी ने सार्वजनिक निर्गम से पहले एंकर निवेशकों से 449 करोड़ रुपये जुटाए हैं। एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स लिमिटेड को एबीडी के तौर पर जाना जाता है। ये भारतीय निर्मित विदेशी शराब कंपनी है, जिसका मुख्यालय मुंबई में स्थित है। कंपनी के पोर्टफोलिया में व्हिस्की, ब्रांडी, रम और वोदका के 16 ब्रांडों के प्रॉडक्ट शामिल हैं। इनमें ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की, स्टर्लिंग रिजर्व और ऑफिसर्स चॉइस ब्लू सहित अन्य प्रमुख ब्रांड शामिल हैं, जिसका दुनियाभर के 22 देशों में निर्यात होता है।

जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल ने हाईकोर्ट का रुख किया, अंतरिम चिकित्सा जमानत बढ़ाने की अपील

जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल ने खुद को दी गई दो महीने की अंतरिम चिकित्सा जमानत बढ़ाने के लिए बंबई उच्च न्यायालय का रुख किया है। उच्च न्यायालय ने छह मई को गोयल को चिकित्सा आधार पर दो महीने की अंतरिम जमानत दी थी। गोयल (75) ने अब आवेदन दायर कर इस अवधि को बढ़ाने की मांग की है। याचिका में कहा गया है कि उनकी चिकित्सा स्थिति खराब बनी हुई है और उन्होंने 16 मई को कैंसर के कारण अपनी पत्नी को भी खो दिया है। न्यायमूर्ति मनीष पिताले की एकल पीठ के समक्ष मंगलवार को आवेदन सुनवाई के लिए आया था। अदालत ने फरवरी में उच्च न्यायालय द्वारा जारी एक परिपत्र का उल्लेख किया, जिसमें कहा गया था कि जिन आवेदनों पर पहले एक विशेष न्यायाधीश द्वारा विचार किया गया था और फैसला किया गया था, उन्हें उसी पीठ के समक्ष रखा जाएगा। न्यायमूर्ति पिटाले ने उच्च न्यायालय के रजिस्ट्री विभाग को गोयल के आवेदन को न्यायमूर्ति एन जे जमादार की एकल पीठ के समक्ष रखने का निर्देश दिया। गोयल के वकील आबाद पोंडा और अमीत नाइक ने कहा कि वे बुधवार को न्यायमूर्ति जमादार के समक्ष याचिका का उल्लेख करेंगे। गोयल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सितंबर 2023 में केनरा बैंक द्वारा जेट एयरवेज को दिए गए 538.62 करोड़ रुपये के ऋण को वैध बनाने और ऋण निकालने के आरोप में गिरफ्तार किया था। उनकी पत्नी अनीता गोयल को नवंबर 2023 में गिरफ्तार किया गया था जब ईडी ने मामले में अपनी चार्जशीट दाखिल की थी।

कच्चा तेल 87 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव जारी है। ब्रेंट क्रूड का मूल्य उछलकर 87 डॉलरऔर डब्ल्यूटीआई क्रूड 82 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने मंगलवार को पेट्रोल और डीजल के मूल्य में कोई बदलाव नहीं किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के दूसरे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.05 डॉलर यानी 0.06 फीसदी की बढ़त के साथ 86.06 डॉलर और वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.06 डॉलर यानी 0.07 फीसदी उछलकर 81.69 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक, दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये, डीजल 92.15 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये , डीजल 90.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है।

सेंसेक्स और निफ्टी ने ऑल टाइम हाई लेवल के साथ ही क्लोजिंग का भी बनाया रिकॉर्ड

नए शिखर पर घरेलू शेयर बाजार, सेंसेक्स पहली बार 78 हजार अंक के पार

नई दिल्ली।
बैंकिंग और आईटी सेक्टर में आई तेजी के कारण घरेलू शेयर बाजार ने मंगलवार को एक बार फिर मजबूती का नया रिकॉर्ड बना दिया। सेंसेक्स पहली बार 78 हजार अंक के स्तर को पार करने में सफल रहा। इसी तरह निफ्टी ने भी पहली बार 23,750 अंक के ऊपर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। मंगलवार के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी।

दिन के पहले सत्र में शेयर बाजार की चाल में उतार-चढ़ाव बना रहा, लेकिन दोपहर 12 बजे के बाद खरीदारी के सपोर्ट से शेयर बाजार ने तेज रफ्तार पकड़ ली। मंगलवार का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने अभी तक के सर्वोच्च स्तर तक पहुंचने में भी कामयाबी हासिल की। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.92 प्रतिशत और निफ्टी 0.78 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

मंगलवार के कारोबार के दौरान आईटी, फाइनेंशियल सर्विसेज और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में लगातार तेजी बनी रही। दूसरी ओर पावर, यूटिलिटी, एफएमसीजी, ऑटोमोबाइल और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, मेटल और रियल्टी इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी मंगलवार को आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.26 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ मंगलवार के कारोबार का अंत किया।

मंगलवार को बाजार की तेजी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 16 हजार करोड़ रुपये का इजाफा हो गया। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद बढ़ कर 435.76 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 435.60 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को कारोबार से करीब 16 हजार करोड़ रुपये की कमाई हो गई।

मंगलवार दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,000 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,805 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,077 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 118 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,310 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 993 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,317 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 16 शेयर बढ़त के साथ और 14 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल शेयरों में से 26 शेयर हरे निशान में और 24 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स 188.11 अंक की मजबूती के साथ 77,529.19 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद बिकवाली के दबाव में ये सूचकांक मामूली गिरावट के साथ 77,459.60 अंक तक लुढ़का। लेकिन थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने मोर्चा संभाल लिया, जिससे इस सूचकांक की स्थिति में सुधार होने लगा। दोपहर 12 बजे के बाद खरीदारों ने चौतरफा लिवाली शुरू कर दी, जिसके कारण थोड़ी देर में ही इस सूचकांक ने 78 हजार अंक के स्तर को पार करने में सफलता हासिल कर ली।

घरेलू शेयर बाजार में लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से कारोबार खत्म होने से थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 823.63 अंक उछल कर अभी तक के सर्वोच्च स्तर 78,164.71 अंक तक पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 712.44 अंक की तेजी के साथ ऑल टाइम हाई क्लोजिंग का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 78,053.52 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 39.25 अंक उछलकर 23,577.10 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। दिन के पहले सत्र में इस सूचकांक की चाल में भी मामूली उतार चढ़ाव होता रहा। लेकिन दोपहर 12:30 बजे के बाद तेजड़िये पूरी तरह से बाजार पर हावी हो गए, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से निफ्टी 216.30 अंक की उछाल के साथ अभी तक के सर्वोच्च स्तर 23,754.15 अंक तक पहुंचने में सफल रहा।

वित्त मंत्री ने व्यापार और सेवाओं के प्रतिनिधियों के साथ की बजट पूर्व बैठक

नई दिल्ली।
केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को यहां आम बजट 2024-25 की तैयारियों के मद्देनजर व्यापार और सेवाओं के प्रतिनिधियों के साथ बजट-पूर्व परामर्श बैठक की।

वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पर कहा कि आगामी आम बजट 2024-25 के लिए व्यापार और सेवाओं के प्रतिनिधियों ने वित्त मंत्री सीतारमण को अपने सुझाव दिए। बजट पूर्व इस परामर्श बैठक में केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी, वित्त सचिव, व्यय विभाग के सचिव, आर्थिक मामलों के विभाग और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के सचिव तथा केंद्र सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार भी शामिल हुए।

उल्लेखनीय है कि वित्त मंत्री सीतारमण ने आम चुनाव से पहले चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अंतरिम बजट पेश किया था। चुनाव के बाद उन्हें फिर से वित्त मंत्रालय की जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने अब पूर्ण बजट पेश करने के पहले उसकी तैयारी शुरू कर दी है।

पूंजीगत व्यय की गति कम करने के दबाव के बावजूद रेलवे का आवंटन बढ़ने का अनुमान

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जुलाई महीने में किसी भी दिन बजट पेश कर सकती हैं। संसद के जारी शपथ ग्रहण सत्र के दौरान ही बजट की तारीख पर स्थिति साफ हो सकती है। बजट 2024-25 में सरकार की ओर से बुनियादी ढांचे पर बजटीय पूंजीगत व्यय की गति को कम करने के दबाव के बावजूद रेलवे क्षेत्र के लिए आवंटन अधिक रहने की उम्मीद है। आइए जानते हैं कि इस साल फरवरी में पेश हुए अंतरिम बजट में रेलवे के हिस्से क्या आया था और जुलाई में आने वाले केंद्रीय बजट 2024-25 में रेलवे को कितनी राशि मिलने का अनुमान है। 2024-25 के अंतरिम बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रेलवे को सकल बजटीय सहायता (जीबीएस) के रूप में 2,52,200 करोड़ रुपये आवंटित किए थे।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली।
ग्लोबल मार्केट से मंगलवार को मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान दिन भर उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल मजबूती के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। दूसरी ओर, यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान तेजी का माहौल बना रहा। एशियाई बाजारों में भी मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान मुनाफा वसूली जारी रही। इसके साथ ही सेक्टोरल फ्रंट पर भी लगातार उथल-पुथल बना रहा। इसके बावजूद डाउ जॉन्स लगातार पांचवें दिन मजबूती दिखाते हुए 260 अंक की बढ़त के साथ पिछले 1 महीने के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच कर बंद हुआ। दूसरी ओर, एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 0.31 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,447.87 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसी तरह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े शेयरों में हुई मुनाफा वसूली के कारण नैस्डेक 192.54 अंक यानी 1.09 प्रतिशत की गिरावट के साथ 17,496.82 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ

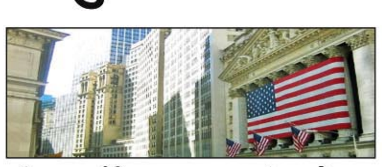

जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 102.12 अंक यानी 0.26 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार उत्साह का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.53 प्रतिशत मजबूत होकर 8,281.55 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 1.02 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,706.89 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 162.06 अंक यानी 0.88 प्रतिशत की बढ़त के साथ 18,325.58 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में भी मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। ताइवान वेटेड इंडेक्स 112.55 अंक यानी 0.50 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,701.15 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

क्रिप्टो करेंसी मार्केट में मिला-जुला कारोबार बिटकॉइन की घटी मार्केट हिस्सेदारी

नई दिल्ली।
क्रिप्टो करेंसी मार्केट में मंगलवार को मिलाजुला कारोबार होता नजर आ रहा है। मार्केट कैप के लिहाज से टॉप-10 में शामिल क्रिप्टो करेंसीज में से बिटकॉइन और एथेरियम समेत 6 बढ़त के साथ ग्रीन जोन में कारोबार कर रही हैं, जबकि 4 क्रिप्टो करेंसी गिरावट के साथ रेड जोन में कारोबार करती नजर आ रही हैं। कारोबार में दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन में तेजी जरूर आई है, लेकिन उसकी मार्केट हिस्सेदारी में गिरावट आ गई है।

भारत में क्रिप्टो करेंसी का कारोबार करने के लिए अधिकृत एजेंसी कॉइन मार्केट कैप से मिली जानकारी के मुताबिक भारतीय समय के हिसाब से शाम 6 बजे तक बिटकॉइन 0.53 प्रतिशत की मजबूती के साथ 61,176.81 डॉलर यानी 51.04 लाख रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह एथेरियम की कीमत भी आज 2.12 प्रतिशत की तेजी के साथ उछल कर 3,375.76 डॉलर के स्तर पर आ गई थी।

बिटकॉइन और एथेरियम के अलावा टेथर 0.03 प्रतिशत, बीएनबी 0.80 प्रतिशत, यूएसडी कॉइन 0.02 प्रतिशत और एक्सआरपी 0.06 प्रतिशत की कमजोरी के साथ रेड जोन में कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, सोलाना 9.13 प्रतिशत, टॉनकॉइन 5.05 प्रतिशत, डॉगकॉइन 5.64 प्रतिशत और कार्डानो 5.19 प्रतिशत की बढ़त के साथ ग्रीन जोन में कारोबार कर रहे थे।

कॉइन मार्केट कैप से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले 24 घंटे के कारोबार के दौरान क्रिप्टो करेंसी के ग्लोबल मार्केट कैप में 1.40 प्रतिशत की मजबूती दर्ज की गई है। फिलहाल क्रिप्टो करेंसी का ग्लोबल मार्केट कैप बढ़ कर 2.27 लाख करोड़ डॉलर यानी करीब 189.39 लाख करोड़ रुपये हो गया है।

ग्लोबल मार्केट कैप में मजबूती आने के साथ ही पिछले 24 घंटे के दौरान क्रिप्टो करेंसीज के लेन-देन में भी तेजी आई है। इस अवधि में कुल 8,635 करोड़ डॉलर यानी 7.20 लाख करोड़ रुपये की क्रिप्टो करेंसी की लेन-देन हुई, जो 1 दिन पहले की तुलना में 29.23 प्रतिशत अधिक है। अगर दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन की बात करें कीमत में तेजी आने के बावजूद पिछले 24 घंटे के कारोबार के दौरान क्रिप्टो करेंसी मार्केट में इस आभासी मुद्रा की स्थिति 0.43 प्रतिशत कमजोर हुई है, जिसके कारण इसकी मार्केट हिस्सेदारी घट कर 53.38 प्रतिशत रह गई है।

सर्राफा बाजार में कमजोरी जारी, सोने-चांदी में आई गिरावट

नई दिल्ली।
घरेलू सर्राफा बाजार में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट का माहौल है। हालांकि चेन्नई में सोने के भाव में तेजी आई है, लेकिन देश के ज्यादातर बाजारों में कमजोरी के कारण 24 कैरेट सोना 72,370 रुपये से लेकर 72,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी चेन्नई के अलावा दूसरे सर्राफा बाजारों में 66,390 रुपये से लेकर 66,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी गिरावट आई है। की गिरावट के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी 91,600 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

मंगलवार को देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 72,370 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 66,30 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 72,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 73,110 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 67,010 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना 72,270 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 66,290 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 72,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 72,370 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 66,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 72,270 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 66,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 72,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

मंगलवार को देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 72,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 66,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

नंदिनी के दूध की कीमतों में 2 रुपये प्रति लीटर का इजाफा; नई दरें आज से लागू, यह फायदा भी मिलेगा

नई दिल्ली। कर्नाटक दुग्ध महासंघ (केएमएफ) ने मंगलवार को 26 जून से दूध की कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा की है। लेकिन उपभोक्ताओं के लिए एक फायदे की खबर भी है। केएमएफ ने यह भी कहा है कि वह अपने आधे और एक लीटर के पैकेट में दूध की मात्रा 50 मिलीलीटर तक बढ़ाएगा। कर्नाटक सरकार ने ईंधन पर बिक्री कर बढ़ा दिया है, जिसके बाद राज्य में पेट्रोल की कीमतें 3 रुपये प्रति लीटर और डीजल 3.5 रुपये प्रति लीटर बढ़ गई हैं। केएमएफ ने अपने एक बयान में कहा, 'वर्तमान फसल का मौसम है, ऐसे में सभी जिला दुग्ध संघों में दूध का भंडारण हर दिन बढ़ रहा है और वर्तमान भंडारण एक करोड़ लीटर के करीब है। इस पृष्ठभूमि में, प्रत्येक पैकेट की कीमत में 2 रुपये की वृद्धि की जा रही है। उपभोक्ताओं को केवल आधा लीटर (500 एमएल) और एक लीटर (1000 एमएल) पैकेट में अतिरिक्त 50 मिलीलीटर दूध दिए जाने का फैसला किया गया है।'

वर्तमान में, नंदिनी के 500 मिलीलीटर टोंड दूध पैकेट की कीमत 22 रुपये है। दो रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी के साथ 550 मिलीलीटर के दूध के पैकेट की कीमत अब 24 रुपये होगी। इसी तरह, 1000 मिलीलीटर (1 लीटर) पैकेट की कीमत पहले 42 रुपये थी और अब 44 रुपये में 1,050 मिलीलीटर दूध का पैकेट बेचा जाएगा। इसी तरह, नंदिनी ब्रांड के तहत दूध की अन्य श्रेणियों की कीमतें बढ़ेंगी। केएमएफ ने बयान में कहा, ''डेयरी उद्योग में कर्नाटक सहकारी दुग्ध उत्पादक महामंडल देश का दूसरा सबसे बड़ा महामंडल (फेडरेशन) है।

नाना पाटेकर को हो गई थी अपने ही बेटे से नफरत?

-बेटे की हुई मौत तो लगा था सदमा!

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड के दिग्गज एक्टर नाना पाटेकर को अपने ही बेटे से नफरत हो गई थी। अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में बहुत कम बात करने वाले नाना पाटेकर ने हाल ही में अपनी जिंदगी से जुड़े उन कड़वे सच को बयां किया, जिसको लोग जानते ही नहीं हैं। उन्होंने बताया कि शराब तो वह नहीं पीते थे, लेकिन सिगरेट पीने की लत उन्हें भयंकर थी।नाना पाटेकर ने हाल ही में बयां किया कि क्यों उन्हें अपने ही बेटे से नफरत हो गई थी और जब उनकी मौत हुई तो उन्हें सदमा सा लग गया था। तिरंगा एक्टर ने बताया कि सिगरेट पीने का आदत उन्हें ऐसी लग गई थी कि वो दिन की 60 सिगरेट पी जाते थे, हालांकि फिर किसी खास की एक बात ने इस बुरी लत को भी खत्म कर दिया। एक इंटरव्यू में उनका एक बेटा था, जिसका नाम उन्होंने दुवार्सा रखा था। जन्म से ही उसकी एक आंख में तकलीफ थी। उसे दिखाई नहीं देता था। एक्टर ने कहा, मुझे इतनी नफरत होने लगी कि जब मैंने उसे देखा तो ये सोचता कि लोग क्या सोचेंगे कि नाना का कैसा बेटा है। मैंने इस बारे में नहीं सोचा कि वह क्या महसूस करता है या कैसा महसूस करता है। मैंने केवल यह सोचा कि लोग मेरे बेटे के बारे में क्या सोचेंगे। एक्टर ने बताया हमने इसका नाम दुवार्सा रखा था। उसने हमारे साथ ढाई साल बिताए और फिर वो दुनिया को छोड़ चला गया। उन्होंने कहा, आप क्या कर सकते हैं। जीवन में कुछ चीजें तय होती हैं। इसी बातचीत में उन्होंने बताया कि मुझे सिगरेट पीने की लत थी। मैं नहाते समय भी सिगरेट पीता था। उस वक्त मैं दिन में करीब 60 सिगरेट पीता था। बदबू के कारण कोई भी मेरी कार में नहीं बैठता था। उन्होंने कहा, मैंने कभी शराब नहीं पी लेकिन स्मोकिंग बहुत करता था। लेकिन, मेरी बहन के कुछ शब्दों ने इस बुरी लत को हमेशा के लिए छुड़वा दिया। उन्होंने कहा मेरे बहन ने भी अपना इकलौते लड़के को खोया था। उसने मुझे एक दिन स्मोकिंग करने के बाद खांसते हुए देखा। उसने कहा, तुम और क्या देखना चाहते हो? यह सुनकर नाना पाटेकर को बहुत दुख हुआ और उन्होंने उसी दिन के बाद से स्मोकिंग करना छोड़ दिया। नाना पाटेकर ने ताजा इंटरव्य में बताया कि कैसे, उनकी पत्नी से उनकी मुलाकात हुई, क्यों उन्हें अपने ही बेटे से नफरत होने लगी और कैसे उनके सिगरेट पीने की बुरी लत खत्म हुई।

हॉरर फिल्म कसूर में नजर आएंगे आफताब

-फिल्म को ग्लेन बैरेटो करेंगे डायरेक्ट

मुंबई (ईएमएस)। एक्टर आफताब शिवदासानी हॉरर फिल्म कसूर में अभिनय करेंगे। प्रैक्टिकल प्रोडक्शंस के निर्माता आसिफ शेख ने कहा, यह एक यूनिक कॉन्सेप्ट है- म्यूजिकल, रोमांस और हॉरर...। उन्होंने कहा कि आफताब ने कहानी सुनी, तो वह इसे लेकर काफी एक्साइटेड थे। ऑडियंस सिल्वर स्क्रीन पर आफताब शिवदासानी को एक बहुत ही अलग किरदार में देखेगी। उन्होंने कहा, यह एक लेखक द्वारा समर्थित किरदार है, और हम आफताब के साथ फीमेल लीड और एक अन्य मेल लीड को फाइनल कर रहे हैं। इन किरदारों की घोषणा जल्द ही की जाएगी। फिल्म कसूर को ग्लेन बैरेटो डायरेक्ट करेंगे। वहीं कहानी मुदस्सर अजीज ने लिखी है। आफताब के करियर पर नजर डालें, तो उन्हें 14 महीने की उम्र में फॉरेक्स बेबी के रूप में चुना गया था। महज 9 साल की उम्र में 1987 में उन्होंने अनिल कपूर की सुपरहिट फिल्म मिस्टर इंडिया में काम किया। इसके बाद वह 1988 में अमिताभ बच्चन की फिल्म शहंशाह में इंस्पेक्टर विजयकुमार श्रीवास्तव के बचपन का किरदार निभाते दिखाई दिए। इसके अलावा, उन्होंने चालबाज, अव्वल नंबर और इंसानियत जैसी फिल्मों में भी काम किया।आफताब ने राम गोपाल वर्मा द्वारा निर्देशित मस्त से बतौर लीड एक्टर करियर की शुरूआत की। इसमें उनके साथ उर्मिला मातोंडकर नजर आईं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपर डुपर हिट रही। इसके बाद वे कसूर, आवारा पागल दीवाना, हंगामा और मस्ती जैसी फिल्मों में नजर आए। 2018 में, आफताब ने तमिल सिनेमा में भास्कर ओरु रास्कल और 2021 में कन्नड़ सिनेमा में कोटिगोब्बा 3 के साथ अपनी शुरूआत की। एक्टर को अब से पहले हिंदी सिनेमा में 2019 की फिल्म सेटर्स में देखा गया था। यह अश्विनी चौधरी द्वारा निर्देशित एक क्राइम थ्रिलर थी। फिल्म की कहानी भारत में परीक्षा में नकल करने वाले रैकेट के इर्द-गिर्द घूमती है।

अन्नू कपूर के बयान पर कंगना रनौत ने दिया करारा जवाब

-एक्ट्रेस ने किया सवाल- क्या हम एक सफल महिला से नफरत करते हैं

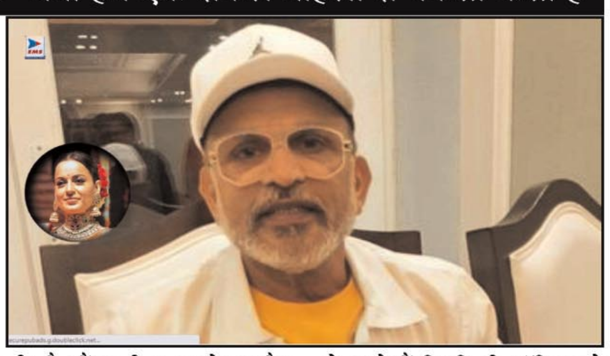

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में बॉलीवुड एक्टर अन्नू कपूर द्वारा एक्ट्रेस और राजनेता कंगना रनौत के साथ हुए अभद्र व्यवहार को लेकर दिए गए बयान के बाद कंगना रनौत ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए अन्नू कपूर को करारा जवाब दिया है। कगंना रनौत ने इंस्टा स्टोरी पर अन्नू कपूर की प्रेस कॉन्फ्रेंस की एक क्लिप शेयर की और कैप्शन में लिखा, क्या आप अन्नू कपूरजी से सहमत हैं कि हम एक सफल महिला से नफरत करते हैं। अगर वह सुंदर है, तो उससे और भी ज्यादा नफरत करते हैं और अगर वह पावरफुल है, तो उससे और भी अधिक नफरत करते हैं? क्या यह सच है?। मालूम हो कि कंगना रनौत को चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ महिला जवान ने थप्पड़ मार दिया था। कुछ दिनों पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अन्नू कपूर से कंगना रनौत को थप्पड़ मारे जाने की घटना को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, ये कंगना जी कौन हैं? प्लीज बताओ ना कौन हैं? जाहिर है कि आप पूछ रहे हैं तो कोई बहुत बड़ी हीरोइन होंगी? सुंदर हैं क्या? जब प्रेस कॉन्फ्रेंस में अन्नू कपूर को बताया गया कि कंगना रनौत मंडी लोकसभा सीट से चुनाव जीतकर सासंद बनी हैं, तो जवाब में एक्टर ने कहा, ओहो वो भी हो गईं। अभी तक बहुत शक्तिशाली हो गई हैं। अन्नू कपूर ने आगे कहा, वह सुंदर हैं, तो हमें वैसे भी उनसे जलन हो रही है, क्योंकि हम तो बहुत भद्दे आदमी है। उसके बाद वह पावरफुल हैं। आप बोल रहे हैं कि किसी ऑफिसर ने उन्हें थप्पड़ मार दिया? तो उनको जरूर पूरी कार्रवाई करनी चाहिए। बता दें कि बॉलीवुड एक्टर अन्नू कपूर ने हाल ही में कंगना रनौत के साथ हुए थप्पड़ कांड को लेकर बयान दिया था। पहले तो उन्होंने साफ इनकार कर दिया कि वह कंगना रनौत को नहीं जानते हैं। इसके अलावा अन्नू कपूर ने कंगना रनौत के साथ हुए थप्पड़ वाली घटना को लेकर और भी ऐसी बातें कह दीं, जो एक्ट्रेस को बिल्कुल भी रास नहीं आई।

शूटिंग के बाद जुलाई में लौटेगी पूजा हेगड़े

बालीवुड एक्ट्रेस पूजा हेगड़े अपनी अपकमिंग फिल्म सूर्या 44 की शूटिंग के लिए अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में हैं। पूजा की अब जुलाई के पहले सप्ताह में वापस लौटने की उम्मीद है। सूत्रों की माने तो पूजा जून की शुरूआत में शूटिंग के लिए अंडमान और निकोबार गई थीं।

पूजा वहां शेड्यूल का एक बड़ा हिस्सा शूट करेंगी। एक्ट्रेस फिल्म निमार्ता कार्तिक सुब्बाराज द्वारा निर्देशित सूर्या 44 में मुख्य भूमिका निभाती दिखाई देंगी। पूजा के अलावा फिल्म में जयराम, जोजू जॉर्ज और करुणाकरण भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। सूत्र ने कहा कि पूजा फिल्म में मुख्य महिला की भूमिका निभा रही हैं जो कहानी को आगे बढ़ाती है और वह इसमें बहुत अलग लुक में भी दिखाई देंगी। फिल्म का साउंडट्रैक पिज्जा, जिगरथंडा, इरुथी सुत्रु, साला खडूस, इरावी, गुलु गुलु और अन्वेशीपिन कंडेथुम जैसी फिल्मों के लिए संगीत देने वाले संतोष नारायणन का है। उन्होंने अमिताभ बच्चन, कमल हासन, प्रभास और दीपिका पादुकोण अभिनीत आगामी फिल्म कल्कि 2898 ई. में भी काम किया है। सूर्या 44 के अलावा पूजा, शाहिद कपूर के साथ देवा और अहान शेट्टी के साथ सनकी में भी नजर आएंगी।

श्रिया पिलगांवकर इंडियन फिल्म फेस्टिवल के लिए जूरी में शामिल

मुंबई (ईएमएस)। लॉस एंजिल्स के इंडियन फिल्म फेस्टिवल (आईएफएफएलए) के 2024 एडिशन में शॉर्ट्स कैटेगरी के लिए एक्ट्रेस श्रिया पिलगांवकर को जूरी पैनल में शामिल किया गया है। इस पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि यह उनके लिए सम्मान की बात है। एक्ट्रेस ने कहा, मुझे लॉस एंजिल्स 2024 के इंडियन फिल्म फेस्टिवल में शॉर्ट्स फिल्म कैटेगरी के लिए जूरी सदस्य के तौर पर आमंत्रित किया गया है। इससे मैं सम्मानित महसूस कर रही हूं। मैं फेस्टिवल में हिस्सा लेने और उभरते साउथ एशियन फिल्ममेकर्स द्वारा इन शानदार शॉर्ट्स फिल्मों को देखने के लिए एक्साइटिड हूं।एक्ट्रेस ने कहा, फिल्म फेस्टिवल का माहौल हमेशा क्रिएटिविटी से भरा होता है। मैं अलग-अलग कहानीकारों और कलाकारों से मिलने और बातचीत करने तथा आईएफएफएलए में फिल्मों की लाइनअप को देखने के लिए बेहद एक्साइटिड हूं। श्रिया को 2018 में मिजार्पुर में देखा गया था। सीरीज में उन्होंने स्वीटी का किरदार निभाया था, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया। इसके अलावा, वह गिल्टी माइंड्स, ताजा खबर और द ब्रोकन न्यूज 2 जैसी सीरीज के लिए भी जानी जाती हैं। उन्होंने साल 2016 में शाहरुख खान की फिल्म फैन से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इंडियन फिल्म फेस्टिवल (आईएफएफएलए) 27 जून को शुरू होगा और 30 जून को समाप्त होगा। इस साल, शॉर्ट्स प्रोग्राम में राजश्री देशपांडे की हेमा, लास्ट डेज ऑफ समर और लोरी शामिल हैं। फेस्टिवल का समापन विजय सेतुपति और अनुराग कश्यप स्टारर महाराजा के साथ होगा। बता दें कि श्रिया ने इंटरनेशनल प्रोजेक्ट्स में भी अपनी पहचान बनाई है। वह गुरिंदर चड्ढा द्वारा निर्देशित ब्रिटिश सीरीज बीचम हाउस और दिग्गज फिल्म निमार्ता क्लाउड लेलौच की फ्रेंच फिल्म अन प्लस उन में नजर आई हैं।

बेटे का जन्मदिन साथ-साथ मनाया सोहेल और सीमा ने

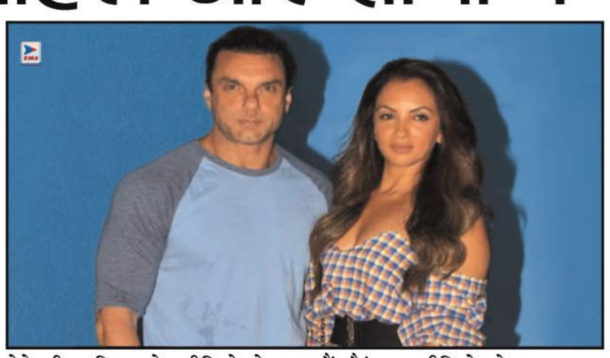

मुंबई (ईएमएस)। एक्टर सोहेल खान और सीमा सजदेह में तलाक हो जाने के बावजूद बेटे का बर्थडे साथ-साथ मनाया। इसकी तस्वीर भी सोशल मीडिया पर शेयर की है। सोहेल और सीमा ने साल 1998 में शादी की थी और 2022 में दोनों ने अपने रास्ते अलग कर लिए थे लेकिन सोहेल और सीमा अपने बेटे निर्वाण और योहान की परवरिश मिलकर कर रहे हैं। हाल ही में बेटे योहान का जन्मदिन था, जिसमें दोनों साथ में दिखाई दिए। एक्टर ने बेटे के बर्थडे के दौरान केक कटिंग का एक वीडियो शेयर किया। वीडियो में सीमा और सोहेल केक कट करवाते हुए दिखाई दे रहे हैं। साथ ही बहुत सारे बच्चे भी नजर आ रहे हैं, जिसमें शाहरुख खान के बेटे अबराम खान और अमृता अरोड़ा के बेटे भी शामिल रहे। वीडियो शेयर करते हुए एक्टर ने लिखा- जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई मेरे योदा, हर साल तुम्हारे जन्मदिन पर होने वाले फुटबॉल मैच में हम खूब मस्ती करते हैं, तुम मुझे जवान महसूस करवाओगे और फिर चोटिल भी कर दोगे। यह सोहेल खान हैं, जो हैदराबाद में सेट से लंगड़ाते हुए रिपोर्टिंग कर रहे हैं। फैंस इस वीडियो को खूब लाइक कर रहे हैं। बता दें सीमा और सोहेल ने 2011 में सरोगेसी के जरिए योहान का स्वागत किया था। अपने तलाक के बारे में सीमा ने एक इंटरव्यू में कहा था कि तलाक के डाक्यूमेंट्स पर साइन करना महज एक फॉर्मैलिटी थी, क्योंकि वह पहले से ही अलग हो चुके थे।

कल्कि 2898 एडी 2024 की मोस्ट अवेटेड फिल्म

साइंस-फिक्शन फिल्म कल्कि 2898 एडी साल 2024 की मोस्ट अवेटेड फिल्म है। अमिताभ बच्चन, प्रभास और दीपिका पादुकोण जैसे सुपर स्टारों के अभिनय से सजी इस फिल्म का दर्शकों को लंबे समय से इंतजार है। इस फिल्म को लेकर बिग बी ने अपने ब्लॉग में बड़ा खुलासा किया और बताया कि इसके हिंदी वर्जन के एक गाने में उन्होंने अपनी आवाज दी है। अमिताभ ने अपने ब्लॉग में फिल्म में इस्तेमाल की गई हेवी कॉस्ट्यूम और प्रोस्थेटिक्स के बारे में बात की। बिग बी ने लिखा, हेवी कॉस्ट्यूम और प्रोस्थेटिक्स के साथ.. और कल्कि के लिए घंटों मेकअप.. जिसका दूसरा ट्रेलर आज जारी किया गया। इसके बाद अभिनेता ने उस सॉन्ग के बारे में बात की, जिसमें उन्होंने अपनी आवाज दी है।

फिल्म में कमल हासन, प्रभास और दीपिका पादुकोण भी हैं। और हां, हिंदी वर्जन के लिए मैंने एक गाना गाया। यह एक नॉन-सिंगर के लिए काफी मुश्किल था, लेकिन इलेक्ट्रॉनिक इक्विपमेंट ने जादू किया...और, यह सॉन्ग जल्द आने वाला है।

नागार्जुन ने मांगी माफी, साउथ सुपरस्टार के बॉडीगार्ड ने फैन संग किया था दुर्व्यवहार

प्रशंसक सचमुच अपने प्रिय कलाकार की एक झलक पाने के लिए बेताब रहते हैं। पहले कलाकारों के ऑटोग्राफ के लिए भीड़ होती थी और अब सेल्फी के लिए। प्रशंसक अपने पसंदीदा कलाकार के साथ मोबाइल पर तस्वीर खींचने के लिए उत्सुक रहते हैं। लेकिन कई बार उन्हें बुरे अनुभव का भी सामना करना पड़ता है। इतना ही नहीं एक्टर दूर रहते हैं उनके बॉडीगाड्र्स फैंस को भगाते हैं। नागार्जुन के एक प्रशंसक को हाल ही में कुछ ऐसा ही अनुभव हुआ। बाद में नागार्जुन ने नोटिस किया और सोशल मीडिया पर फैन से माफी मांगी।

नागार्जुन के बॉडीगार्ड ने फैन को दिया धक्का - मुंबई हवाई अड्डे पर साउथ स्टार नागार्जुन और धनुष चुपचाप एयरपोर्ट से बाहर निकल रहे थे। ऐसे में नागार्जुन का एक दिव्यांग फैन उनसे मिलने के लिए आगे आया। उन्होंने एक्टर का हाथ छुआ। जब एक्टर के बॉडीगार्ड की नजर इस पर पड़ी तो उन्होंने फैन को धक्का देकर दूर कर दिया। इस हरकत से फैन का संतुलन बिगड़ गया और वह पीछे की ओर गिरते-गिरते बचा।

नागार्जुन को इसका कोई अंदाजा नहीं था, लेकिन अभिनेता धनुष को इस बात का एहसास होते ही उन्होंने पीछे मुड़कर देखा तो लोगों ने नागार्जुन की आलोचना की। इस बात का एहसास होने के बाद नागार्जुन ने सार्वजनिक तौर पर माफी मांगी है। वीडियो वायरल होने पर नागार्जुन ने ट्विटर पर इस मामले के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगी। नागार्जुन ने कहा, यह अभी मेरे संज्ञान में आया... ऐसा नहीं होना चाहिए था! मैं उन सज्जन से माफी मांगता हूं। साथ ही यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सावधानी बरतूंगा कि भविष्य में ऐसा न हो! इस प्रकार नागार्जुन ने माफी मांगी। इस बीच नागार्जुन और धनुष दोनों सोनाक्षी सिन्हा की शादी के लिए पहुंचे मुंबई में पहुंचे थे।

सूडोकु नवताल- 6834

★☆☆☆☆ सरल

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6833 का हल

8	2	4		9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7581

गं	रा	जें	द्र	कु	मा	मो.	वा	ज	के.	यी
द	कि	ल	प्रे	व	जी	र	द	ह	ए	रा
वि	स	शो	म	त	ह	फी	म	ल	ल.	म
मि	स	स	र	दि	ल	ज	ध	क	स	दु
म	आ	चि	ग	कु	ज	त	तू	प	ह	प
हें	ल	न	र	दि	मा	उ	म	व	ग	मु
द्र	व	दे	फ्यू	जी	प	र	ज	ह	ल	के
क	एं	व	ई	द	ब	र्ड	डू	ए	मू	श
पू	ड	ब	फू	आ	शा	भो	स	ले	शी	द
र	गॉ	र्म	प	ल	ता	मं	गे	श	क	र
वि	ज	न	म	न्ना	डे	डि	त	ब	प	म

शब्दजाल में दस गायक एवं गायिकाओं के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

मो.रफी, किशोर कुमार, मुकेश, महेंद्र कपूर, मन्ना डे, तलत महमूद, सचिनदेव बर्मन, लता मंगेशकर, आशा भोसले, के.एल.सहगल

शब्दजाल - 7580 का हल

रा	क	ल	ड्री	म	बि	हा	र	सी	ल	ज
र	ज	ल	दे	क्रां	हि	ड्ब	इं	म	ट	वा
त	स	स्था	ल	र्म	मा	रा	रा	हा	ख	द
म	ज	ज	न	पु	च	रा	प	रा	ली	ब
म	ध्य	दो	ग	ल्ता	ल	क	तू	ष्ट्र	झ	उ
स	क	प्र	प	ह	प्र	र्ना	ना	ता	घ	त्त
गु	अ	स	दे	या	दे	ट	श	ज	ला	र
पे	ज	दा	ई	श	श	क	फ	रा	श	प्र
स	बा	रा	न	ब्रा	जी	ई	री	ल	प	दे
त्ता	पा	ला	त	शो	पं	जा	ब	ल	स्त्री	श
ह	रा	जी	व	गां	धी	उ	ड़ी	सा	म	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-6534

		7	1			5
3	29	6	37	2	31	1
	2		7	5		
5	30		30		31	6
		5	4		3	
2	33	4	31	3	30	7
6			5	7		

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6533 का हल

7	5	1	3	6	4	2
6	35	6	30	1	32	7
4	1	5	6	2	7	3
1	26	2	34	4	31	5
2	4	7	5	3	6	1
3	29	4	40	5	34	6
5	1	3	6	7	2	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

पेरिस 2024: ओलंपिक में ड्रेसाज स्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे अग्रवाल

नई दिल्ली।

भारतीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई) ने आगामी पेरिस ओलंपिक में ड्रेसाज स्पर्धा में देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए अनुष अग्रवाल का चयन किया है।

ईएफआई ने उनके हालिया प्रदर्शन के गहन मूल्यांकन के आधार पर श्रुति वोरा के ऊपर उनका चयन किया, जहां अनुष ने बेहतर औसत का प्रदर्शन किया।

यह ओलंपिक में ड्रेसेज इवेंट में भारत की पहली प्रविष्टि होगी क्योंकि पिछले संस्करणों में ज्यादातर राइडर्स केवल इवेंटिंग श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा करते थे।

अग्रवाल पिछले साल क्वालिफिकेशन अवधि शुरू होने के बाद से लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और उन्होंने चार बार न्यूनतम पात्रता हासिल की है, जबकि अनुभवी श्रुति वोरा ने इस महीने आवश्यक दो एमईआर अर्जित किए हैं।

मूल्यांकन में जब दावेदारों का औसत निकाला गया तो अनुष विजेता बने। उनका औसत स्कोर 67.695 प्रतिशत था, जो श्रुति के 67.163 प्रतिशत से बेहतर था।

फेडरेशन द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुसार, पेरिस खेलों की योग्यता के लिए पात्र होने के लिए सवार-घोड़े के संयोजन को 1 जनवरी, 2023 से 24 जून, 2024 के बीच दो बार न्यूनतम 67 प्रतिशत प्राप्त करना आवश्यक है। ईएफआई चयन मानदंडों के अनुसार, यदि एक से अधिक एथलीट पात्र हैं तो पिछले एक वर्ष में सर्वश्रेष्ठ चार स्पर्धाओं में से ग्रैंड प्रिक्स में उच्चतम औसत वाले एथलीट को भाग लेने के लिए चुना जाएगा। केवल एफईआई स्तर की प्रतियोगिताओं और उससे अधिक के स्कोर गिने जाते हैं। ये स्कोर 2023 से 2024 तक एमईआर इवेंट्स की सूची में शो में हासिल करने होंगे। श्रुति (घोड़े मैग्नेनिमस के साथ) ने चेक गणराज्य में ब्रनो ग्रैंड प्रिक्स में दूसरे स्थान पर रहते हुए वर्ष का अपना दूसरा एमईआर अर्जित किया था, जहां उन्होंने ड्रेसाज स्पर्धा में 68.174 अंक प्राप्त किए थे, जिससे वह ओलंपिक योग्यता के लिए पात्र बन गईं।

श्रुति ने इस महीने की शुरुआत में अपना पहला एमईआर अर्जित किया था, जब वह स्लोवेनिया के लिपिका में आयोजित थ्री-स्टार ग्रैंड प्रिक्स इवेंट ड्रेसेज वर्ल्ड कप में 67.761 अंकों के साथ जीतने वाली पहली भारतीय राइडर बनी थीं। उनके अन्य दो जीपी प्रदर्शनों में 66.543 और 66.174 अंक थे, जो एमईआर स्तर से नीचे थे।

अनुष अग्रवाल ने चार बार - 67.936 (विस्बेडेन, मई 2024), 68.261 (मेचेलन में दिसंबर 2023), 67.152 (फ्रैंकफर्ट में दिसंबर 2023) और 67.804 (व्रोकला में अक्टूबर 2023) एमईआर हासिल किया।

यह निर्णय कार्यकारी परिषद द्वारा सर्वसम्मति से लिया गया और अध्यक्ष ने इस निर्णय पर अपनी मुहर लगाई।

फवाद मिर्जा ने 2020 टोक्यो खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। उनसे पहले इम्तियाज अनीस ने 2000 सिडनी खेलों में भाग लिया था जबकि इंद्रजीत लांबा ने 1996 अटलांटा खेलों में भाग लिया था। जितेंद्रजीत सिंह अहलूवालिया, हुसैन सिंह, मोहम्मद खान और दरिया सिंह सभी ने 1980 मास्को खेलों में भाग लिया था।

न्यूज ब्रीफ

ईस्ट बंगाल क्लब ने जॉर्डन के डिफेंडर हिजाजी माहेर के साथ अनुबंध दो साल और बढ़ाया

कोलकाता। जॉर्डन के डिफेंडर हिजाजी माहेर ने ईस्ट बंगाल फ्रेंड्स क्लब के साथ दो साल के अनुबंध विस्तार पर हस्ताक्षर किए हैं। इंडियन सुपर लीग क्लब ने मंगलवार को इसकी घोषणा की है। 26 वर्षीय माहेर को 2023 में क्लब ने अपने साथ जोड़ा था और तब से वह टीम के डिफेंसिव सेटअप में अहम भूमिका निभा रहे हैं। इस साल की शुरुआत में क्लब ने इंडियन सुपर कप जीतने के बाद उन्हें सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर चुना था। उन्होंने टूर्नामेंट में दो गोल भी किए। कोलकाता स्थित टीम में शामिल होने के बाद से माहेर ने 22 मैचों में हिस्सा लिया है, जिसमें दूसरे सबसे ज्यादा क्लीयरेंस (99), दूसरे सबसे ज्यादा हेड क्लीयरेंस (58) और दूसरे सबसे ज्यादा ब्लॉक (22) शामिल हैं। पिछले सीजन में मुंबई सिटी एफसी के खिलाफ़ आईएसएल मैच के दौरान 14 क्लीयरेंस दर्ज करने के उनके प्रयास ने सभी का ध्यान खींचा। जॉर्डन के इस खिलाड़ी ने क्लब के एक बयान में कहा कि ईस्ट बंगाल मेरे दिल में एक ख़ास जगह रखता है। मैंने इस बेहतरीन क्लब के साथ कई ख़ास पल बिताए हैं और मैं महसूस कर सकता हूं कि प्रशंसक मुझसे कितना प्यार करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि वे मुझे हर खेल के लिए बहुत ऊर्जा देते हैं और मैं हमेशा बदले में उन्हें खुश करने की कोशिश करता हूं। कलिंगा सुपर कप जॉर्डन के बाहर मेरी पहली ट्रॉफी थी। हम अगले सीजन में और भी बड़ी ऊंचाइयों को छूना चाहते हैं। मैं कोच कार्ल्स और इमामी ईस्ट बंगाल प्रबंधन को मेरी क्षमताओं पर भरोसा करने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं कोलकाता लौटने का बेसब्री से इंतज़ार कर रहा हूं। माहेर की सेवाओं को बनाए रखने पर टिप्पणी करते हुए मुख्य कोच कार्ल्स कुआड्राट ने कहा कि हिजाज़ी हमारे रक्षात्मक प्रणाली में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने क्लीयरेंस, एरियल ड्यूल्स और इंटरसेप्शन में अविश्वसनीय संख्या हासिल की है।

पेरिस 2024: जूडोका तूलिका मान ने भारत के लिए ओलंपिक कोटा हासिल किया

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय जूडो महासंघ (आईजेएफ) द्वारा मंगलवार को प्रकाशित नवीनतम रैंकिंग के

अनुसार, तूलिका मान ने जूडो में भारत के लिए पेरिस 2024 ओलंपिक कोटा हासिल कर लिया है। बर्मिंघम में 2022 के राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतने वाली 25 वर्षीय भारतीय जूडोका ने महिलाओं के 78 किग्रा वर्ग में महाद्वीपीय कोटा हासिल किया। 22 जून 2022 से 23 जून 2024 तक की योग्यता अवधि के दौरान 1345 रैंकिंग अंक हासिल करने वाली तूलिका मान भारत के लिए महाद्वीपीय कोटा हासिल करने के लिए स्टैंडिंग में 36वें स्थान पर रहीं। पेरिस 2024 ओलंपिक में 14 जूडो भार श्रेणियों में से प्रत्येक के लिए, आईजेएफ की ओलंपिक रैंकिंग के अनुसार 17 सर्वोच्च रैंक वाले एथलीटों (प्रत्येक देश के लिए एक) ने कोटा प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त, सभी भार श्रेणियों में अधिकतम 100 महाद्वीपीय कोटा उपलब्ध थे, जिसमें प्रत्येक देश सभी भार वर्गों और लिंगों में केवल एक महाद्वीपीय कोटा सुरक्षित करने के लिए पात्र था। राष्ट्रीय ओलंपिक समितियों (एनओसी) के पास ओलंपिक खेलों में अपने-अपने देशों के प्रतिनिधित्व के लिए विशेष अधिकार है और पेरिस खेलों में एथलीटों की भागीदारी उनके एनओसी द्वारा पेरिस 2024 में अपने प्रतिनिधिमंडल का प्रतिनिधित्व करने के लिए उन्हें चुनने पर निर्भर करती है।

टी20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बने रोहित शर्मा

ग्रोस आइलेट। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा टी 20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अग्रणी रन-स्कोरर बन गए हैं, साथ ही उन्होंने इस प्रारूप में बतौर कप्तान सर्वाधिक जीत दर्ज करने के अपने समकक्ष पाकिस्तानी कप्तान बाबर आजम के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। रोहित ने यह उपलब्धि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रहे आईसीसी टी-20 विश्व कप के सुपर 8 मुकाबले के दौरान हासिल की। रोहित ने मैच में 41 गेंदों पर 7 चौके और 8 छक्के की बदौलत 92 रनों की तूफानी पारी खेली। 157 मैचों में, अनुभवी सलामी बल्लेबाज ने 32.03 की औसत और 140.75 की स्ट्राइक रेट से 4,165 रन बनाए हैं। बाबर 123 मैचों में 41.03 की औसत से 4,145 रन बनाकर दूसरे स्थान पर खिसक गए। जबकि कोहली 123 मैचों में 48.84 की औसत से 4,103 रन बनाकर तीसरे स्थान पर खिसक गए। इसके अलावा इस मैच में ऑस्ट्रेलिया को 24 रनों से हराने के बाद रोहित ने बतौर कप्तान अपनी 48वीं टी20 अंतरराष्ट्रीय जीत हासिल की। बाबर ने भी 85 मैचों में टी20 अंतरराष्ट्रीय प्रारूप में पाकिस्तान के कप्तान के रूप में 48 जीत दर्ज की है। मैच की बात करें तो इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी करने का निमंत्रण दिया। विराट कोहली (00) के जल्दी आउट होने के बाद रोहित शर्मा (41 गेंद, 92 रन, 7 चौके, 8 छक्के) ने तूफानी पारी खेली, उन्हें सूर्य कुमार यादव (16 गेंद 31 रन, 3 चौके, 2 छक्के), शिवम दुबे (22 गेंद, 28 रन, 2 चौके 1 छक्का) और हार्दिक पांड्या (17 गेंद 27 रन 1 चौका, 2 छक्का) का अच्छा साथ मिला और भारत ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 205 रनों का बड़ा स्कोर बनाया।

आईजीएफ द्वारा जारी अंतिम सूची के अनुसार, भारतीय गोल्फ स्टार प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार

भारतीय गोल्फर अदिति अशोक, दीक्षा डागर ने पेरिस ओलंपिक के लिए किया क्वालीफाई

नई दिल्ली।

अंतरराष्ट्रीय गोल्फ महासंघ (आईजीएफ) द्वारा जारी योग्य महिलाओं की अंतिम सूची के अनुसार, भारतीय गोल्फ स्टार अदिति अशोक और दीक्षा डागर पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार हैं।

पिछले हफ़्ते केपीएमजी महिला पीजीए चैंपियनशिप के बाद अंतिम रूप से तैयार की गई आईजीएफ की ओलंपिक योग्यता सूची में 60 महिलाएँ शामिल हैं। ओडब्ल्यूजीआर में शीर्ष 15 खिलाड़ी ओलंपिक के लिए पात्र हैं, जिसमें एक देश से अधिकतम चार गोल्फर शामिल हो सकते हैं।

अदिति दुनिया की 60वें नंबर की खिलाड़ी हैं और दीक्षा दुनिया की 167वें नंबर की खिलाड़ी हैं, लेकिन उन्होंने क्रमशः 24वें और 40वें नंबर की ओलंपिक रैंक के साथ कट बनाया है।

दोनों महिलाएँ शुभंकर शर्मा और गगनजीत भुल्लर (पुरुष वर्ग) के साथ मिलकर चार सदस्यीय भारतीय टीम बनाती हैं ।पेरिस खेलों के लिए पुरुषों (1-4 अगस्त) और महिलाओं (7-10 अगस्त) की गोल्फ स्पर्धाएँ सेंट-क्वेंटिन-एन-यवेलिन्स में ले गोल्फ नेशनल में आयोजित की जाएँगी।

अदिति के लिए यह ओलंपिक में तीसरी उपस्थिति होगी, जो किसी भारतीय के लिए सबसे अधिक है, दीक्षा दूसरी बार प्रतिस्पर्धा करेंगी। शर्मा और भुल्लर पहली बार ग्रीष्मकालीन खेलों में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

टोक्यो ओलंपिक में, अदिति चौथे

सथान पर रही थीं, जो ग्रीषमकालीन खेलों में किसी भारतीय गोलफर द्वारा हासिल किया गया सवरश्रेषठ परिणाम था। दीकषा 50वें सथान पर रहीं थीं।

श्रीमंत झा ने पैरा आर्म रेसलिंग में विदेशों में लहराया परचम

रायपुर। दोनों हाथों में केवल 4 उंगलियाँ होने के बावजूद भिलाई के श्रीमंत ने इस कमी को अपने लक्ष्य की राह का रोड़ा नहीं बनने दिया। राष्ट्रीय एव अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पैरा आर्म रेसलिंग में नई ऊंचाईयां प्राप्त की। पैरा आर्म रेसलिंग में छत्तीसगढ़ की ओर से भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ी श्रीमंत झा ने आज मंगलवार को खेल मंत्री टंक राम वर्मा से उनके निवास कार्यालय में सौजन्य मुलाकात की। मुलाकात के दौरान खेल मंत्री ने देश-विदेश में उनके द्वारा पैरा आर्म रेसलिंग में शानदार प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने उन्हें इस खेल में और निखार लाने के लिए विदेशों में प्रशिक्षण की व्यवस्था करने में आवश्यक सहयोग दिलाने के लिए आश्वस्त किया। वर्तमान में श्रीमंत एक प्राइवेट कंपनी में इंजीनियर के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने आर्म-रेसलिंग में राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई पदक हासिल किये हैं। पांच विश्व चैंपियनशिप जीतने वाले श्रीमंत झा का अगला लक्ष्य पैरा ओलंपिक्स में भारत का प्रतिनिधित्व कर देश के लिए पदक जीतना है।

बंगाल प्रो टी 20 लीग

महिला सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स टीम ने जीत के साथ ली लीग से विदाई

कोलकाता।

सर्वोटेक सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स महिला टीम ने साल्ट लेक के जादवपुर विश्वविद्यालय मैदान में खेले गए अपने आखिरी मैच में स्मैशर्स मालदा पर शानदार जीत के साथ अपने बंगाल प्रो टी20 लीग अभियान का समापन किया।

प्रियंका बाला की अगवाई में सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स ने स्मैशर्स मालदा के खिलाफ 2 रन से इस मैच को अपने नाम किया। हालांकि अपने पिछले कई मुकाबलों में सिलीगुड़ी जीत का स्वाद चखते चखते रह गई।

टीम के प्रदर्शन पर सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स के मालिक ऋषभ भाटिया ने कहा, "हार और जीत सिक्के के दो पहलू हैं, किसी एक को जीतना होता है, लेकिन हमारी महिला टीम ने जिस दृढ़ संकल्प और जोश के साथ सभी मैचों में अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की उस पर मुझे बहुत गर्व है। टीम ने कई करीबी मुकाबले खेले और अपने अंतिम मुकाबले में रोमांचक जीत भी हासिल की यह उनके आत्मविश्वास को बढ़ाएगा और मैं उम्मीद करता हूं कि अगली बार हम एक नई ऊर्जा के साथ ट्रॉफी को अपने नाम करेंगे।'

आखिरी मैच में प्रीति मंडल, समयिता अधिकारी और प्रियंका बाला के महत्वपूर्ण योगदान की बदौलत सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स ने 20 ओवरों में 4 विकेट खोकर 128 का लक्ष्य रखा। लक्ष्य का पीछा करने उतरी स्मैशर्स मालदा ने काफी करीबी मुकाबला खेला, लेकिन पियाली घोष के 48 रन के बावजूद भी उन्हें 2 रन से हार का सामना करना पड़ा।

वहीं सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स की पुरुष टीम ने भी लीग में जीत के साथ अपना अभियान समाप्त किया। जिसमें कप्तान ऋत्विक रॉय चौधरी, तेज गेंदबाज आकाश दीप और बल्लेबाज तरुण गोदारा जैसे खिलाड़ियों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। अरिवा स्पोर्ट्स की देखरेख में हो रही बंगाल प्रो टी20 लीग की नींव आईपीएल की तर्ज पर रखी गई है। जिसमें पुरुष और महिला दोनों श्रेणियों में 8 फ्रेंचाइजी टीमें शामिल हैं। सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स सिलीगुड़ी, दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी, कूच बिहार, अलीपुरद्वार और कलिम्पोंग का प्रतिनिधित्व कर रही थी।

मुंबई सिटी एफसी ने फ्रांसीसी मिडफील्डर जेरेमी मंज़ोरो के साथ किया करार

मुंबई।

मुंबई सिटी एफसी ने फ्रेंच मिडफील्डर जेरेमी मंज़ोरो के साथ फ्री ट्रांसफर पर करार किया है। मंज़ोरो 2024-25 सीज़न के अंत तक क्लब में बने रहेंगे। 32 वर्षीय खिलाड़ी ने फ्रांस में स्टेड डी रिम्स के साथ अपने वरिष्ठ पेशेवर करियर की शुरुआत की और तब से दुनिया भर में विभिन्न लीगों में अपने कौशल का प्रदर्शन किया है, जिसमें बुल्गारिया (पीएफसी स्लाविया सोफिया), लिथुआनिया (एफके ज़लगिरिस) और कजाकिस्तान (टोबोल और अस्ताना) शामिल हैं।

उन्होंने यूईएफए यूरोपा लीग और यूईएफए यूरोपा कॉन्फ्रेंस लीग जैसी कुलीन यूरोपीय प्रतियोगिताओं में भाग लिया है। उनके पुरस्कारों में लिथुआनियाई कप, कजाख कप और लगातार दो कजाख लीग खिताब शामिल हैं।

मंज़ोरो 2023 में जमशेदपुर एफसी में शामिल होने के लिए भारत आए, 2023-24 सीज़न के दौरान उन्होंने 24 मैच खेले और दो असिस्ट के साथ छह गोल किए। वह अपने सटीक पास और फ्री किक के लिए प्रसिद्ध हैं।

अपने शानदार फुटवर्क, रचनात्मक स्वभाव और विविध पासिंग रेंज के लिए जाने जाने वाले मंज़ोरो अपने साथ बहुमूल्य अनुभव भी लेकर आए हैं जो आइलैंडर्स की टीम के संतुलन के साथ मेल खाता है।

क्लब के साथ करार पर जेरेमी मंज़ोरो ने कहा, 'मैंने अब तक भारत में अपने समय का आनंद लिया है और एक और सीज़न के लिए यहाँ रहने के लिए उत्साहित हूँ। मुंबई सिटी एफसी आईएसएल की सबसे सफल टीमों में से एक है और खिताब जीतने का इतिहास रखती है। मैं अपने नए साथियों से मिलने और कोच पेट्र क्रेटकी के साथ काम करने के लिए और इंतजार नहीं कर सकता। मैं मुंबई के जीवंत शहर में अपने जीवन का यह नया अध्याय शुरू करने और क्लब की सफलता में योगदान देने के लिए रोमांचित हूँ। मेरा लक्ष्य टीम को उसके उद्देश्यों को प्राप्त करने में मदद करना और क्लब को और अधिक खिताब दिलाना है।'

कोच पेट्र क्रेटकी ने कहा, 'जेरेमी बहुत कुशल है और उसे खेल की गहरी समझ है, जो उसके खेलने पर स्पष्ट दिखाई देती है। उसका अनुभव टीम के लिए महत्वपूर्ण होगा, और वह टीम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

यूरो 2024: इटली, स्पेन अंतिम 16 में, क्रोएशिया बाहर

बर्लिन।

मैटियास ज़ाकाग्नि द्वारा अंतिम समय में किये गए गोल की बदौलत मौजूदा चैंपियन इटली ने क्रोएशिया के खिलाफ 1-1 से ड्रा खेलकर यूरो 2024 के अंतिम-16 चरण में प्रवेश किया, जबकि स्पेन ने सोमवार को ग्रुप बी के अंतिम दौर में अल्बानिया को 1-0 से हराकर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा।

क्रोएशिया ने आक्रामक शुरुआत की, क्योंकि उसे पता था कि केवल जीत से ही वह अंतिम 16 के दौर में पहुंच सकेगा। उसे गोल करने के कई मौके भी मिले, लेकिन सफलता हासिल नहीं हुई। पहला हॉफ गोल रहित समाप्त हुआ।

मध्यांतर के बाद क्रोएशिया ने एक बार फिर अच्छी शुरुआत की। मैच के 55 मिनट में लुका मोड्रिक ने गोल कर क्रोएशिया को 1-0 की बढ़त दिला दी।

इसके बाद इटली ने क्रोएशिया के गोल क्षेत्र पर आक्रमण शुरू कर दिया, क्योंकि उन्हें अगले दौर के लिए अपनी जगह पक्की करने के लिए कुछ और मौके की जरूरत थी। मैच के अतिरिक्त समय में मैटियास ज़ाकाग्नि ने आखिरकार गोल कर इटली को 1-1 से बराबरी दिला दी और यही स्कोर निर्णायक साबित हुआ।

ग्रुप बी के दूसरे मुकाबले में, अग्रणी स्पेन ने फेरान टोरेस के एकमात्र गोल से अल्बानिया को 1-0 से हराकर अपनी जीत का सिलसिला तीन मैचों तक बढ़ा दिया।

स्पेन ग्रुप बी में 9 अंकों के साथ शीर्ष पर रहा। इसके बाद इटली (4 अंक), क्रोएशिया (2 अंक) और अलाबानिया (1 अंक) का स्थान रहा।

प्रत्येक छह समूहों में से शीर्ष दो और तीसरे स्थान पर रहने वाली चार सर्वश्रेष्ठ टीमें राउंड-ऑफ-16 नॉकआउट चरण में प्रवेश करेंगी।

टी20 विश्वकप: ऑस्ट्रेलिया को हरा सेमीफाइनल में पहुंची भारतीय टीम, 24 रन से जीता मैच

सेंट लुसिया।

ऑस्ट्रेलिया को हरा भारतीय टीम टी20 विश्वकप 2024 के सेमीफाइनल में पहुंच गई है। सुपर-8 के अपने आखिरी मुकाबले में भारत ने कंगारुओं को 24 रनों से मात दी। रोहित शर्मा को शानदार बल्लेबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

भारतीय टीम की ओर से मिले 206 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही। पहले ही ओवर में डेविड वार्नर 6 रन बनाकर आउट हो गए। हालांकि इसके बाद कप्तान मिशेल मार्श ने ट्रेविस हेड के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 81 रन की साझेदारी की। मार्श 37 रन बनाकर कुलदीप यादव का शिकार बने। फिर मैक्सवेल ने कुछ अच्छे शॉट लगाए लेकिन ज्यादा देर क्रीज पर नहीं टिके। मैक्सवेल ने 20 रन बनाए। तभी मार्कस स्टॉयनिस भी 2 रन बनाकर चलते बने। विकेटों के गिरते क्रम के बीच हेड एक छोर संभाले हुए थे लेकिन रन गति बढ़ाने के चक्कर में वो भी 76 के निजी स्कोर पर आउट हो गए। इसके बाद टिम डेविड 15 रन और मैथ्यू वेड एक रन बनाकर आउट हुए। आखिर में पैट कमिंस 11 रन और स्टार्क 4 रन बनाकर नाबाद रहे। इस तरह ऑस्ट्रेलियाई टीम सात विकेट खोकर 181 रन ही बना सकी। भारत के लिए अर्शदीप सिंह ने तीन और कुलदीप यादव ने दो विकेट झटके। जबकि बुमराह और अक्षर पटेल को एक-एक सफलता मिली।

इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 20 ओवरों में 205 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। विराट कोहली एक बार फिर फेल रहे और बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। लेकिन कप्तान रोहत शर्मा ने आज शानदार बल्लेबाजी की और मात्र 19 गेंदों में अपना पचासा पूरा किया उन्होंने 41 गेंदो में 94 रन की पारी खेली। वहीं ऋषभ पंत ने 15, सूर्यकुमार यादव ने 31 और शिवम दुबे ने 28 रन बनाए। आखिर के ओवरों में हार्दिक पांड्या ने 17 गेंदों में 27 रन बनाए और टीम के स्कोर को 200 के पार पहुंचाया। ऑस्ट्रेलिया के लिए मिशेल स्टार्क और मार्कस स्टॉयनिश ने दो-दो विकेट चटकाए। जबकि जोश हैजलवुड को एक सफलता मिली।

अर्शदीप ने की कुलदीप की तारीफ, कहा-वह एक चैंपियन स्पिनर

ग्रोस आइलेट। भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने टी 20 विश्व कप 2024 के सुपर आठ मैच में ऑस्ट्रेलिया पर 24 रन से जीत हासिल करने के बाद अपने साथी कुलदीप यादव की प्रशंसा की और उन्हें चैंपियन स्पिनर कहा। कुलदीप यादव ने अपने चार ओवर के स्पेल में 6.00 की इकॉनमी रेट से दो विकेट लिए और 24 रन दिए। वहीं अर्शदीप सिंह ने अपने चार ओवर के स्पेल में 9.20 की इकॉनमी रेट से तीन विकेट लिए और 37 रन दिए। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में अर्शदीप ने कहा कि कुलदीप भारत के लिए खेलते समय हमेशा अच्छा प्रदर्शन करते हैं, साथ ही वह टीम के लिए एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी है। अर्शदीप ने कहा, "कुलदीप एक चैंपियन स्पिनर है। जब भी उसे मौका मिलता है, वह अच्छा प्रदर्शन करता है और वह हमेशा विकेटों पर रहा है और आज भी वह कठिन छोर से गेंदबाजी कर रहा था और हवा के विपरीत भी, वह लगभग 6 प्रति ओवर की गति से गेंदबाजी करने में सफल रहा और महत्वपूर्ण विकेट लिए। इसलिए, वह हमारी टीम में वास्तव में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी है और हम उससे सब कुछ सीखने के लिए उत्सुक हैं और हमें उम्मीद है कि वह बहुत सारे विकेट लेगा।" उन्होंने आगे कहा कि एक टीम के रूप में उनका आदर्श वाक्य स्टेडियम की परिस्थितियों के अनुकूल ढलना है। उन्होंने यह भी बताया कि जब वे दूसरी पारी में गेंदबाजी कर रहे थे तो मेन इन ब्लू को हवा से 'अच्छा समर्थन' मिला। उन्होंने कहा, "खिलाड़ी और टीम के तौर पर हमारा लक्ष्य परिस्थितियों के अनुकूल ढलना है। जब हम इस छोर से गेंदबाजी कर रहे थे, तो हमें हवा से अच्छा समर्थन मिल रहा था और गेंद स्विंग कर रही थी। लेकिन जब आप दूसरी छोर से गेंदबाजी कर रहे होते हैं, तो आपको हवा के विपरीत दिशा में दौड़ना होता है और आपको देखना होता है कि बल्लेबाज उस तरफ से शॉट मारने की कोशिश कर रहे थे और छक्के उस तरफ से जा रहे थे - इसलिए आपका रक्षात्मक विकल्प क्या है और आपको हवा को खेल में कैसे लाना चाहिए और आपको उस तरफ से रक्षात्मक कैसे होना चाहिए और इस तरफ से आक्रमण कैसे करना चाहिए, इस पर भी ध्यान देना होता है।"

गर्मियों में ज्यादा कोल्ड कॉफी पीने से हो सकते हैं ये गंभीर नुकसान

गर्मियों में शरीर को इंस्टेंट एनर्जी देने के लिहाज से भले ही कोल्ड कॉफी आपको अच्छी लगती हो, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसके ज्यादा सेवन से सेहत पर काफी बुरा असर देखने को मिलता है? जी हां, इससे न सिर्फ आपको थकान और कमजोरी की परेशानी होती है, बल्कि यह पाचन तंत्र के लिए भी अच्छी नहीं मानी जाती है। वहीं, अगर आप ब्लड प्रेशर की समस्या से पीड़ित हैं, तो भी कोल्ड कॉफी पीना किसी भी सूरत में सही नहीं है। आइए इस आर्टिकल में जानते हैं कि लाइफस्टाइल का अहम हिस्सा बन चुकी कोल्ड कॉफी कैसे सेहत के लिए मुसीबत का सबब बन सकती है। शरीर को हाइड्रेट रखने के लिए जूस या लस्सी वगैरह पीना तो सही है, लेकिन अगर आप कोल्ड कॉफी को इस मामले में बेहतर मानते हैं, तो आप गलत हैं। बता दें, इसके ज्यादा सेवन से शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या पैदा हो सकती है। यही वजह है कि गर्मियों में कैफीन कम ही लेने की सलाह दी जाती है। कोल्ड कॉफी में मौजूद चीनी के कारण आपको हाई ब्लड प्रेशर की समस्या भी हो सकती है। अगर आप डायबिटीज के पेशेंट हैं, और इसका सेवन करना पसंद करते हैं, तो चीनी को अवॉइड कर सकते हैं। डाइजेशन यानी पाचन तंत्र के लिहाज से भी कोल्ड कॉफी का सेवन अच्छा नहीं माना जाता है। यह गट हेल्थ को खराब कर सकती है, यही वजह है कि कई लोगों को कोल्ड कॉफी पीने के बाद गैस और एसिडिटी जैसी समस्याएं देखने को मिलती हैं। कोल्ड कॉफी के ज्यादा सेवन से सिरदर्द और थकान की समस्या भी देखने को मिलती है। बता दें, कैफीन की ज्यादा मात्रा रातों की नींद उड़ा सकती है, जिससे दिनभर शरीर का एनर्जी लेवल डाउन रहता है।

यूपी में उठाएं रिवर राफ्टिंग का लुत्फ भूल जाएंगे ऋषिकेश-मनाली

गर्मियों में लोग रिवर राफ्टिंग का लुत्फ उठाने के लिए ऋषिकेश या मनाली जाना पसंद करते हैं। उत्तर प्रदेश और दिल्ली व इसके आसपास के शहरों के लोगों के लिए रिवर राफ्टिंग के लिए ये जगहें सबसे करीब होती हैं। हालांकि अब यूपी वालों को रिवर राफ्टिंग का लुत्फ उठाने के लिए किसी दूसरे राज्य जाने की जरूरत नहीं। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश की तरह ही उत्तर प्रदेश में भी रिवर राफ्टिंग का लुत्फ भी उठा सकते हैं। यूपी के एक जिले में रिवर राफ्टिंग शुरू हुई है। आइए जानते हैं कि यूपी वाले अपने ही प्रदेश के किस शहर में रिवर राफ्टिंग का आनंद उठा सकते हैं। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में कालागढ़ रामगंगा नदी में राफ्टिंग शुरू हुई है। राफ्टिंग के लिए अब यूपी वाले ही नहीं, आसपास के राज्यों से भी लोग यहां पहुंच सकते हैं। बिजनौर जिला प्रशासन ने वाटर एडवेंचर स्पोर्ट्स के सौगात जिलेवासियों को देते हुए राफ्टिंग का उद्घाटन किया। कालागढ़ रामगंगा नदी में एक बार में 8 लोग राफ्टिंग कर सकते हैं। राफ्टिंग के दौरान लाइफ गाइड जैकेट और हेलमेट दिया जाएगा। सुरक्षा की सारी व्यवस्था मुहैया कराई जा रही है। चार किमी राफ्टिंग के लिए पर्यटक 300 रुपए का टिकट ले सकते हैं। वहीं 9 किमी राफ्टिंग के लिए करीब 500 रुपए खर्च करने होंगे।

लव के बाद कुश ने भी तोड़ी चुप्पी, बोले-

मैं बहुत प्राइवेट...

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल ने आखिरकार रविवार 23 जून को परिवार और दोस्तों की मौजूदगी में शादी रचाई। एक तरह जहां ये कपल अपनी शादी को लेकर सातवें आसमान पर है। तो वहीं दूसरी तरफ सोशल मीडिया पर दोनों की शादी पर कई लोगों ने विवाद खड़ा कर दिया है। कइयों को कहना है कि सोनाक्षी मुस्लिम परिवार में शादी कैसे कर सकती हैं, जिसके चलते पूरे सिन्हा परिवार को ट्रोल भी किया जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ खबर थी कि सोनाक्षी और जहीर की शादी से एक्ट्रेस के दोनों भाई नाखुश है और वो इसका हिस्सा नहीं बने। अब वेडिंग के दो दिन बाद शत्रुघ्न सिन्हा के बेटे कुश ने इन खबरों पर चुप्पी तोड़ी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, सोनाक्षी सिन्हा के दूसरे भाई कुश से बातचीत हुई है, जिसमें उन्होंने खुलासा किया है कि मैं बहुत प्राइवेट इंसान हूं और मुझे ज्यादा दिखना पसंद नहीं है। इतना नहीं उन्होंने साफ कहा है कि वह अपनी बहन की शादी की हिस्सा बने थे। वो समय परिवार के लिए बहुत भावुक समय था। मैं मेरी बहन को शादी की शुभकामनाएं देना चाहता हूं और उसके अच्छे होने की कामना करता हूं। सोमवार को हिन्दुस्तान टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि एक्ट्रेस के भाई लव सिन्हा ने कहा है कि कृपया एक या दो दिन दीजिए। अगर मुझे लगा कि मैं जवाब दे सकता हूं तो मैं आपके सवाल का जवाब जरूर दूंगा। पूछने के लिए धन्यवाद। उधर अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने 23 जून को बॉयफ्रेंड जहीर इकबाल के साथ रजिस्ट्रेशन के जरिए एक-दूसरे से शादी की। इसके बाद दोनों ने करीबी रिश्तेदारों और दोस्तों के लिए एक भव्य रिसेप्शन पार्टी की। रिसेप्शन पार्टी में सोनाक्षी ने लाल साड़ी में विशेष पारंपरिक पोशाक पहनी थी। सोनाक्षी सिन्हा ने सोशल मीडिया पर ये तस्वीरें पोस्ट करके अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। शादी में लाल साड़ी में जहीर के साथ रोमांटिक फोटोशूट को सोनाक्षी सिन्हा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया और कैप्शन दिया, क्या दिन है! यह प्यार, हंसी, प्रतिबद्धता, उत्साह और भावना से भरा दिन था। हर दोस्त, परिवार और टीम ने समर्थन किया। यह ऐसा था जैसे पूरा ब्रह्मांड दो लोगों को प्यार से जोड़ने के लिए एक साथ आ गया। यह वही है जो उन्हें शुरू से उम्मीद थी, अगर यह एक दैवीय चमत्कार नहीं है, तो यह क्या है कि हम जीवन में एक साथ आए हैं प्यार मिल गया है। सोनाक्षी की शादी में बॉलीवुड के साथ-साथ साउथ मनोरंजन जगत की कई हस्तियां शामिल हुईं। सभी ने सोनाक्षी को ढेर सारा प्यार और आशीर्वाद दिया।

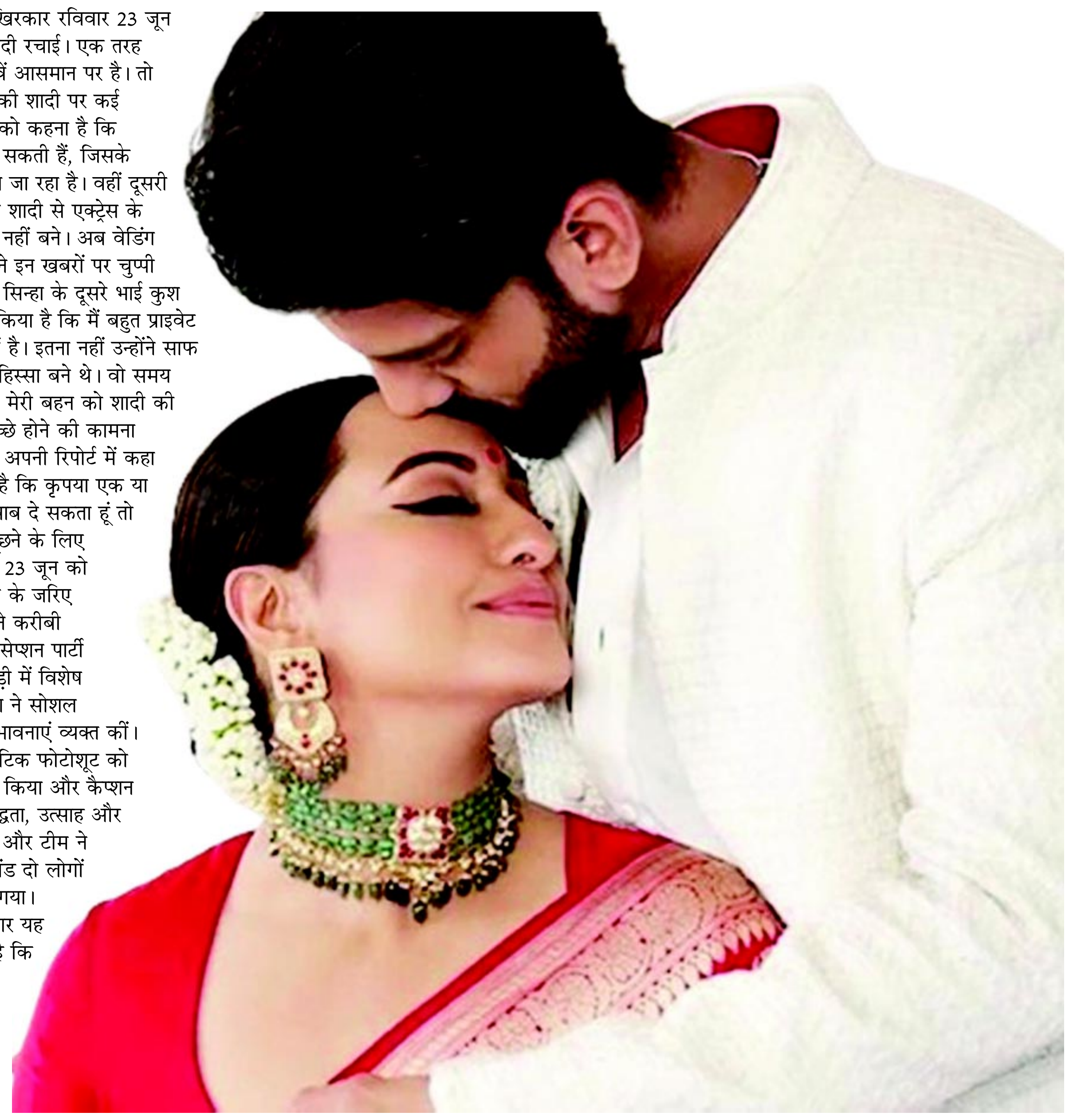

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)